ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शिवकुमार ने मांड्या में कृष्ण सागर बांध का किया दौरा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 23 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-204

सर्वोच्च न्यायालय का फैसला, दुकानों पर नेम प्लेट लगाने पर रोक

दुकान किसकी ? क्या हिंदुओं को यह जानने का हक नहीं ?

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने संकुचित दृष्टि से मुद्दों को देखने और फैसला जारी करने की एक और मिसाल पेश की है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कांवड़ रूट पर दुकानदारों के नाम दर्शाने वाले आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। हालांकि यह रोक अंतरिम है। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों राज्यों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस पर 26 जुलाई को सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दुकानों को सिर्फ यह बताना होगा कि वह मांसाहार बेचते हैं या शाकाहार। यानी, अब आम नागरिक को यह जानने का हक नहीं है कि दुकान किसकी है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर सवाल उठाते हुए हिंदू श्रद्धालु यह भी पूछ रहे हैं कि आधार कार्ड पर किसी के नाम नहीं लिखे जाएं, क्योंकि उससे उसका परिचय सार्वजनिक होता है और उससे तमाम परेशानियां होती हैं।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी ने इस मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि दुकानों को शाकाहारी या मांसाहारी खाने का प्रकार और उसकी कैलोरी बतानी होगी। इसके अलावा उन्हें अपना लाइसेंस भी प्रदर्शित करना होगा। कोर्ट ने इसके बाद कहा कि इस आदेश से यह बात पक्की नहीं हो जाएगी कि कांवड़ रूट पर शुद्ध खाना मिले। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर दोनों राज्यों के इस आदेश को लागू होने से नहीं रोका गया तो इससे सेकुलरिज्म और संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन होगा। कोर्ट ने यह भी कहा प्रशासन कांवड़ रूट पर शुद्ध भोजन के लिए खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आदेश जारी कर सकता है। कोर्ट ने इसी के साथ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश को नोटिस जारी कर दिया और इन सरकारों के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि यूपी के आदेश में कोई खामी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या कांवरिए भी यह उम्मीद करते हैं कि खाना किसी खास वर्ग के मालिक द्वारा पकाया जाए? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह कदम सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए बेहतर है। आप अलग मायने निकाल रहे हैं।

- **आदेश पर अंतरिम रोक, सुनवाई 26 को होगी**
- **तो आधार कार्ड पर भी नहीं लिखे जाएं नाम**
- **सुप्रीम कोर्ट के फैसले से श्रद्धालुओं में आक्रोश**

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता और वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने नेम प्लेट मामले में याचिका दाखिल की थी। अभिषेक मनु सिंघवी ने दावा किया था कि कांवड़ यात्रा के दौरान नाम दिखाने वाला यह आदेश अल्पसंख्यकों के बहिष्कार का जरिया बनेगा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कहा कि अगर किसी दुकानदार को स्वेच्छा से अपना नाम बताने को कहा गया है कि तो इसमें क्या समस्या है। सिंघवी ने मामले को खूब बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया। कोर्ट ने सिंघवी से कहा भी कि इस मामले को तूल देने की जरूरत नहीं है।

गौरतलब है सावन मास में कांवड़ रूट पर खाने की शुद्धता बनाए रखने और कांवड़ियों की सुविधा के लिए दुकानदारों के नाम दिखाने का आदेश उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार ने दिया था।

उत्तर प्रदेश में पहले इसे मुजफ्फरनगर और फिर पूरे प्रदेश में जारी किया गया। जबकि बाद में यह उत्तराखंड में भी लागू किया गया था।

उत्तराखंड पुलिस ने बताया था कि इससे पहले पहचान छुपाने के कारण कई बार विवाद हुए हैं इसलिए नाम दर्शाए जाने चाहिए। इसके बाद इस फैसले के खिलाफ सिंघवी और कुछ संस्थाएं सुप्रीम कोर्ट चली गई थीं, अब इस मामले में यह अंतरिम निर्णय आया है।

उत्तर प्रदेश में कांवड़ रूट पर नेम प्लेट लगाने के फैसले पर फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई है। नेम प्लेट विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है और इस पर शुक्रवार तक जवाब देने को कहा है। राज्यों के जवाब देने तक आदेश पर रोक रहेगी। शीर्ष अदालत ने अपने अंतरिम आदेश में कहा है कि दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं होगी।

केवल खाने के प्रकार बताने होंगे। कांवड़ियों को वेज खाना मिले और साफ सफाई रहे। खाना शाकाहारी है या मांसाहारी, यह बताना जरूरी होगा। मामले की अगली सुनवाई 26 जुलाई को होगी

भारत सरकार की आर्थिक सर्वे रिपोर्ट पर प्रधानमंत्री ने कहा

हम विकसित भारत बनाने की ओर बढ़ रहे: मोदी

- विकसित भारत के लिए घरेलू विकास बेहद जरूरी है
- वर्ष 2024-2025 में देश में कम हो जाएगी महंगाई
- कौशल की कमी से 49% ग्रैजुएट काम के योग्य नहीं
- भारतीयों ने विदेशों से घर भेजे 120 बिलियन डॉलर

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण हमारी अर्थव्यवस्था की मौजूदा ताकत को उजागर करता है। भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। आर्थिक सर्वेक्षण हमारी सरकार की ओर से लाए गए विभिन्न सुधारों के परिणामों को रेखांकित करता है। पीएम मोदी ने कहा कि इस आर्थिक सर्वेक्षण से देश में आगे के विकास और प्रगति के क्षेत्रों की भी पहचान होती है। हम

एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि संसद में पेश किया गया आर्थिक सर्वेक्षण अर्थव्यवस्था की मौजूदा ताकत को रेखांकित करता है और सरकार द्वारा लाए गए विभिन्न सुधारों के परिणामों को भी प्रदर्शित करता है। संसद में पेश आर्थिक समीक्षा 2023-24 में यह अनुमान लगाया गया है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 से सात प्रतिशत के बीच रहेगी। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अनुमानित वृद्धि दर पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अनुमानित 8.2 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर से कम है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आर्थिक सर्वेक्षण हमारी अर्थव्यवस्था की मौजूदा ताकत को रेखांकित करता है और हमारी सरकार द्वारा लाए गए विभिन्न सुधारों के परिणामों को भी प्रदर्शित करता है। ▶10पर

भारत में अनुसंधान और विकास पर कम खर्च

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। अनुसंधान और विकास पर कम खर्च किए जाने के बावजूद भारतवर्ष इस क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। चीन, अमेरिका और इस्राइल जैसे देशों की तुलना में इस पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रतिशत के रूप में देश का निवेश बहुत कम है। आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में यह जानकारी दी गई है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि आर एंड डी में निजी क्षेत्र का योगदान भी कम है। ▶10पर

जेडीयू सांसद के सवाल पर सरकार ने स्पष्ट की स्थितियां

बिहार और आंध्र प्रदेश को नहीं मिलेगा विशेष राज्य का दर्जा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा। दोनों राज्यों को विशेष पैकेज देने के बारे में विचार किया जा सकता है। एनडीए के घटक दल जदयू के सांसद रामप्रीत मंडल के सवाल के जवाब में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने यह बात कही। चौधरी ने कहा कि मौजूदा प्रावधानों में यह संभव नहीं है। राज्यों को अलग अलग श्रेणियों में बांटने का प्रावधान और चलन 2014 के बाद खत्म कर दिया गया है।

वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने रामप्रीत मंडल के सवाल के जवाब में बताया कि राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) ने पहले कुछ राज्यों को योजना सहायता के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा प्रदान किया था। उन राज्यों में कुछ विशेष परिस्थितियां थीं, जिनके आधार पर यह किया गया था। यह निर्णय उन सभी कारकों और राज्य की विशिष्ट स्थिति के एकीकृत विचार के आधार पर लिया गया था। विशेष श्रेणी के दर्जे के लिए बिहार के अनुरोध पर एक अंतर-मंत्रालयी समूह (आईएमजी) ने पहले भी विचार किया था, जिसने 30 मार्च, 2012 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। आईएमजी ने निष्कर्ष निकाला था कि मौजूदा एनडीसी मानदंडों के आधार पर बिहार को विशेष श्रेणी का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। वर्ष 2012 में देश में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार थी। उस समय भी यही रिपोर्ट आई थी। केंद्र की मौजूदा सरकार ने उसी का हवाला दिया। ▶10पर

सांसदों को दिए गए आश्वासनों पर काम कर रही सरकार

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा में संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने जानकारी दी है कि पिछले तीन साल में संसद में मंत्रियों की तरफ से दिए गए कुल 913 आश्वासनों में से 583 आश्वासनों पर कार्रवाई हो चुकी है। 330 आश्वासन अभी लंबित हैं।

राज्यसभा में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने बताया कि नीतियों में बदलाव और संशोधन की आवश्यकता के कारण कुछ आश्वासनों को लागू नहीं किया जा सका है। उन्होंने बताया कि इन आश्वासनों को आश्वासन की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर पूरा किया जाना जरूरी है। हालांकि, कुछ आश्वासनों को समय पर लागू नहीं किया जा सका और आश्वासन समिति से समय-सीमा

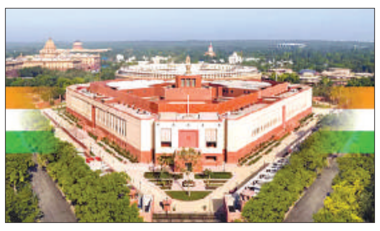

तीन साल में मंत्रियों ने 913 आश्वासन दिए, 583 लागू

बढ़ाए जाने की मांग की गई है।

उल्लेखनीय है कि संसद के 253वें सत्र में कुल 120, 254वें सत्र में 105, 255वें सत्र में 25, 256वें सत्र में 221, 257वें सत्र में 70, 258वें सत्र में 95, 259वें सत्र में 118, 260वें सत्र में 99, 261वें विशेष सत्र में शून्य आश्वासन और 262वें सत्र में 60 आश्वासन दिए गए थे।

वाईएसआरसीपी सांसद रयागा कृष्णैया की तरफ से पूछे गए सवालों का उत्तर देते हुए मंत्री एल. मुरुगन ने बताया कि संसदीय कार्य मंत्रालय ने ऑनलाइन आश्वासन निगरानी प्रणाली (ओएएमएस) नामक एक सॉफ्टवेयर तैयार किया है और सभी मंत्रालयों को आईडी और पासवर्ड भी दिए गए हैं। सभी मंत्रालय इस पोर्टल पर कार्यान्वित रिपोर्ट अपलोड, किसी आश्वासन को छोड़ने का अनुरोध और आश्वासनों की पूर्ति के लिए विस्तार की मांग कर सकते हैं। जिसमें आश्वासनों के समय पर कार्यान्वयन के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं। संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने बताया कि संसदीय कार्य मंत्रालय समय-समय पर सभी मंत्रालयों/विभागों को ▶10पर

हिंसा की वजह से भारत-बांग्लादेश के बीच व्यापार बाधित

कोलकाता, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद भी वहां हिंसा अभी भी जारी है और इसका असर व्यापार पर पड़ रहा है।

पश्चिम बंगाल के बंदरगाहों से भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले वाला व्यापार लगातार बाधित है। सोमवार को भी कामकाज ठप्प रहा। अधिकारियों का कहना है कि एक तय संख्या में यात्रियों की आवाजाही जारी है। उधर, बांग्लादेश के पेट्रापोल बंदरगाह से माल ढोने वाले ट्रकों के पहिए भी लगातार थमे हुए हैं। बांग्लादेश में हिंसक घटनाओं की वजह से सरकार ने अवकाश घोषित कर रखा है। आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर बाकी सभी सेवाओं पर फिलहाल रोक लगा दी गई है।

पेट्रापोल बंदरगाह उत्तरी परगना जिले के बनगांव में स्थित है। यह बंदरगाह दक्षिण एशिया के सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक है। यह बंदरगाह भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार में अहम भूमिका निभाता है। सामान्य दिनों में यहां से हर दिन सैकड़ों मालवाहक ट्रक गुजरते हैं। पेट्रापोल बंदरगाह में भारतीय अधिकारी कमलेश सैनी का कहना है कि व्यापार पर फिलहाल रोक लगाई गई है। हालांकि, लोगों, खास तौर पर छात्रों की आवाजाही जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक 700 से अधिक छात्र पेट्रापोल बंदरगाह पहुंचे हैं। कमलेश सैनी ने बताया कि अब तक 4,500 से अधिक भारतीय छात्रों की बांग्लादेश से वतन वापसी कराई गई है। बांग्लादेश में हिंसा की वजह से 150 से अधिक लोगों की मौत हुई है। पेट्रोपोल बंदरगाह में बीते शनिवार को आखिरी व्यापारिक गतिविधि देखी गई। उस दौरान बांग्लादेश में भारत में 110 मालवाहक ट्रक भेजे गए थे। इसके अलावा भारत से बांग्लादेश के लिए 48 मालवाहक ट्रक भेजे गए थे। अधिकारियों ने बताया कि इस समय पेट्रापोल बंदरगाह में 800 ट्रकों के पहिए थमे हुए हैं।

बांग्लादेश को साल 1971 में आजादी मिली थी। आजादी के बाद से ही बांग्लादेश में आरक्षण व्यवस्था लागू है। ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,502.08
-102.57 -0.13% ↓
एनएसई :24,509.25
-21.65 (-0.09%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28°
न्यूनतम : 21°

सेना के नए शिविर पर आतंकी हमला, एक जवान जख्मी

जम्मू, 22 जुलाई (ब्यूरो)। राजौरी जिले के गुंडा इलाके में सोमवार को नए स्थापित सैन्य शिविर पर आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में एक सैनिक घायल हो गया। सेना ने माना कि आतंकी अब सैन्य शिविरों पर हमलों की नई रणनीति अपनाते हुए उन कैंपों या जवानों को निशाना बना रहे हैं जो इलाके में नए तैनात हुए हैं।

आतंकवादियों ने गुंडा में 63आरआर के सेना शिविर पर गोलीबारी की, जिसका माकूल जवाब दिया गया। गोलीबारी के दौरान एक सैनिक घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि तड़के करीब साढ़े तीन बजे आतंकवादियों ने गुंडा गांव में हाल ही में स्थापित सेना के शिविर पर गोलीबारी की। सेना ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों ओर से हल्की गोलीबारी हुई। ▶10पर

आईएनएस ब्रह्मपुत्र में लगी भीषण आग, एक तरफ झुका

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के बहु-भूमिका वाले युद्धपोत जहाज आईएनएस ब्रह्मपुत्र में भीषण आग लगने की घटना हुई है। नौसेना के अनुसार 21 जुलाई की शाम को युद्धपोत उस समय आग लग गई थी, जब उसकी मरम्मत की जा रही थी। नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई और बंदरगाह में मौजूद अन्य जहाजों के अग्निशमन कर्मियों की सहायता से जहाज के चालक दल ने 22 जुलाई की सुबह तक आग पर काबू पा लिया था। इसके अलावा, आग लगने के बाद जोखिम के आकलन के लिए सैनिटाइजेशन जांच समेत कार्रवाई की गई। जानकारी के मुताबिक युद्धपोत

नौसेना प्रमुख ने रक्षा मंत्री को दी हादसे की जानकारी एक नाविक लापता

आईएनएस ब्रह्मपुत्र पर लगी आग की घटना में, युद्धपोत एक तरफ झुक गया है और तमाम कोशिशों के बावजूद, जहाज को सीधा नहीं किया जा सका है। फिलहाल जहाज एक तरफ टिका हुआ है। वहीं इस हादसे में एक जूनियर नाविक को छोड़कर सभी कर्मियों को बचा लिया गया है। वहीं जूनियर नाविक की तलाश की जा रही है। जबकि इस दुर्घटना की जांच के लिए भारतीय नौसेना ने जांच का आदेश दिया है। वहीं नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस ब्रह्मपुत्र में आग लगने की घटना और इस घटना से हुए नुकसान से अवगत कराया है।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मंत्र दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन तथा तेयुप गांधीनगर, एचबीएसटी हनुमंतनगर, राजाजीनगर, टी दासरहल्ली, यसवंतपुर द्वारा मंत्र दीक्षा का कार्यक्रम साध्वी उदितयशाजी के पावन सानिध्य में गांधीनगर तेरापंथ भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रज्ञा संगीत सुधा के मंगलाचरण से हुई। साध्वी श्री संगीतप्रभाजी, भव्ययशाजी एवं शिक्षाप्रभाजी ने सुमधुर गीत का संगान किया।

बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। त्रिपदी वंदना, अर्हम्-अर्हम् की वंदना, णमोकर मंत्र के गाने एवं लघु नाटिका की प्रस्तुति दी। साध्वी श्री उदितयशाजी ने कहा आचार्य भिक्षु एक महान साधक व सत्य के पुजारी थे। उनका नाम स्वयं एक मंत्र बन गया। भूलने वाले को भी अमर नाम यह याद हैं। हम सभी उनके सिद्धांतों पर अमल करें। ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों को नमस्कार महामंत्र का महत्व बताते हुए उनको मंत्र दीक्षा प्रदान की तथा कुछ अमूल्य संकल्प प्रदान किए। अभिभावकों को आह्वान किया कि वह अपने बच्चों को ज्ञानशाला में अवश्य भेजें और प्रशिक्षकों के श्रम को सार्थक करें। हनुमंतनगर ज्ञानशाला से कुल 35 बच्चे एवं त्यागराजनगर ज्ञानशाला से 16 बच्चों ने उत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया। हनुमंतनगर से 14 बच्चों एवं त्यागराजनगर से 5 बच्चों को मंत्र दीक्षा दिलाई गयी। तेयुप बेंगलूरु गांधीनगर अध्यक्ष विमल धारीवाल के साथ सभी परिषदों के अध्यक्षों ने स्वागत किया। हनुमंतनगर मंत्र दीक्षा कार्यक्रम के प्रायोजक प्रकाशचंद, नवरतन कुमार, परेश कुमार, देवांश कुमार, हिवान कुमार बोल्या श्री नगर बेंगलूरु रहे। हनुमंतनगर ज्ञानशाला प्रशिक्षिका तारा कटारिया, कांता धोका समेत अन्य का विशेष श्रम रहा। इस अवसर पर अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरना और अमित दक समेत अन्य की विशेष उपस्थिती रही। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अभातेयुप एवं परिषद पूर्व अध्यक्ष गौतम खाब्या, पूर्व अध्यक्ष धर्मेश कोठारी, परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक, उपाध्यक्ष प्रथम राहुल मेहता, मंत्री संदीप चौधरी, सहमंत्री नवरतन बोल्या आदि का विशेष श्रम रहा।

राष्ट्रीय हिन्दी सेमिनार का आयोजन कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाषा, संस्कृति और साहित्य का अंतर्संबंध विषय पर विचार, चिंतन और मनन के उद्देश्य से केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, श्री नारायणा महाविद्यालय, कन्नूर, तोट्टडा, केरल तथा कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कॉलेज हिन्दी प्राध्यापक संघ, बेंगलूरु के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन श्री नारायणा महाविद्यालय, कन्नूर, तोट्टडा, केरल में बुधवार को किया जाएगा। उक्त राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय भाषा, संस्कृति और साहित्य का अंतर्संबंध है। संगोष्ठी का उद्घाटन कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केके सजु करेंगे। केंद्रीय हिन्दी संस्थान आगरा के निदेशक प्रो. सुनिल बाबुराव कुलकर्णी बीज भाषण देंगे। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर गोपीनाथन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। श्री नारायण महाविद्यालय प्राचार्य अध्यक्ष रहेंगे।

जिसने स्वयं को जीत लिया उसने सब को जीत लिया: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि मानव जीवन का एकमात्र उद्देश्य आत्मा का साक्षात्कार करना है और जिस व्यक्ति का आत्मा से साक्षात्कार हो गया उसे परमात्मा के भी दर्शन हो जाते हैं।

परमात्मा को पाने के अनेक मार्ग है। मंजिल एक लेकिन रास्ते अलग अलग है। व्यक्ति तप त्याग दान पुण्य साधना आराधना के द्वारा परमात्मा के मार्ग पर बढ़ सकता है, लेकिन सबसे सरल मार्ग है भक्ति का मार्ग। श्रद्धापूर्वक भक्ति द्वारा परमात्मा के मार्ग की ओर बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा जिन्होंने अपने मन को जीत लिया, अपनी वाणी को जीत लिया और विशिष्ट आत्मज्ञान को पाकर सर्वज्ञ या पूर्णज्ञान प्राप्त किया उन भगवान को जिनेन्द्र या जिन कहा जाता है। जिन वह है जिन्होंने सब को जीत लिया सब को जान लिया। जिन्होंने इंद्रियों को कषायों को जीत लिया। लेकिन हमारा जीवन एक दूसरे को जीतने में लगा है। हमने अब तक स्वयं को नहीं जीता है। जो स्वयं को जीत लेता है वह सब को जीत लेता है। जो आत्मा को जान लेता है वह परमात्मा को जान लेता है। जो परमात्मा को जान लेता है वह आत्मा को जान लेता है। नवकार महामंत्र जाप, आयंबिल एवं नौ दिवसीय एकासन की लड़ी गतिमान है।

शुभ भावों से की गई परमात्मा की आराधना शुभ परिणाम देने वाली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि वीतराग परमात्मा की देशना हम सभी को तारने के लिए होती है।

धर्म में हमें जोड़ने वाले सर्वप्रथम माता पिता होते हैं। माता पिता ही हमें गुरु भगवन्तों के पास लेकर जाते हैं और गुरु ही हमें परमात्मा के बारे में बताते हैं।

द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव द्वारा परमात्मा की आराधना होती है। मन के भावों से की गई आराधना हमें शुभ परिणाम देती है। इतिहास में उल्लिखित महापुरुषों की तरह हम भी हमारे जीवन को बना सकते हैं। साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका मिलकर चतुर्विध संघ बनता है, जिसे तीर्थंकर भी नमन करते हैं। आचार्य के 36 गुण, उपाध्याय के 25 गुण, साधु साध्वी के 27 गुणों के साथ श्रावकों के भी 21 गुण होते हैं, इन्हीं गुणों के साथ ही संघ आगे बढ़ता है। श्राविकाओं का दायित्व है कि अपने बच्चों को अच्छे संस्कार प्रदान करें। अपने भीतर के गुणों को उजागर करने के लिए हमें अपनी आंतरिक शक्ति का प्रयोग करना है और इन गुणों को उजागर करने की शक्ति हमें जिनवाणी से ही प्राप्त होगी। मंगलवार से 73 गाथाओं के ग्रन्थ उपदेश सप्ततिका का वांचन गुरुवर्या श्री द्वारा किया जाएगा।

भाषा साहित्य मंच की सावन आधारित गोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाषा साहित्य मंच की सावन आधारित ऑनलाइन गोष्ठी रविवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जूम से सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम भाषा साहित्य मंच की संस्थापिका डॉ. उषा श्रीवास्तव के दीप प्रज्ज्वलन से गोष्ठी का शुभारम्भ हुआ। डॉ. शैलजा रोला ने सुमधुर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। गोष्ठी का संचालन मनीषा शर्मा और भगवती सक्सेना गौड़ ने किया। डॉ.उषा श्रीवास्तव ने अपने स्वागत उद्बोधन में गुरुपूर्णिमा और सावन के त्योहारों पर प्रकाश डाला।

मंच की सह-संयोजिका डॉ.वत्सला किरण ने श्रावण मास में रामायण मास पारायण के महत्व को विस्तृत रूप से बताया। डॉ. शैलजा ने सावन के त्योहारों का महत्व बताया।

भगवती सक्सेना गौड़ ने सावन पर गीत प्रस्तुत किया। त्रिशला मिश्र ने गुरु पूर्णिमा का महत्व बताया। सरिता श्रीवास्तव ने मनमोहक कजरी प्रस्तुत की। रीना दयाल सिंगापुर से जुड़ी और मधुर स्वर में गुरु वंदना प्रस्तुत की। पूर्णिमा श्रीनिवासन ने आड़ी और श्रावण मास में शिव पूजा सुमंगली पूजा के महत्व को बताया। प्रवीणा कुलश्रेष्ठ ने मनमोहक गीत प्रस्तुत किया। मनीषा ने सावन के त्योहारों पर विस्तृत जानकारी दी। ऋताशेखर मधु ने रक्षा बंधन पर मनभावन रचना सुनायी।

कार्यकारिणी एवं कार्य समिति की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बिहार भवन में शनिवार को श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद, महिला मंडल, युवा मंडल के सभी कार्यकारिणी एवं कार्य समिति की बैठक हुई। जिसका मुख्य उद्देश्य वार्षिक साधारण सभा 2024 से संबंधित विचार विमर्श करना था। बैठक परिषद अध्यक्ष डॉ विनय कुमार यादव ने बुलाई थी। बैठक की अध्यक्षता महिला मंडल अध्यक्षा अमिता झा ने की। परिषद् सचिव पंडित राजगुरु ने वंदना से बैठक का प्रारंभ किया। तदुपरांत राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश्वर सिंह, ट्रस्ट सचिव राम लखन सिंह, हरिश्चंद्र झा, उदय कुमार इत्यादि ने अपने विचार व्यक्त किए। परिषद् कोषाध्यक्ष दीपेश कुमार ने वार्षिक आय-व्यय पटल पर रखा। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद का वार्षिक आमसभा 18 अगस्त को किया जाएगा। नई कार्यकारिणी के चयन हेतु एक चयन समिति बनाया गया, जिसके सदस्य परिषद के सभी पूर्व अध्यक्ष एवं ट्रस्टी होंगे। इस चयन समिति के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह को बनाया गया। आम सभा के दिन नर्सरी से लेकर द्वितीय पीयूसी तक के मेधावी बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। हरिश्चंद्र झा को ट्रस्ट एवं परिषद का संयोजक बनाया गया एवं उदय कुमार इस वर्ष दुर्गा पूजा के अध्यक्ष होंगे। बिहार भवन विकास हेतु नई रूपरेखा पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया। बैठक में उषा झा, शीला देवी, डेजी शर्मा, मिंटू दुबे, संजय सिंह, यशवंत सिंह, प्रवीन उपाध्याय, रविरंजन, रविशंकर, विनय कुमार इत्यादि गणमान्य उपस्थित थे।

बच्चों ने गुरुपूर्णिमा पर गुरु के महत्व को जाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद द्वारा संचालित ज्ञान-वाटिका के बच्चों ने गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष में महिला परिषद की अध्यक्ष आरती जैन के नेतृत्व में गुरु का हमारे जीवन में क्या महत्व हैं, बिन गुरु जीवन में एक अंधकार जैसा है, गुरु ही हमारे संस्कारों का बिजारोपण करते हैं, सच्चा और अच्छा गुरु वही हैं जिसमें लोभ, मोह और अहंकार जैसे अवगुण न हो जैसी बातों को जाना। छोटे छोटे बच्चों ने अलग अलग तरह से अपने भाव नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किये।

ज्ञान- वाटिका के राष्ट्रीय चेयरमैन विजयराज दोशी ने बताया कि वर्तमान में सम्पूर्ण भारत में करीब 100 ज्ञान वाटिका में लगभग 6000 बच्चे 5 से 15 वर्ष की आयु के व्यवहारिक, धार्मिक और ज्ञान अर्जित करने आते हैं। ज्ञान वाटिका की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरती जैन ने अभिभावकों व बच्चों का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। इस ज्ञान वाटिका में पवनी बाफना, चंद्रिका बोहरा, सुरेखा धारिवार, यशोदा गुलेच्छा, सीमा धारिवार अपनी सेवाएं दे रही हैं। सभी बच्चों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा ने दी।

गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन हर घर इक्तीसा पाठ का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व पर गुरुदेव इक्तीसा का पाठ राकेश कुमार, ललित कुमार, शैलेन्द्र कुमार डाकलिया के निवास पर किया गया।

मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने सभी को गुरु पूर्णिमा पर्व की बधाईयां दी और पधारे हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया। महामंत्री ललित डाकलिया ने कहा कि हर घर गुरुदेव इक्तीसा पाठ का कार्यक्रम प्रत्येक माह के एक रविवार को पिछले ढाई वर्षों से अनवरत श्रद्धालुओं के निवास पर आयोजित किया जाता है और यहां पर जिनशासन में हुए चार युगप्रधान गुरुदेवों के इक्तीसा के साथ भक्ति भी की जाती है। इस कार्यक्रम में संघ के अनेक सदस्य जुड़कर गुरुदेव का गुणानुवाद करते हैं। कार्यक्रम में राजेन्द्र गुलेच्छा, सनी रांका, नितेश बोहरा, यतीन्द्र भडगतिया, पारस पारख, महावीर पारख, रेखा लोढ़ा, मौली जैन आदि सदस्यों ने अलग अलग रागिनियों में इक्तीसा के साथ भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर गुरुदेव की प्रतिमा के सामने नृत्य करने को मजबूर कर दिया।

इस अवसर पर मंडल के उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल के साथ मंडल के सदस्यों और दादावाड़ी संघ से जुड़ी अनेक संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे। इसके पश्चात संध्याकालीन भक्ति दादावाड़ी में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में मंडल द्वारा आयोजित की गई।

धूम-धाम से मनाई गई गुरु पूर्णिमा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजपुरोहित समाज मैसूरु के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाई गई। सर्वप्रथम संत खेतेश्वर दाता की तस्वीर के समक्ष ज्योत प्रज्वलित कर पंडित राहुल शर्मा ने विधिवत पूजा अर्चना संपन्न करवाई।

अध्यक्ष हापू सिंह मोहराई ने स्वागत भाषण दिया। समाज उत्थान के लिए विभिन्न प्रकार के मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। नोखा नगर पालिका पार्षद लक्ष्मीदेवी राजपुरोहित एवं पार्षद प्रतिनिधि नारायण सिंह राजपुरोहित सहित अन्य अतिथियों का सम्मान किया गया। समाज बंधुओ की ओर से विभिन्न प्रकार के चढ़ावों की बढ़चढ़ कर बोलियां बोली गई। चढ़ावा के लाभार्थियों का समाज की ओर से सम्मान किया गया। इस मौके पर राजपुरोहित समाज, मैसूरु के अध्यक्ष हापू सिंह राजपुरोहित, उपाध्यक्ष नारायण सिंह, सचिव सुरेंद्र सिंह राजपुरोहित, सहसचिव शिवरतन सिंह, सलाहकार कालू सिंह, सहसलाहकार महेंद्र सिंह कालप्पा, कोषाध्यक्ष चंद्र सिंह, सदस्य गोप सिंह, जीवन सिंह, मिश्रु सिंह आदि बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली के प्रचार प्रसार हेतु अभिनव स्टॉल स्थापित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा सूरत में आयोजित तीन दिवसीय अधिवेशन में विजयनगर किशोर मंडल द्वारा प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली के प्रचार प्रसार हेतु अभिनव स्टॉल स्थापित की गई।

इस स्टॉल में प्रतिभागी 1000 से ज्यादा किशोरों को प्लास्टिक से उत्पन्न पर्यावरण के खतरों को प्रस्तुत किया जा रहा है। साथ ही प्लास्टिक के विकल्पों को भी बताया जा रहा है। अभातेयुप अध्यक्ष रमेश डागा, उपाध्यक्ष प्रथम पवन मांडोत, अभातेयुप प्रबंध मंडल सदस्य, किशोरमंडल राष्ट्रीय प्रभारी अरविंद पोखरणा आदि ने स्टॉल का अवलोकन किया। टीकेएम विजयनगर के नवाचार और जागरूकता की सभी ने सराहना की। तेरापंथ किशोर मंडल 14 सदस्यों का दल तेयुप विजयनगर संगठन मंत्री पंकज कोचर के साथ गुरु चरणों में सूरत अधिवेशन में शामिल हुआ। टीकेएम विजयनगर के संयोजक हर्ष मांडोत, सह संयोजक दर्शन बाबेल, रिशित छाजेड़, चेतन गांधी, अधिवेशन संयोजक नमन चावत, सह संयोजक रिदम चावत एवं सभी किशोरों का विशेष श्रम रहा।

गुरु सदैव ही पूजनीय व वंदनीय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गुरु पूर्णिमा के शुभ मंगल अवसर पर धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्म प्रभा जी ने कहा कि गुरु सदैव ही पूजनीय, वंदनीय और प्राता स्मरणीस होते हैं। लेकिन गुरु पूर्णिमा का पर्व उनके प्रति विशेष श्रद्धा, भक्ति, विश्वास एवं समर्पण का पर्व है। जो हमारी आत्मा के कलिमल को धोकर उसे शुद्ध, पवित्र, निर्मल एवं धर्ममय बना देते हैं वही होते है सच्चे गुरु। गुरु वे होते हैं जो अपने शिष्य के भटकते हुए कदमों को गलत रास्ते से हटाकर सन्मार्ग पर लाते हैं। साध्वी स्नेह प्रभा जी ने कहा कि माँ तो केवल हमें जन्म देती है, मगर गुरु हमें जीवन देते हैं। हनुमंतनगर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर धर्मसभा में विल्सन गार्डन संघ' से मीठालाल मकाणा, प्रकाशचंद बाफना, मार्थहल्ली से विजयराज सेठिया, शांतिनगर से ज्ञानचंद बाफना, त्यागराज नगर से रमेशचंद सिसोदिया, गुरु मरुधर सेवा समिति के मंत्री अशोक धोका समेत अन्य समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शिवकुमार ने मांड्या में कृष्ण सागर बांध का किया दौरा

वाराणसी में गंगा आरती की तरह कावेरी आरती का रखा प्रस्ताव

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मांड्या जिले में कावेरी नदी के पास वाराणसी में गंगा आरती की तर्ज पर कावेरी आरती का प्रस्ताव रखा। कृषि और मांड्या जिले के प्रभारी मंत्री एन चालुवरायस्वामी के साथ उपमुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह श्रीरंगपटना तालुक में कृष्ण राजा सागर बांध का दौरा किया। दौरे के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि वाराणसी में गंगा आरती की तरह कावेरी आरती का आयोजन जल संसाधन विभाग द्वारा धार्मिक बंदोबस्ती विभाग के सहयोग से किया जाएगा। इससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों में भी सुधार होगा। दोनों विभागों के मंत्रियों और अधिकारियों की एक टीम गठित की जाएगी। उन्हें संभावनाओं का अध्ययन करने के लिए वाराणसी भेजा जाएगा और एक महीने के भीतर सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी। शिवकुमार ने कहा कि इस मुद्दे पर कैबिनेट में चर्चा की जाएगी और मंजूरी मांगी जाएगी। उन्होंने कहा कि वार-णसी से विशेषज्ञों को जिले में लाया जाएगा ताकि वे संभावनाओं और स्थान का अध्ययन कर सकें जहां कावेरी आरती आयोजित की जा सकती है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसे देख सकें। सोमवार की सुबह 8 बजे केआरएस बांध का जलस्तर अधिकतम क्षमता 124.80 फीट के मुकाबले 123.20 फीट था। आवक 60,016 क्यूसेक और बहिर्वाह 52,020 क्यूसेक था। केआरएस बांध दो साल के अंतराल के बाद अपने अधिकतम स्तर पर भर गया है। क्षेत्र में कम बारिश के कारण बांध 2023 में अपने अधिकतम स्तर तक नहीं पहुंच पाया।

केआरएस बांध पर बोटिंग क्षेत्र में भारी आवक के कारण पानी भर गया है और इसके परिणामस्वरूप बोटिंग को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा, वृंदावन गार्डन के दक्षिणी हिस्से को उत्तरी हिस्से से जोड़ने वाले पुल को भी निलंबित कर दिया गया है। इसलिए, पर्यटकों को वृंदावन गार्डन के उत्तरी हिस्से में जाने की अनुमति नहीं है। संगीतमय फव्वारा शो को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है, जिससे पर्यटक निराश हैं।

कब्रिस्तानों, खेल के मैदानों के लिए जमीन उपलब्ध नहीं: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने सोमवार को विधानसभा में स्थिति की गंभीरता को उजागर करते हुए कहा कि सरकार कब्रिस्तानों, खेल के मैदानों, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक सेवाओं के लिए जमीन खोजने के लिए संघर्ष कर रही है।

गौड़ा ने कहा कब्रिस्तानों के लिए सरकार को जमीन खरीदनी पड़ रही है। वे हरिहर के भाजपा विधायक हरीश बी पी के सवाल का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में कब्रिस्तानों के लिए और अधिक जगह मांगी थी।

गौड़ा ने कहा कि सरकार ने कब्रिस्तानों के लिए जमीन खरीदने के लिए पिछले साल 50 करोड़ रुपये खर्च किए। गौड़ा ने कहा कब्रिस्तानों के लिए कोई जमीन उपलब्ध नहीं है। कब्रिस्तानों की कमी से संबंधित कई मामलों की सुनवाई के लिए हमारे प्रमुख सचिव को सप्ताह में एक बार उच्च न्यायालय में पेश होना पड़ता है। गौड़ा ने कहा केवल कब्रिस्तान ही नहीं, बच्चों के लिए खेल के मैदान, बिजलीघर, अस्पताल और आंगनवाड़ी बनाने के लिए भी जगह नहीं है। उन्होंने कहा आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए जमीन की मांग करने वाले 12,000 आवेदन आए हैं, जो मैं मुहैया नहीं करा पाया। इसके लिए मुख्यमंत्री ने मुझे फटकार लगाई थी। गौड़ा ने कहा कि यह स्थिति इसलिए आई है क्योंकि पिछले कुछ सालों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए जमीनें दी गई हैं। हमने इतनी जमीनें दी हैं कि अब हमें जमीन खरीदनी पड़ रही है। विपक्ष के उपनेता अरविंद बेलाड ने कहा कि कब्रिस्तानों से जुड़ी समस्या का समाधान उचित शहरी नियोजन से किया जा सकता है। उन्होंने कहा मूल समस्या यह है कि शहरी नियोजन के दौरान कब्रिस्तानों और खेल के मैदानों के लिए जमीन चिन्हित नहीं की जा रही है। सरकारी जमीनों की उपलब्धता पर हगरीबोम्मनहल्ली जेडी(एस) विधायक नेमिराज नाइक के एक अन्य सवाल के जवाब में गौड़ा ने कहा कि उनके विभाग ने एक रजिस्ट्री तैयार कर ली है। 14.5 लाख एकड़ सरकारी जमीन है। हमने एक ऑनलाइन ऐप विकसित किया है। अब हमारे पास डिजिटल मानचित्रों के साथ गांव-स्तर का डेटा है। उन्होंने कहा, गांव के लेखाकार को किसी भी अतिक्रमण की पुष्टि करनी होगी और रिपोर्ट देनी होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को कब्रिस्तानों और झीलों से अतिक्रमण को प्राथमिकता के आधार पर हटाने का निर्देश दिया गया है।

सरकार की ओर से डेंगू की जांच मुफ्त की जानी चाहिए : आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सोमवार को कहा कि शहर समेत राज्य भर में डेंगू के मामले बढ़े हैं, इसलिए सरकार की ओर से डेंगू की जांच मुफ्त की जानी चाहिए। उन्होंने स्टॉप नोटिस का प्रस्ताव देते हुए कहा बेंगलूरु में 300 से 400 मामले सामने आ रहे हैं। राज्य में डेंगू से 10 लोगों की मौत हो गयी। मरने वालों में अधिकतर बच्चे हैं। राज्य में अब तक 14,223 मामले सामने आए हैं। हर दिन 400 से ज्यादा डेंगू के मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक साल से कम उम्र के 238 बच्चों में यह बीमारी पाई गई।

बेंगलूरु में 3, शिवमोग्गा, धारवाड़, हासन, मैसूरु में 2-2 लोगों की मौत डेंगू से हुई। डेंगू टेस्ट के लिए 300 रुपये सरकारी, और निजी अस्पताल 600 से 700 रुपये शुल्क लेते हैं और बिना प्रशामक देखभाल वाले मरीजों से अधिक शुल्क लिया जा रहा है। मच्छर नियंत्रण के लिए फागिंग नहीं की जा रही है। जलजमाव वाले स्थान पर दवा का छिड़काव नहीं किया जा रहा है। कुल मिलाकर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। बेंगलूरु में ही डेंगू की बीमारी 60 से 70 फीसदी तक बढ़ गई है। कूड़ा निस्तारण ठीक से नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि इसके कारण डेंगू और मलेरिया बढ़ रहा है। क्या मच्छरदानी देने से डेंगू पर नियंत्रण पाया जा सकता है? जिसके बाद स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने बात की और स्पष्ट किया कि मच्छरदानी उपलब्ध कराने के बारे में कोई निर्णय नहीं हुआ है। स्पीकर यू. टी. खादर ने घोषणा की कि इस मामले पर स्थायी नोटिस के बजाय नियम 69 के तहत चर्चा की जाएगी।

सरकार पर आईटी उद्योग का दबाव

हम 14 घंटे कार्य दिवस विधेयक का कर रहे मूल्यांकन: श्रम मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड ने सोमवार को कहा कि सरकार आईटी उद्योग से दबाव में है कि वह तकनीकी विशेषज्ञों के लिए अतिरिक्त काम के घंटे प्रस्तावित करने वाला नया कानून लाए, लेकिन सरकार मामले का मूल्यांकन कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार अभी भी उस विधेयक का मूल्यांकन कर रही है, जो सॉफ्टवेयर पेशेवरों को प्रतिदिन 14 घंटे काम करने की अनुमति देगा।

विधानसभा में पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री संतोष लाड ने कहा आईटी उद्योगों के दबाव के कारण यह विधेयक हमारे पास आया है। यह विचार आईटी मंत्री (प्रियांक खड़गे) ने खुद नहीं रखा है। उद्य-ोगपति इसके लिए हम पर दबाव डाल रहे हैं। चूंकि दबाव उद्योग से है, इसलिए विधेयक हमारे पास आया है और हम अभी भी श्रम विभाग के नजरिए से इसका मूल्यांकन कर रहे हैं। अब, सवाल यह है कि मैं चाहता हूं कि सभी औद्योगिक प्रमुख इस पर चर्चा करें क्योंकि यह मुद्दा सार्वजनिक डोमेन में है। लोग अपनी राय व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र हैं। मैं चाहता हूं कि सभी प्रमुख हितधारक इस पर बहस करें। चूंकि यह मामला सार्वजनिक हो गया है, इसलिए आईटी कर्मचारियों में असंतोष है।

उन्होंने कहा मैं चाहता हूं कि लोग अपनी राय साझा करें। इसके आधार पर, हम एक विभाग के रूप में निश्चित रूप से इस मुद्दे पर गौर करेंगे।

आईटी कर्मचारियों के निजी और सामाजिक जीवन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा देश की बड़ी कंपनियों के आईटी प्रमुखों और नेताओं को इस पर चर्चा करने की जरूरत है। वे इन मुद्दों पर चर्चा के लिए आगे आएंगे, है न? आईटी कंपनियों, मालिकों और निदेशकों को आगे आकर चर्चा करने दें कि यह जरूरी है या नहीं।

अब, असहमति यूनियन की ओर से आ रही है, है न? आईटी प्रमुख इस बारे में बात क्यों नहीं करते? फीडबैक सकारात्मक हो या नकारात्मक, सरकार इस पर विचार करेगी कि क्या करने की जरूरत है। चूंकि यह आईटी उद्योग की चिंता है, इसलिए हम इसे संबोधित कर रहे हैं। किसी भी विभाग ने स्वत: संज्ञान लेकर कुछ नहीं किया है, न ही आईटी मंत्री ने स्वतंत्र रूप से काम किया है। आईटी उद्योग की ओर से सरकार पर दबाव आया है। सरकार ने अपने आप कुछ नहीं किया है। सरकार और मेरा विभाग, अपने विवेक से, निर्णय लेंगे। मेरा सभी से अनुरोध और अपील है कि वे अपनी राय दें क्योंकि यह सार्वजनिक डोमेन में है। कर्नाटक राज्य आईटी/आईटीईएस कर्मचारी संघ (केआईटीयू) ने इस संभावित परिवर्तन पर अपनी चिंता व्यक्त की तथा कर्मचारियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य तथा उनके कार्य-जीवन संतुलन पर पड़ने वाले महत्वपूर्ण प्रभाव पर प्रकाश डाला।

सीएम के इस्तीफे तक भाजपा आंदोलन जारी रखेगी: नेता प्रतिपक्ष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ भाजपा और विपक्ष के नेता आर अशोक ने सोमवार को सदन में घोषणा की कि उनकी पार्टी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे तक अपना आंदोलन जारी रखेगी। जबकि भाजपा विधायकों ने सदन के वेल में विरोध प्रदर्शन किया, अशोक ने कहा कि भाजपा विधायक आदिवासी कल्याण बोर्ड में कथित घोटाले को लेकर विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा यह पैसा सरकार और दलितों का है।

इस धन को राज्य के खजाने में वापस लाया जाना चाहिए और दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। अशोक ने दावा किया कि सदन में इस मुद्दे पर तीन दिनों तक बहस हुई है और इसे तार्किक निष्कर्ष पर ले जाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सदन में अपने बयान में घोटाले को छोड़कर बाकी सभी के बारे में बात की। सीएम ने अपना भाषण भाजपा पर निशाना साधने के लिए रखा। सरकार ने सीएम सिद्धरामैया के जवाब को मीडिया में विज्ञापन के रूप में प्रकाशित किया है, यह अच्छा नहीं है और सदन का अपमान है। अशोक ने घोषणा की जब तक सीएम सिद्धरामैया इस्तीफा नहीं दे देते, तब तक भाजपा अपना आंदोलन जारी रखेगी। इस टिप्पणी के बाद भाजपा विधायकों ने विधानसभा से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस विधायक नयना मोटाम्मा ने भाजपा विधायकों को फटकार लगाते हुए कहा कि वे हासन मामले पर चर्चा के डर से सदन से बाहर जा रहे हैं। पूरा राज्य उन्हें देख रहा है।

व्यक्ति पर चाकू से हमला कर हत्या

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के गोकक तालुक के लक्ष्मेश्वर गांव में सोमवार सुबह एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला के पति ने दोनों को मोटरसाइकिल पर जाते हुए देखा और उसके बाद उन पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना से गांव में दहशत फैल गई। पुलिस अधीक्षक डॉ. भीमाशंकर गुलेड़ ने बताया कि जब अमोघ धवलेश्वर ने अपनी पत्नी शिल्पा और मौलासब यासीन मोमिन को मोटरसाइकिल पर जाते देखा तो उसने दोनों पर चाकू से हमला कर दिया। मौलासब की मौके पर ही मौत हो गई जबकि शिल्पा को गंभीर चोटें आईं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी धवलेश्वर को गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया है। कुलगोड पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कर्नाटक में पारंपरिक पोशाक पहनने पर प्रवेश से इनकार करने के खिलाफ नए दिशा-निर्देश: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने विधानसभा को बताया कि कर्नाटक सरकार ने मॉल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में धोती जैसे पारंपरिक पोशाक पहने लोगों को प्रवेश से मना करने पर रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने का फैसला किया है। शिवकुमार, जो बेंगलूरु के शहर विकास मंत्री भी हैं, ने जीटी वर्ल्ड मॉल द्वारा पिछले सप्ताह धोती पहने एक किसान को प्रवेश से मना करने के बाद एक स्वप्रेरणा बयान में यह बात कही। शिवकुमार ने कहा हमने दिशा-निर्देश जारी करने का फैसला किया है।

चाहे वह मॉल हो, बड़ी जगह हो या छोटी जगह। धोती हमारी संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने कहा हम नहीं चाहते कि राज्य में कहीं भी ऐसी घटनाएं घटें। पिछले सप्ताह, सरकार ने मगदी रोड पर जीटी वर्ल्ड मॉल को बंद करने का आदेश दिया था, क्योंकि इसने धोती पहने एक किसान को प्रवेश से मना करने के लिए नियमों का हवाला दिया था। हमने इस मॉल को नोटिस जारी किया था। इस पर करीब 2 करोड़ रुपये का (संपत्ति) कर बकाया था। उन्होंने माफी मांगी है। उन्होंने चेक जारी किया है। इसलिए, हमने उन्हें अनुमति दे दी है। विपक्ष के नेता आर अशोक ने सरकार के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा लेकिन एक साल के समय में सर्कुलर को भुला दिया जाएगा। आपको लाइसेंस में यह शर्त रखनी चाहिए। जेडी(एस) के सदन नेता सीबी सुरेश बाबू ने सरकार से सामाजिक क्लबों को नए आदेश के तहत लाने को कहा।

उन्होंने कहा वे लोगों को धोती पहनने की अनुमति नहीं देते हैं। लेकिन कानून मंत्री एच के पाटिल ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा हम किसानों के आत्मसम्मान से जुड़े मुद्दे के साथ क्लब और बार को नहीं मिला सकते। मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी क्लबों पर भड़के। उन्होंने कहा गोल्फ क्लब, बेंगलूरु क्लब खुद को क्या समझते हैं? सुनिश्चित करें कि उन्हें एक सर्कुलर मिले। वे सभी नालायक (अयोग्य) हैं।

वाल्मीकि विकास निगम घोटाले के खिलाफ भाजपा की लड़ाई रहेगी जारी: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि वाल्मीकि विकास निगम घोटाले के खिलाफ भाजपा की लड़ाई जारी रहेगी। शहर में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले तो इस बात से इनकार किया था कि कोई घोटाला हुआ है, बाद में उन्होंने मंत्री नागेंद्र का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है।

उन्होंने अनुसूचित जनजातियों को धोखा देने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। सदन में बिना समुचित जवाब दिये विज्ञापन दिये जाने पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा कि 187 करोड़ के घोटाले में से 45 करोड़ रुपये वापस कर दिये गये हैं। वे चोरी की संपत्ति और लूटे गए धन को दूसरे राज्यों में ले गए हैं और इसका उपयोग अन्य राज्यों में चुनावों के लिए

किया है। वे लोगों को यह सुनाने के लिए काम कर रहे हैं कि पैसा वापस आ गया है। पड़ोसी क्षति और मकान गिरने पर भाजपा सरकार ने जो मॉडल दिया है उसमें 1 लाख की जगह 5 लाख दी जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि एनडीआरएफ को दीवार गिरने पर 40 हजार की जगह एक लाख रुपये देना चाहिए।

डेंगू समेत अन्य ज्वलंत मुद्दों को सदन में उठाने की आवश्यकता है। वाल्मीकि निगम के संघर्ष ने हार नहीं मानी है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष लगातार जारी रहेगा। विधानसभा सत्र में हमने वाल्मीकि निगम में दलितों का पैसा हजम करने के सरकार के घोटाले का मुद्दा उठाया था। हमारे संघर्ष के बाद नागेंद्र ने इस्तीफा दिया है। हमने सदन में दस्तावेजों के जरिए मुख्यमंत्री की भूमिका को उजागर किया है और सीएम से इस्तीफे की मांग की है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत के रंग एकल के संग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वनबंधु परिषद बेंगलूरु चैप्टर, महिला चैप्टर एवं एकल श्री हरि सत्संग समिति के संयुक्त तत्वावधान में जेपी नगर स्थित आरवी कॉलेज के ऑडिटोरियम में रविवार को भारत के रंग एकल के संग संस्कृतिक कार्यक्रम वनवासी समाज के प्रतिभावान बच्चों की एकल सुर ताल टीम द्वारा आयोजित की गई। इस टीम ने अमेरिका में 60 स्थानों के साथ विश्व के अन्य देशों में भी अपने कार्यक्रमों से भारत की गौरवशाली विरासत और सांस्कृतिक विरासत का परिचय दिया है।

इस अवसर पर सर्व प्रथम मां सरस्वती और मां भारती के चित्र के समक्ष मुख्य अतिथि जीतो के अध्यक्ष दिनेश बोहरा, एकल चैप्टर के अध्यक्ष हाथीमल बैद, रमेश अग्रवाला, मुरारी लाल सरावगी, चंद्रप्रकाश रामसरिया, अनुराग अग्रवाल, देवेंद्र सोनी, सुरेश कुमार मोदी, मधु अग्रवाल, कांता सोमानी, ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात एकल के कलाकारों ने गणेश वन्दना की प्रस्तुति के साथ देशभक्ति गीत वन्देमातरम, देशभक्ति मेडले, लोक नृत्य, श्री कृष्ण नृत्य नाटिका, कलाकारों का परिचय एवं सम्मान, भारत माता की आरती की प्रस्तुति नृत्य के साथ की। राजस्थानी पंजाबी, मराठी, तमिल समेत अनेक गीतों की प्रस्तुति से कलाकारों ने उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। महिला चेप्टर अध्यक्ष मधु अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया।

चैप्टर के सचिव सुरेश पारीक ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। वर्ष 23- 25 में एकल की सभी संस्थाओं वनबंधु परिषद बेंगलूरु चैप्टर, महिला चैप्टर, महिला समिति, एकल यूवा, श्री हरि सत्संग समिति, आरोग्य फाउंडेशन द्वारा किये गए कार्यों की एक झलक प्रस्तुत की गई। चैप्टर के कार्यकारी अध्यक्ष सचिन पांडिया ने एकल विद्यालय व एकल अभियान के तहत किये जाने वाले सेवा कार्यो के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि व कलाकारों का स्वागत कर अभिनन्दन किया गया। मुख्य अतिथि दिनेश बोहरा ने एकल के सभी आयामों द्वारा किए जाने वाले सेवा कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्र के सर्वागिण विकास में महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। राष्ट्रभक्ति की इस शानदार प्रस्तुति पर इन वनवासी बच्चों की टीम को वनबंधु चैप्टर के संरक्षक मुरारीलाल सरावगी (प्राइड ग्रुप) ने 5 लाख और अतिथि दिनेश बोहरा ने 1 लाख का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। कार्यक्रम के कन्वीनर बिमल सरावगी थे। देवकीनंदन डागा ने मंच संचालन किया। श्रीहरि सत्संग समिति की सचिव पूजा पांडिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रदेश में फर्जी डॉक्टरों का आतंक दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा : दिनेश गुंडूराव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने चेतावनी दी है कि राज्य में फर्जी डॉक्टरों का खतरा दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है और उन पर बेरहमी से मुकदमा चलाकर जेल भेजा जाएगा। विधान परिषद के प्रश्नोत्तरी सत्र में सदस्य तिप्पन्ना कंकनूर ने कहा कि कलबुर्गी जिले में फर्जी डॉक्टरों का खतरा बढ़ रहा है। ऐसे मामले में सरकार ने क्या कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि यह सबसे चिंताजनक बात है। इस पर नियंत्रण रखना सरकार की जिम्मेदारी है। जिसके बाद गुंडूराव ने कहा जब फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया जाता है या उन पर मुकदमा चलाया जाता है तो हमारे प्रतिनिधि हम पर दबाव डालते हैं। लेकिन हमने ऐसे फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि मामलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी जायेगी और फिर उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जायेगा। सख्त निर्देश दिया गया है कि एलोपैथी चलाने वालों को अस्पताल के सामने नीला और आयुर्वेदिक अस्पताल चलाने वालों को हरे रंग का बोर्ड लगाना होगा। इससे फर्जी डॉक्टरों का पता लगाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को ऐसे लोगों का विशेष ख्याल रखने का भी निर्देश दिया गया है। तब तिप्पन्ना ने कहा कि कलबुर्गी जिले में 23 फर्जी डॉक्टर हैं। चाहे आप कुछ भी कार्रवाई करो, वे फिर से क्लिनिक शुरू कर देंगे ताकि जनता परेशान हो। गुंडूराव ने कहा आपको जो भी कहना है, उसका रिकार्ड रखें। अगर फर्जी डॉक्टर क्लीनिकल शुरू करेंगे तो मैं तुरंत मामला दर्ज करने का निर्देश दूंगा। उन्होंने दोहराया कि किसी भी कारण से उन्हें माफ करने का कोई सवाल ही नहीं है।

हिंदू श्रद्धालुओं की शिकायत पर धर्म परिवर्तन की कोशिश करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

बेल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक पुलिस ने जिले में हिंदू तीर्थयात्रियों को निशाना बनाकर कथित धर्म परिवर्तन की कोशिश के सिलसिले में सोमवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और दूसरे की तलाश शुरू कर दी। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 44 वर्षीय हुसैन बाशा के रूप में हुई है, जबकि उसका साथी 24 वर्षीय साईबाबा फरार है। दोनों जिले के तेक्काला पट्टाना इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, 18 जुलाई को आरोपियों ने हिंदू तीर्थस्थल मंत्रालय जा रहे श्रद्धालुओं को निशाना बनाया। हिंदू श्रद्धालु अपने हाथों में भगवा झंडे लेकर लहरा रहे थे। आरोपियों ने कथित तौर पर उन्हें रोका और इस्लाम के बारे में उपदेश देना शुरू कर दिया, और उनसे हिंदू धर्म छोड़ने पर जोर दिया। एक हिंदू श्रद्धालु गादिलिंगप्पा ने बाद में तेक्कालाकोट पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कथित धर्म परिवर्तन की कोशिश का एक वीडियो क्लिप भी उपलब्ध कराया। हिंदू श्रद्धालुओं ने घटना पर चिंता व्यक्त की है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

धर्म की शरण में ही जीवन का उद्धार : राजेश मुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लुणावत जैन भवन, शांतिनगर में प्रवचन में राजेशमुनि ने फरमाया कि हमारे जीवन कल्याण हेतु धर्म में आस्था होनी चाहिए। धर्म में आस्था में इतनी शक्ति है कि हम जीवन में हर सफलता को पा सकते हैं। अगर प्रभु वाणी जन-जन की वाणी बन जाए और हृदय में उतर जाए तो प्रभु महावीर की वाणी से जीवन का उद्धार हो सकता है। हमें हर जीव को सबसे बड़ा दान, अभयदान देना होता है। जिससे वह निडर होकर हर परि स्थिति का सामना कर सके। भगवान महावीर के अनुसार इस अभयदान में हर प्रकार के दान समाहित हो जाते हैं। आज हालत यह है कि हमें गैरों की बजाय अपनों से ही ज्यादा डर लगता है। हमें दूसरों के प्रति सदैव अच्छे विचार रखने चाहिए। दूसरों के प्रति यदि बुरे विचार हैं तो उसका कुछ बिगड़ेगा या नहीं, अपना अवश्य बुरा होगा।

मुनि ने कहा कि दुनिया में सच बोलने वाले सदैव ईश्वर के रूप होते हैं। तभी कहा जाता है कि बच्चे मन के सच्चे होते हैं। सच्चे धार्मिक के लिये धर्म सदैव सर्वोपरि होता है, जीवन से भी सर्वोपरि। आवश्यक है कि हम अभय बने। अभय रहेंगे तो सदैव स्वयं के साथ दूसरों को भी निर्भीक बनायेंगे। जो भयभीत रहता है उसे सफलता नहीं मिलती। अतः धर्म की शरण में आओ क्योंकि इसमें अपार शक्ति भरी है। धर्म की शरण में ही जीवन का उद्धार होगा। जीवन जीवन का सार ही धर्म है। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

बचाव कार्य में शामिल हुए सेना के जवान

क्या डीके शिवकुमार को इस पर कोई आपत्ति है? कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि सेना के 40 से अधिक बहादुर जवान उत्तर कन्नड़ जिले में पहाड़ी ढहने वाली जगह पर पहुंचे और बचाव कार्य को और गति दी। क्या राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को इस पर कोई आपत्ति है? उन्होंने मांग की कि उन्हें खुद इस बारे में जवाब देना चाहिए। इस संबंध में उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मैंने यह नहीं कहा कि जिला प्रशासन बचाव कार्य नहीं कर रहा है। उन्होंने सरकार की आलोचना भी नहीं की।

हालांकि, पीड़ित परिवारों के आंसू सुनकर हीरो बचाव कार्य में जुट गए हैं। हम एक संघ प्रणाली में हैं। उन्होंने आलोचना की कि जो व्यक्ति डीसीएम है वह सामंजस्य का इतना सरल सिद्धांत भी नहीं जानता। शनिवार को जब मैं उत्तर कन्नड़ जिले के शिरूर गांव गया, जहां पहाड़ी गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी, तो शिवकुमार ने मजाक किया। उन्होंने मेरे बारे में हल्की-फुल्की बात की कि मै क्या करुंगा। डीसीएम ने मेरे बारे में हल्की बातें करते हुए हमारी गौरवान्वित सेना को भी इस तरह घसीटा था। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

गुरु पूर्णिमा पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सहज स्मृति योग की जन्म भूमि दर्पण आश्रम में गुरुपूर्णिमा उत्सव की धूम दिन भर रही। सुबह 11 बजे सामूहिक ध्यान और तत्पश्चात् प्रश्नोत्तर हुआ। जिसमें गुरुजी श्री नंदकिशोर ने जिज्ञासाओं के सहज समाधान दर्शाए। दोपहर में रंगोली प्रतियोगिता चली जिसमें आसपास पास के कई गाँवों से आई महिलाओं और बच्चियों ने भाग लिया। आश्रम परिसर रंगोलियों से भर गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे प्रख्यात समाज सेवक और गौ सेवक महेन्द्र मुणोत का गुरुजी ने शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। मुणोत ने रंगोली प्रतियोगियों को सम्मानित करने के उपरांत अपने वक्तव्य में एक भारत को श्रेष्ठ भारत बनाने में आपसी एकता के भाव को जीवित रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

वाल्मीकि घोटाला : पूर्व कांग्रेस मंत्री बी नागेंद्र को न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित करोड़ों रुपये के घोटाले में गिरफ्तार पूर्व कांग्रेस मंत्री बी नागेंद्र को सोमवार को एक विशेष अदालत ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। नागेंद्र 4 अगस्त तक जेल में रहेंगे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के साथ उनकी विस्तारित हिरासत समाप्त होने के बाद नागेंद्र को सोमवार सुबह अदालत में पेश किया गया। केंद्रीय एजेंसी ने विधायक की हिरासत को और बढ़ाने की मांग नहीं की। चार राज्यों में 23 परिसरों में तलाशी अभियान के बाद नागेंद्र को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत 12 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। एजेंसी ने पहले कहा था नागेंद्र और बसनगौड़ा दद्दल (निगम अध्यक्ष) के परिसरों में तलाशी अभियान के दौरान, ईडी ने हाल के आम चुनावों के दौरान डायवर्ट किए गए धन के संचालन से जुड़े आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए। इसके अलावा, नागेंद्र से जुड़े सहयोगियों को फंड डायवर्जन और नकदी प्रबंधन में फंसाया गया। निगम के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दल के निवास पर भी इन अवैध फंडों के संचालन से संबंधित सबूत मिले हैं।

राज्य में दवाओं की कोई कमी नहीं: स्वास्थ्य मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव ने स्पष्ट किया कि राज्य में कहीं भी दवाओं की कोई कमी नहीं है। जितनी मांग है, हमने उतनी आपूर्ति की है। विधान परिषद में सदस्य पीएस नारायण के सवाल का जवाब देते हुए दिनेश गुंडूराव ने कहा कि हमने यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त एहतियाती कदम उठाए हैं कि किसी भी अस्पताल में दवाओं की कमी न हो। उपलब्धता के आधार पर आपूर्ति हो रही है। उन्होंने किसी भी क्षेत्र में कमी होने पर हमारे ध्यान में लाने पर तत्काल आपूर्ति करने का आश्वासन दिया। हमारे विभाग में बहुत सारी रिक्तियां हैं। इन्हें भरने के लिए विभाग तैयार है। हमारी वित्त विभाग के अधिकारियों से चर्चा हो चुकी है। उन्होंने कहा कि मंजूरी मिलते ही हम पदों को भरना शुरू कर देंगे। इसके बाद, हमने एक ऐसी प्रणाली लागू की है जहां विभागीय अधिकारी जहां भी काम करते हैं वहां लॉग इन कर सकते हैं। यह ग्रामीण इलाकों से लेकर बेंगलूरु तक मान्य है। कर्मचारियों को काम के घंटे, उपस्थिति, फिंगरप्रिंटिंग प्रदान करनी होगी। अन्यथा उन्होंने दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। विभाग में पहली बार हमने कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिए काउंसलिंग की व्यवस्था की है। यहां सब कुछ पारदर्शी है। गुंडूराव ने स्पष्ट किया कि किसी भी कारण से अवैध गतिविधियों की अनुमति नहीं है।

सूरज रेवन्ना को यौन उत्पीड़न के मामले में जमानत मिली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु की एक अदालत ने जेडीएस एमएलसी सूरज रेवन्ना को एक पुरुष पार्टी कार्यकर्ता के यौन उत्पीड़न के कथित मामले में सोमवार को जमानत दे दी। सूरज रेवन्ना पर पिछले महीने पार्टी के 27 वर्षीय युवा कार्यकर्ता के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। होलेनरसिपुरा ग्रामीण पुलिस ने आईपीसी की धारा 377 (प्रकृति के आदेश के खिलाफ शारीरिक संबंध), 342 (गलत कारावास), 506 (शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान) और 34 (सामान्य इरादे) के तहत यौन उत्पीड़न का

मामला दर्ज किया था। सूरज रेवन्ना पार्टी के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के बड़े भाई हैं, जिन पर यौन उत्पीड़न के कई आरोप हैं।

मैसूरु के टैक्सी चालकों ने

ट्रैकिंग डिवाइस और पैनिक बटन लगाने के सरकारी निर्देश का किया विरोध

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु जिला पर्यटक वाहन चालक और मालिक कल्याण संघ ने सोमवार को यहां आरटीओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया, जिसमें राज्य सरकार के सभी सार्वजनिक परिवहन वाहनों और राष्ट्रीय परमिट के तहत चलने वाले वाहनों में वाहन स्थान ट्रैकिंग (वीएलटी) डिवाइस और आपातकालीन पैनिक बटन लगाने के निर्देश का विरोध किया गया। पर्यटक वाहनों को भी 10 सितंबर की समय सीमा से पहले निर्देश का पालन करने का निर्देश दिया

गया है। आरटीओ (पश्चिम), मैसूरु को दिए गए ज्ञापन में, संघ ने दावा किया कि परिवहन विभाग डिवाइस लगाए जाने तक फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने पर विचार नहीं कर रहा है। उन्होंने इस कदम को अवैज्ञानिक बताया और विभाग से निर्णय वापस लेने का आग्रह किया। इस बीच, कर्नाटक टैक्सी चालक संघ, मैसूरु ने भी राज्य सरकार से अपने वाहनों में डिवाइस लगाने का खर्च वहन करने का आग्रह करते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने पर्यटक वाहनों पर सड़क कर में 30 प्रतिशत की कटौती की भी मांग की, और व्हाइट बोर्ड पंजीकरण वाले वाहनों में पर्यटकों को ले जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने दावा किया कि सरकार एनएल, एआर, डीडी, ओडी, पीवाई और जीए पंजीकृत वाहनों के संचालन की अनुमति देकर 1,200 करोड़ से 1,400 करोड़ का राजस्व खो रही है। एसोसिएशन ने एक बयान में कहा अन्य राज्यों में पंजीकृत होने के बाद वाहन कर्नाटक में चल रहे थे। ऐसे वाहनों को जब्त करने की जरूरत है। अन्यथा 250 से अधिक बसें विरोध के तौर पर आरटीओ कार्यालय के बाहर खड़ी होंगी और दस्तावेजों और चाबियों को अधिकारियों को सौंप देंगी। उन्होंने सरकार से बाजार से अपनी पसंद का वीएलटी डिवाइस लगाने की अनुमति देने का भी आग्रह किया, जिसकी कीमत लगभग 2,500 है। पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा ने विरोध स्थल का दौरा किया। बाद में आरटीओ, पश्चिम को एक ज्ञापन सौंपा गया।

विपक्ष ने पिछले सत्र में प्रधानमंत्री का गला घोंटा
2.5 घंटे मेरी आवाज दबाने की कोशिश की: मोदी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में पहला बजट पेश करने से पहले सोमवार को मीडिया को संबोधित किया। मोदी ने बजट सत्र के दौरान सरकार के एजेंडे पर बात की। उन्होंने कहा कि यह बजट अगले पांच साल की दिशा तय करेगा और 2047 में विकसित भारत के सपने को पूरा करने की नींव रखेगा। मोदी ने जून में सरकार बनने के बाद लोकसभा के पहले सत्र में विपक्ष के हंगामे की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि संसद दल के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए है। 140 करोड़ देशवासियों ने बहुमत के साथ जिस सरकार को चुना, पहले सत्र में उसकी आवाज को कुचलने का अलोकतांत्रिक प्रयास हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा- विपक्ष ने अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए संसद के समय का इस्तेमाल किया। देश के प्रधानमंत्री का गला घोंटने का प्रयास किया। ढाई घंटे मेरी आवाज दबाने की कोशिश की। लोकतांत्रिक परंपराओं में ऐसे आचरण का कोई स्थान नहीं हो सकता। इसका कोई पश्चाताप तक नहीं है।

मोदी बोले- आज सावन का पहला सोमवार है। इस पवित्र दिवस पर एक महत्वपूर्ण सत्र की शुरुआत हो रही है। आज संसद का मानसून सत्र आरंभ हो रहा है। देश बहुत बारीकी से देख रहा है कि संसद का यह सत्र सकारात्मक हो, सृजनात्मक हो और देशवासियों के सपनों को सिद्ध करने के लिए एक मजबूत नींव रखने वाला हो।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत के लोकतंत्र की जो गौरव यात्रा है, उसमें यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव के तौर पर देख रहा हूं। व्यक्तिगत तौर पर मुझे और साथियों को गर्व का विषय है कि 60 साल बाद कोई सरकार तीसरी बार वापस आई और तीसरी पारी के पहले बजट का सौभाग्य प्राप्त हो। यह भारत की अत्यंत गौरवपूर्ण घटना के तौर पर देश देख रहा है। मोदी ने कहा- मैं देशवासियों को जो गारंटी देता रहा हूं, उन गारंटियों को जमीन पर उतारना इस लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। कल हम जो बजट पेश करेंगे, वह अमृतकाल का महत्वपूर्ण बजट है। हमें पांच साल का जो अवसर मिला है, ये बजट हमारे उन पांच साल की दिशा तय करेगा। ये बजट 2047 के विकसित भारत के सपने मजबूत देने वाला होगा। हर देशवासी के लिए बड़े गर्व की बात है कि भारत बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाला देश है। पिछले 3 सालों में लगातार 8 प्रतिशत ग्रोथ के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। 2047 में जब आजादी के 100 साल होंगे तब विकसित भारत का सपना पूरा करेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं देश के सभी सांसदों से, वो किसी भी दल के क्यों न हो, कहना चाहता हूं कि जनवरी से लेकर अब तक हमारे पास जितना सामर्थ्य था, जितनी लड़ाई लड़नी थी, लड़ ली। किसी ने जनता को राह दिखाने का प्रयास किया, तो किसी ने गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन अब वो दौर खत्म हो चुका है। जनता ने अपना फैसला सुना दिया है। अब पार्टी लाइन से ऊपर उठकर देश के लिए खुद को समर्पित करें और संसद के इस गरिमामय मंच का अगले 4.5 साल तक उपयोग करें। जनवरी 2029 के चुनावी साल में आप कोई भी खेल खेल लें, लेकिन तब तक हमें किसानों, युवाओं और देश के सशक्तिकरण के लिए अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। मोदी ने लोकसभा के पिछले सत्र का जिक्र करते हुए कहा- मुझे आज बहुत दुख के साथ कहना है कि कुछ सांसद 5 साल के लिए आए। कुछ को 10 साल का मौका मिला। हालांकि, पिछले सत्र में कई को अपने क्षेत्र की बात करने का मौका नहीं मिला। क्योंकि कुछ दलों की नकारात्मक राजनीति ने देश की संसद के महत्वपूर्ण समय को अपनी विफलताएं ढांकने के लिए दुरुपयोग किया।

घुसपैठियों और रोहिंग्याओं की नहीं, बंगाल के निवासियों की चिंता करें ममता : बंसल

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है और कहा है कि वह बांग्लादेशी घुसपैठियों की बजाय बंगाल के निवासियों की चिंता करें।

श्री बंसल ने सोमवार को माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पर लिखा, बांग्लादेश की जगह बंगाल में जिहादी तृणमूल कांग्रेस गठजोड़ द्वारा की जा रही हिंसा पर विराम लगाएं ममता। जरा ध्यान दें...जिहादियों की दीदी ने आज घोषणा की है कि अगर बांग्लादेशी हमारे दरवाजे पर दस्तक देंगे, तो हम उन्हें आश्रय देंगे।

उन्होंने कहा, बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों को भारत में घुसाने के इस नए षड्यंत्र को देश अच्छी तरह समझता है। भारत-बांग्लादेश की सीमा पर सख्ती ज़रूरी है।

उन्होंने कहा, कमाल की बात है कि हिंसा बांग्लादेश में और उनके लिए, ममता बंगाल में... क्या पहले से घुसपैठिए कम हैं, जो हिंसक प्रवृति के लोगों के लिए भी दूध टपकने लगा....। श्री बंसल ने कहा, बांग्लादेश में के गृह युद्ध में दिलचस्पी दिखाने की बजाए, ममता जी को बंगाल वासियों को जिहादी और तृणमूल गठजोड़ से हिंसा करने वालों से बचाने हेतु कुछ कदम उठाने चाहिए। बंगाल में मुस्लिम घुसपैठियों का आतंक कोई कम नहीं है। बंगलादेश से पूर्व वे अपने राज्य में महिलाओं, बच्चों तथा अन्य निर्दोष मूल निवासियों की सुरक्षा की चिंता करें तो बेहतर होगा।

आरएसएस देशभक्त संगठन, कांग्रेस ने लगाया था गलत प्रतिबंध : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को देशभक्त और सांस्कृतिक संगठन बताते हुए कहा है कि कांग्रेस ने राजनीतिक कारणों से गलत प्रतिबंध लगाया था और मोदी सरकार ने इस गलती को सुधार दिया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगे प्रतिबंध को भारत सरकार ने हटा दिया है, वे इसका स्वागत करते हैं।

उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने राजनीतिक कारणों से गलत प्रतिबंध लगाया था, उसका हटना स्वागतयोग्य निर्णय है। इस प्रकार के देशभक्त और सामाजिक संस्था को लेकर कांग्रेस की सोच हमेशा नकारात्मक रही है। कांग्रेस पार्टी का रवैया राष्ट्रवादी और देशभक्त संस्थाओं के खिलाफ रहा है। कांग्रेस की इस सोच और विचारधारा की देश में कोई जगह नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक देशभक्त और सांस्कृतिक संस्था है, जिसका हर स्वयंसेवक देशभक्ति से ओतप्रोत रहता है, उस संस्था में कोई भी व्यक्ति भाग ले, उनका स्वागत होना चाहिए और वे ऐसा प्रतिबंध हटाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बधाई देना चाहेंगे।

कांग्रेस और अन्य विरोधी दलों की आलोचना को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष को सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति में दिलचस्पी रहती है, वे विशेष समुदाय के लिए अलग मापदंड रखते हैं और हिंदू समाज के लिए उनका रवैया नकारात्मक रहता है। विपक्षी दलों के आरोपों को खारिज करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि इस संबंध में सरकार ने जो सर्कुलर जारी किया है, वह किसी भी तरीके से सर्विस रूल का उल्लंघन नहीं करता है। कांग्रेस पार्टी ने राजनीतिक कारणों से गलत प्रतिबंध लगाया था और उस गलती को सरकार ने सुधार दिया है।

केरल में निपाह वायरस से 14 साल के लड़के की मौत, हरकत में आई केंद्र सरकार

केरल, 22 जुलाई (एजेंसियां)। केरल में निपाह वायरस से 14 साल के लड़के की मौत के बाद केंद्र सरकार हरकत में आ गई है। कार्रवाई करते हुए, केंद्र ने मामले की जांच करने, प्रकोप को रोकने और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए राज्य में एक बहु-सदस्यीय प्रतिक्रिया टीम तैनात करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जिस 14 वर्षीय लड़के की मौत हुई, वह एक्यूट एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम से पीड़ित था और उसे कोझिकोड के एक अस्पताल में स्थानांतरित करने से पहले परांथलमन्ना के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे भेजे गए सैंपल में निपाह वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई थी।

बयान में कहा गया है कि केरल में निपाह वायरस का पहला प्रकोप पहले भी देखा जा चुका है। इसका असर आखिरी बार कोझिकोड जिले में 2023 में देखा गया था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य को सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों को तुरंत लागू करने की सलाह दी है।

मृतक के संपर्क में आए लोगों की पहचान करने और आस-पड़ोस के लोगों की जांच के भी आदेश दिए गए हैं। राज्य सरकार को पिछले 12 दिनों में मरीज के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने और उन्हें सख्त संगरोध में रखने की भी सलाह दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, निपाह संक्रमण का पहला मामला 1998-99 में मलेशिया के कम्पोंग सुंगई निपाह नामक स्थान पर सामने आया था, इसलिए इसका नाम निपाह पड़ा। इस संक्रमण से 250 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे।

निपाह वायरस के फैलने का मुख्य स्रोत चमगादड़ को माना जाता है। यह चमगादड़ द्वारा दूषित फल या अन्य भोजन के माध्यम से मनुष्यों में फैल सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि खाने से पहले फलों और सब्जियों को अच्छी तरह से धोना चाहिए और पक्षी द्वारा काटे गए फलों का सेवन नहीं करना चाहिए।

कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ में शामिल होने पीएम मोदी जाएंगे लद्दाख

शहीदों की पत्नियों से करेंगे बातचीत, शिंकू ला सुरंग का करेंगे डिजिटल उद्घाटन

लद्दाख/नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ में शामिल होने के लिए 26 जुलाई को लद्दाख जाएंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। लद्दाख के उपराज्यपाल एवं सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर बी डी मिश्रा ने प्रधानमंत्री के दौरे के संबंध में की गई तैयारियों का जायजा लिया। भारत ने साल 1999 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध पर विजय हासिल की थी। भारत की जीत की रजत जयंती के अवसर पर 24 से 26 जुलाई तक कारगिल जिले के द्रास में भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा।

एक अधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि मिश्रा ने यहां उपराज्यपाल सचिवालय में एक बैठक की और द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियों का जायजा लिया।

उपराज्यपाल ने बैठक में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 26 जुलाई को कारगिल युद्ध स्मारक आएंगे और कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले समारोह मे शामिल होंगे। प्रवक्ता ने बताया कि बैठक में द्रास हेलीपैड पर सुरक्षा और स्वागत, उनके काफिले के लिए आवश्यक व्यवस्था, स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित किये जाने की प्रक्रिया, युद्ध में शहीद हुए जवानों की पत्नियों के साथ बातचीत सहित कई तैयारियों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल ने 8 माउंटेन डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल सचिन मलिक से द्रास ब्रिगेड हेलीपैड पर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

प्रवक्ता ने बताया कि मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। मेजर जनरल मलिक ने कहा कि प्रधानमंत्री 26 जुलाई की सुबह द्रास ब्रिगेड हेलीपैड पर उतरेंगे और सेना के अधिकारी उनका स्वागत करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कारगिल युद्ध स्मारक के लिए रवाना होने से पहले एक कक्ष में आराम करेंगे। मेजर जनरल मलिक ने बताया कि प्रधानमंत्री शहीदों को दी जाने वाली पुष्पांजलि समारोह में शामिल होंगे और उसके बाद शहीद मार्ग (वॉल ऑफ फेम) का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर करेंगे और कारगिल युद्ध की कलाकृतियों के संग्रहालय का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री वीर नारियों (युद्ध में शहीद हुए जवानों की पत्नियां) से बातचीत भी करेंगे और वीर भूमि का दौरा करेंगे। इसके साथ ही वह शिंकू ला सुरंग का डिजिटल तरीके से उद्घाटन करेंगे।

बीएसी की बैठक में विपक्षी नेताओं को स्पीकर ओम बिरला ने दी नसीहत

सदन के अंदर तख्तियां लहराने वाले सांसदों के खिलाफ की जाएगी कड़ी कार्रवाई

लोकसभा में 20 घंटे से ज्यादा हो सकती है बजट पर चर्चा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को संसद में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट पेश करेंगी। लोकसभा में बजट पर बुधवार से चर्चा शुरू होगी।

लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में बजट पर चर्चा के लिए समय आवंटित कर दिया गया है। बजट पर चर्चा के लिए लोकसभा में 20 घंटे का समय रखा गया है। हालांकि, वक्ताओं की संख्या और राजनीतिक दलों के आग्रह को देखते हुए इस आवंटित समय में बढ़ोतरी की भी संभावना है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में बजट पर हुई चर्चा का जवाब सदन में 30 जुलाई को दे सकती हैं। रेलवे, शिक्षा, स्वास्थ्य, एमएसएमई और फूड प्रोसेसिंग जैसे बड़े मंत्रालयों की डिमांड और ग्रांट पर चर्चा के लिए 5-5 घंटे का समय निर्धारित किया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, बीएसी की बैठक में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सभी दलों के नेताओं को नसीहत देते हुए कहा कि सदन में विरोध तो कर सकते हैं, लेकिन, तख्तियां लहराने को कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। सदन के अंदर तख्तियां लहराने वाले सांसदों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही स्पीकर ओम बिरला ने बीएसी की बैठक में यह आश्वासन भी दिया कि नेताओं को सदन में अपनी बात रखने और मुद्दे उठाने का पूरा मौका दिया जाएगा। लेकिन, सांसदों को भी सदन का माहौल बिगाड़ने से बचना चाहिए।

इसरो की एबीपी प्रौद्योगिकी की दूसरी सफल प्रायोगिक उड़ान

चेन्नई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को एयर ब्रीदिंग प्रोपल्शन (एबीपी) प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन के लिए दूसरी प्रायोगिक उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की।

इसरो ने बताया कि यह प्रक्रिया श्रीहरिकोटा के अंतरिक्षयान पर दो चरणों वाले सबसे भारी आरएच-560 साउंडिंग रॉकेट का उपयोग करके एयर ब्रीदिंग प्रोपल्शन (एबीपी) तकनीक के प्रदर्शन के लिए की गयी। इसरो के मुताबिक प्रायोगिक उड़ान आज सुबह 07:00 बजे आयोजित की गई। प्रणोदन प्रणालियों को आरएच-560 साउंडिंग रॉकेट के दोनों ओर समान रूप

से लगाया गया था और इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था।

इसरो ने बताया कि उड़ान परीक्षण में साउंडिंग रॉकेट के संतोषजनक प्रदर्शन के साथ-साथ एयर ब्रीदिंग प्रोपल्शन प्रणालियों के सफल प्रज्वलन की उपलब्धि हासिल हुई। इसके प्रदर्शन का आकलन करने के लिए उड़ान के दौरान लगभग 110 मापदंडों की निगरानी की गई। मिशन से पहले विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी), लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (एलपीएससी) और इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (आईपीआरसी) सहित विभिन्न इसरो केंद्रों और सीएसआईआर-नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज (सीएसआईआर-एनएएल), बेंगलुरु में कई दौर के परीक्षण किए गए थे। आरएच-560 दो-चरणीय ठोस मोटर आधारित उप-कक्षीय रॉकेट है, जिसे उन्नत प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के लिए लागत प्रभावी उड़ान परीक्षण बेड के रूप में उपयोग करने हेतु तैयार किया गया है। यह इसरो के साउंडिंग रॉकेट परिवार का सबसे भारी साउंडिंग रॉकेट है और इसे श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया है।

मेरे रहते चिंता न करें, सबकी समस्या का समाधान होगा: योगी

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने दिया लोगों को भरोसा

गोरखपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। हर हाल में सबकी समस्या का समाधान कराया जाएगा। यह उनकी सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हर मामले में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिनके पास पक्का आवास नहीं है, उन्हें पीएम-सीएम आवास योजना से मकान मिलेगा। जिन्हें इलाज की आवश्यकता है, उनके मुकम्मल इलाज की व्यवस्था की जाएगी। इलाज में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। हर पीड़ित की समस्या का निस्तारण उसकी संतुष्टि के मुताबिक कराया जाएगा।

सीएम योगी ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए। बड़े इत्मीनान से एक-एक कर उन्होंने सभी लोगों की समस्याएं सुनीं, उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को जरूरी निर्देश के साथ संदर्भित किया और लोगों को आश्वस्त किया कि परेशान मत होइए, समस्या समाधान के लिए त्वरित व प्रभावी कदम उठाया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

इस दौरान इलाज के लिए मदद की गुहार करने आए लोगों से उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज के लिए इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए कि सभी जरूरतमंदों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं।

पुलिस व राजस्व से संबंधित मामलों में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर मामले में समाधान जल्दी से हो। साथ ही कार्यवाही ऐसी हो कि लोगों को दोबारा परेशान न होना पड़े। जनता दर्शन में कई जिलों से फरियादी पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों को करारा सबक सिखाया जाए। साथ ही गरीबों और जरूरतमंदों के मकान बनवाए जाएं। अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया। इसके अलावा मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान भी उन्होंने परिजनों के साथ आए बच्चों को भी खूब दुलारा। उनसे हंसी ठिठोली के साथ आत्मीय अंदाज में बातचीत की, उन्हें चॉकलेट और आशीर्वाद देकर विदा किया।

मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सोमवार प्रातःकाल गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन पूजन किया और अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश नवाया। साथ ही मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला में जाकर गोसेवा की। सीएम योगी ने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिए।

सोमवार को पवित्र सावन माह का पहला दिन रहा। एक तो सावन का पहला दिन और उस पर भी सोमवार, भगवान भोलेनाथ की आराधना के लिए लिए इससे अधिक सुखद संयोग क्या होगा। इस पावन सांयोगिक अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवाधिदेव महादेव की विधि विधान से आराधना कर उनसे लोकमंगल की प्रार्थना की। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में स्थापित शिवलिंग पर भगवान शिव को प्रिय वस्तुओं का अर्पण कर उनकी पूजा की और सबके जीवन में आरोग्य, सुख, समृद्धि और शांति की कामना की।

गंगा के किनारे 5096.42 हेक्टेयर में होगा 77.51 लाख पौधरोपण

लखनऊ, 22 जुलाई (एजेंसियां)। योगी सरकार की मंशानुरूप 30 सितंबर तक चलने वाले पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जनअभियान- 2024 के तहत यूपी की नदियों के किनारे पवित्र धारा पौधरोपण किया जाएगा। इसमें गंगा, यमुना, हिंडन समेत कई प्रमुख नदियों के किनारे पौधरोपण होगा। मां गंगा तीरे 5096.42 हेक्टेयर में 77.51 लाख पौधरोपण होगा तो यमुना किनारे 534 स्थल चिन्हित किए गए हैं, जहां पौधरोपण कराए जाएंगे। नदियों के किनारे कुल 2556 स्थल चिन्हित किए गए हैं, इनके किनारे 25061.84 हेक्टेयर में तीन करोड़ 72 लाख, 66 हजार पौधरोपण होगा। इसके उपरांत संरक्षण के लिए योगी सरकार इसके संरक्षण के लिए नोडल अफसर भी नामित किए गए हैं।

सीएम योगी के निर्देश पर नदियों के किनारे पवित्र धारा पौधरोपण होंगे। इसमें गंगा नदी के किनारे 676 स्थल चिन्हित किए गए हैं। गंगा किनारे 5096.42 हेक्टेयर में पौधे लगाए जाएंगे। वहीं इसके किनारे लगाने वाले पौधों की संख्या 77.51 लाख रहेगी। गंगा किनारे के वन प्रभागों प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशांबी, फतेहपुर, वाराणसी, गाजीपुर, मिर्जापुर, भदोही, काशी वन्यजीव व बलिया में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा वित्त पोषित किसानों के खेतों में औषधीय पौधों की खेती के लिए प्रोत्साहन योजना भी संचालित है। इस योजना में 17 विभागीय पौधशालाओं व 50 कृषक पौधशालाओं की स्थापना कराते हुए 2500 हेक्टेयर क्षेत्रफल किसानों की निजी भूमि पर औषधीय व सगंध प्रजाति के पौधों की खेती भी प्रस्तावित है।

सीएम योगी ने महाभियान के नोडल (वन विभाग) को निर्देश दिया कि यमुना, हिंडन समेत अन्य नदियों के किनारे भी हरियाली को विकसित किया जाए। इस पर वन विभाग ने यमुना किनारे 534 स्थलों को चिह्नित किया है। इनके 6581.32 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 98.47 लाख पौधे लगाए जाएंगे। हिंडन नदी के किनारे 54 स्थान चिन्हित किए गए हैं। इनके 270.13 हेक्टेयर में 4.14 लाख पौधरोपण किए जाएंगे।

वहीं अन्य नदियों के किनारे भी पवित्र धारा पौधरोपण के तहत 1392 स्थलों पर 13113.97 हेक्टेयर में 192.54 लाख पौधे लगाकर यूपी की हरियाली में वृद्धि का प्रयास निरंतर होगा। कुल 2656 स्थलों को चिह्नित कर नदी किनारे 25061.84 हेक्टेयर में इस वर्ष तीन करोड़ 72 लाख 66 हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

प्रदेश के किनारे नदियों के पुनरुद्धार के लिए वन विभाग व जलशक्ति-सिंचाई विभाग आपसी समन्वय से रूपरेखा भी तैयार किया है। नदी के किनारे नीम, सहजन, इमली, अर्जुन, जामुन, बेल, आम, महुआ, सागौन, शीशम, गुटेल, बांस, पीपल, पाकड़, बरगद आदि प्रजातियों के पौधे रोपे जाएंगे।

श्रावण के पहले सोमवार को बाबा के दरबार में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

वाराणसी, 22 जुलाई (एजेंसियां)। नव्य-भव्य श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रावण मास के पहले दिन श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। इस दौरान शाम छह बजे तक ढाई लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के चरणों में श्रद्धा का जल चढ़ाया। मंगला आरती के बाद मंदिर का कपाट खुलने के साथ ही काशी हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठी। शिवभक्तों के स्वागत के लिए एक तरफ जहां रेड कॉरपेट बिछाया गया था तो वहीं दूसरी तरफ प्रशासनिक अधिकारियों ने भोले के भक्तों पर पुष्प वर्षा की। बाबा के दर्शन के लिए रविवार रात से ही भक्तों की क़तार लग गई थी। सोमवार दोपहर बाद हुई बारिश ने भी बाबा को अपनी श्रद्धा निवेदित की। श्रावण मास के पहले सोमवार को शाम 6 बजे तक ढाई लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने राजराजेश्वर काशी पुराधिपति के दरबार में शीश नवाया। आस्था के जनसैलाब को देखते होते योगी सरकार के निर्देश पर काशी विश्वनाथ धाम में सुविधा के साथ ही सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किये गए थे।

सोमवार को काशी केसरिया रंग में रंगी हुई दिखाई दी। बाबा के जलाभिषेक के लिए महादेव के भक्त रविवार रात से ही काशी में जुटने लगे थे। बाबा का कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुला तो आस्था में डूबे भक्त बाबा के चौखट तक पहुंचे और शीश झुकाकर बाबा पर जल चढ़ाया। पूरी काशी हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठी। सावन के पहले सोमवार को बाबा के चल प्रतिमा के स्वरुप का श्रृंगार हुआ ,भक्त बाबा विश्वनाथ के इस स्वरुप का दर्शन करके निहाल हुए। हर साल की तरह इस बार भी यादव बंधुओं ने गगरे में जल लेकर बाबा को जल चढ़ाकर परंपरा निभाई। बाबा विश्वनाथ के दरबार के अलावा काशी के सभी शिवालयों में नीलकंठ के भक्तों की भीड़ उमड़ी रही।

इंद्रदेव ने भी बाबा विश्वनाथ के प्रति श्रद्धा निवेदित की। दोपहर बाद वाराणसी में हल्की बारिश हुई। मौसम का मिज़ाज़ बदलने के बाद कतार में लगे बाबा के भक्तों को काफी राहत मिली। वाराणसी में कई दिनों से उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल थे। धूप से बचने के लिए लगे जर्मन हैंगर और शेड पानी से भी बचाव के काम आया। वहीं बारिश से तपिश कम हुई और मौसम खुशनुमा हो गया।

सीएम योगी ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

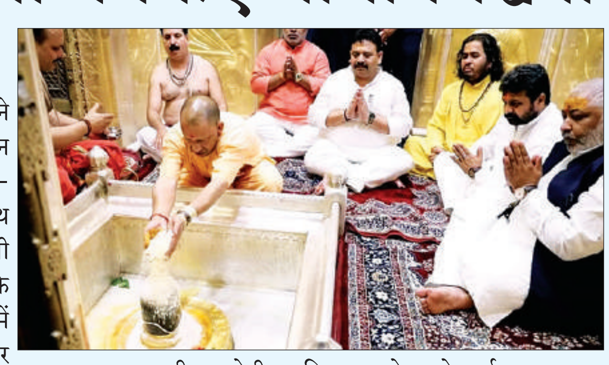

वाराणसी, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास के पहले ही दिन वाराणसी पहुंचे। सीएम व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में आदियोगी के दर्शन किए। बाबा के गर्भगृह में जाकर षोडशोपचार पूजन कर लोककल्याण की कामना की। इसके पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी विश्वनाथ मंदिर प्रांगण से श्री काशी विश्वनाथ धाम अन्न सेवा वैन को भी रवाना किया। मंदिर के भोजनालय में बने भोजन को यह पांच वैन हॉस्पिटलों और संस्कृत विद्यालयों में पहुंचाएगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसके पूर्व काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव की भी विधि विधान से पूजा कर आशीर्वाद लिया। लोकसभा चुनाव के उपरांत मुख्यमंत्री पहली बार काशी पहुंचे और दर्शन-पूजन किया।

दर्शन-पूजन के दौरान प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर सिंह, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', रवींद्र जायसवाल, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

बाबा विश्वनाथ मंदिर पहुंचने पर जलाभिषेक करने आए भक्तों का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभिवादन किया। वहीं सीएम को देखकर बाबा के भक्तों ने भी हर-हर महादेव का जयकारा लगाया। सोमवार को एक दिवसीय वाराणसी दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर प्रशासन, जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरे श्रावण मास में यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। भक्तों की हर सुविधा का ध्यान रखा जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को वाराणसी में अन्न सेवा वैन को झंडी दिखाकर रवाना करते व काल भैरव मंदिर में दर्शन पूजन करते हुए।

लंबी दूरी के एक्सप्रेस-वे के साथ ही बन रहा लिंक एक्सप्रेस-वे

लखनऊ, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सात साल पहले अच्छी फोर लेन सड़कों के लिए तरसने वाला उत्तर प्रदेश आज आधा दर्जन से अधिक एक्सप्रेस-वे (ई-वे) के जरिए द्रुत गति से सूबे के जिलों को आपस में कनेक्ट कर रहा है। प्रदेश की सत्ता संभालने के बाद बीते सात साल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देश में यूपी में ई-वे का लंबा जाल बिछ चुका है। इसके साथ ही लिंक ई-वे और संपर्क ई-वे की भी बड़ी शृंखला प्रदेश में कायम हो रही है, जिनके जरिए छोटे जनपदों को भी बड़े ई-वे के साथ जोड़ा जा रहा है। इससे जहां यात्रा तो आरामदायक होगी ही, साथ ही सफर की देरी भी घटेगी।

प्रदेश में इस वक्त बलिया लिंक ई-वे (131 किमी) के अलावा चित्रकूट लिंक ई-वे (15.20 किमी), आगरा लखनऊ ई-वे से पूर्वांचल ई-वे तक लिंक एक्सप्रेस-वे (61.60 किमी), गंगा एक्सप्रेस-वे से आगरा एक्सप्रेस-वे वाया फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेस-वे (93 किमी), यमुना एक्सप्रेस वे से गंगा एक्सप्रेस-वे वाया बुलंदशहर लिंक एक्सप्रेस-वे (84 किमी) निर्माणाधीन या प्रस्तावित हैं। इन लिंक ई-वे के किनारों पर जहां सोलर पार्क डेवलप किये जाएंगे, वहीं इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन और जनसुविधा केंद्रों को भी विकसित किया जाएगा।

योगी सरकार प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक्सप्रेस-वे और लिंक एक्सप्रेस-वे का जाल बुन रही है। बात बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे की करें तो यह गाजीपुर से बलिया के बीच की दूरी तय करेगी।

संपादकीय

सब्सिडी की राजनीति

इसमें दो राय नहीं है कि राजनीतिक दलों ने चुनावों में सफलता के शॉर्टकट के रूप में सब्सिडी को एक हथियार बना लिया है। लेकिन ऐसा करते वक्त वे राज्य की राजकोषीय वास्तविकताओं का ध्यान नहीं रखते। यही वजह है कि विधानसभा चुनाव के दौरान कई लोकलुभावन घोषणाएं करने वाले हिमाचल के मुख्यमंत्री ने राज्य की आर्थिक सेहत के मद्देनजर एक मजबूत फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली हिमाचल प्रदेश सरकार ने करदाता उपभोक्ताओं के लिये मुफ्त बिजली योजना को वापस लेने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। दरअसल, राज्य सरकार को यह कदम हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड यानी एचपीएसईबी के गंभीर वित्तीय संकट के मद्देनजर उठाना पड़ा है। एचपीएसईबी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 18,000 करोड़ रुपये के घाटे की सूचना दी थी। यह निर्णय विभिन्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं को प्रभावित करता है। हालांकि, इस निर्णय में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले वर्ग व अन्य कमजोर श्रेणियों के लोगों को राहत दी गई है। दरअसल, भारी कर्ज बोझ और राज्य अनुदान व जीएसटी आवंटन में घटते राजस्व के चलते एचपीएसईबी वित्तीय संकट का तनाव झेल रहा है। इस तरह शून्य बिजली बिल प्रावधान को 'एक परिवार, एक मीटर' तक सीमित करके तथा आधार व राशन कार्डों से कनेक्शन को जोड़कर इसे तर्कसंगत बनाने का प्रयास किया गया है। कहा जा रहा है कि इस कदम से बिजली बोर्ड को दो सौ करोड़ रुपये की बचत होगी। निश्चित रूप से हिमाचल सरकार का यह फैसला राज्य की माली हालत के मद्देनजर राजकोषीय वास्तविकताओं का सामना करने पर चुनावी मुफ्त सुविधाओं की नुकसानदायक प्रवृत्ति को ही उजागर करता है। कमोबेश पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने तमाम लोकलुभावनी घोषणाओं के साथ राज्य में सरकार बनायी थी। यही वजह है कि लोग कांग्रेस सरकार पर चुनावी वायदे से मुकरने के आरोप लगा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुफ्त बिजली योजना वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने बड़े उत्साह के साथ आरंभ की थी। इस योजना के अंतर्गत चौदह लाख से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया था।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली हिमाचल प्रदेश सरकार ने करदाता उपभोक्ताओं के लिये मुफ्त बिजली योजना को वापस लेने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। दरअसल, राज्य सरकार को यह कदम हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड यानी एचपीएसईबी के गंभीर वित्तीय संकट के मद्देनजर उठाना पड़ा है। एचपीएसईबी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 18,000 करोड़ रुपये के घाटे की सूचना दी थी। यह निर्णय विभिन्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं को प्रभावित करता है। हालांकि, इस निर्णय में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले वर्ग व अन्य कमजोर श्रेणियों के लोगों को राहत दी गई है। दरअसल, भारी कर्ज बोझ और राज्य अनुदान व जीएसटी आवंटन में घटते राजस्व के चलते एचपीएसईबी वित्तीय संकट का तनाव झेल रहा है। इस तरह शून्य बिजली बिल प्रावधान को 'एक परिवार, एक मीटर' तक सीमित करके तथा आधार व राशन कार्डों से कनेक्शन को जोड़कर इसे तर्कसंगत बनाने का प्रयास किया गया है।

लेकिन अब हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड के आर्थिक संकट के मद्देनजर इस सब्सिडी का दायरा घटाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी लोक कल्याणकारी सरकार में आम आदमी को राहत पहुंचाना सराहनीय कदम है, लेकिन वहीं दीर्घकालीन उद्देश्यों को हासिल करने के लिये राज्य की सेहत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निश्चित रूप से हिमाचल सरकार के मौजूदा फैसले के कई गहरे निहितार्थ हैं। एक निष्कर्ष यह भी है कि चुनावी वायदों को राजकोषीय जिम्मेदारी के साथ जोड़कर देखने की आवश्यकता है। निस्संदेह, कोई भी सेवा व सुविधा मुफ्त नहीं मिलती। किसी भी सुविधा को मुफ्त देने से सेवा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ता है। वह संस्थान व विभाग भी घाटे की अर्थव्यवस्था का शिकार होकर रह जाता है। मुफ्त की चीजें और सब्सिडी भले ही राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने की दृष्टि से आकर्षक नजर आती हों, लेकिन उनके दीर्घकालिक आर्थिक प्रभावों को लेकर सावधानी पूर्वक विचार किया जाना चाहिए। निस्संदेह, सतत विकास और वित्तीय स्थिरता वाली नीतियों के निर्माण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राजनीतिक दलों की अल्पकालिक लाभ के लिये बनायी गई लोकलुभावनी नीति, राज्य के दीर्घकालिक नुकसान का कारण न बने। निस्संदेह राजनीतिक लाभ के लिये चुनावी आश्वासन महत्वपूर्ण हैं। लेकिन उन्हें राज्य की आर्थिक वास्तविकताओं के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि किसी भी सरकार के लिये एक बार दिया गया लाभ या सब्सिडी वापस लेना, राजनीतिक दृष्टि से आसान नहीं होता।

जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं

फिर आतंकी हमले, सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाए

ललित गर्ग

डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खुनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे।

लगातार जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाएं चिन्ता का कारण बन रही है। डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे। इसके पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू संभाग में भी आतंकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है।

ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एजेंसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं। संवेदनाओं एवं भावनाओं को झकझोर भी रहे हैं, जब आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटे घर की ड्योढ़ी पर आते हैं तब कारुणिक माहौल को देखकर दिल दहल उठता है क्योंकि देश के लिए अपना सर्वोच्च लुटा देने वाला जवान किसी का बेटा, किसी का पति

और किसी का पिता होता है। हर आंख में आंसू होते हैं। किसी की गोद, किसी की मांग सूनी हो जाती है। देशवासी सोचने को विवश हैं कि वे शोक संतप्त परिवार के साथ करुणा और पीड़ा को कैसे बांटें।

डोडा वारदात की जिम्मेदारी लेने वाले 'कश्मीर टाइगर्स' जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी वजह जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बढ़ी सरगर्मी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आतंकियों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में घाटी में लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े और दशकों पुराना रिकॉर्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन 'स्लीपर सेल्स' की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने घाटी के बजाय जम्मू संभाग में अपनी सक्रियता बढ़ाई है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया जा सके और सीमा पार के आकाओं से मदद हासिल करने का सिलसिला जारी रहे।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा के आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। जम्मू-कश्मीर का माहौल सुधरने के बाद वहां के बाजार, पर्यटक स्थल गुलजार हुए हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था सुधर रही है। इसलिए देशद्रोही नहीं चाहते कि कश्मीर में शांति आए और वहां पर निर्वाचित सरकार काम करे। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। क्या इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है? जो सरकार पाकिस्तान में घूस कर बदला ले सकती है, वह सरकार अब तक शांत क्यों है? ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी तह तक जाने की जरूरत है। आतंकी जिस तरह अपनी रणनीति बदलकर सुरक्षा बलों को कहीं अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ दिखने लगे हैं, वह किसी बड़ी साजिश का संकेत है। एक ओर सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण करना होगा, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को नए सिरे से सबक भी सिखाना होगा। यह इसलिए अनिवार्य हो गया है, क्योंकि पिछले कुछ समय में आतंकी हमलों में बलिदान होने वाले सैनिकों की संख्या कहीं अधिक बढ़ी है।

पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। एक आंकड़े के अनुसार पिछले तीन वर्ष में करीब 50 जवानों को अपना बलिदान देना पड़ा है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं। आतंक को करारा जवाब केवल तभी नहीं दिया जाना चाहिए, जब एक साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों को बलिदान देना पड़े। वास्तव में हमारे एक भी सैनिक का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। डोडा की घटना के बाद यह जो कहा जा रहा है कि सैनिकों के बलिदान का बदला लिया जाएगा, उसे न केवल पूरा करके दिखाया जाना चाहिए, बल्कि आतंकियों, उनके आकाओं और उन्हें सहयोग-समर्थन देने वालों पर ऐसा करारा प्रहार किया जाना चाहिए, जिससे वे अपनी हरकतों से हमेशा के लिए बाज आएं। पाकिस्तान भले ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा हो, लेकिन वह जम्मू कश्मीर में पहले की तरह ही आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है।

दृष्टि कोण

केदारनाथ आपदा के सबक

वर्ष 2013, जून की केदारनाथ त्रासदी को 2004 की सुनामी के बाद की देश की सबसे बड़ी त्रासदी कहा जाता है। केदारनाथ धाम व पूरी केदार घाटी के 15-16 जून, 2013 के भयंकर जल प्रलय में लगभग एक हजार स्थानीय लोगों के साथ करीब 6 हजार लोग मारे गये थे। रामबाड़ा, तिलवाड़ा, अगस्तमुनी, गुप्तकाशी में भारी नुकसान के साथ 4200 गांव प्रभावित हुए थे। तब 14 से 17 जून तक लगभग पूरा उत्तराखंड, नेपाल, हिमाचल अति वृष्टि के चपेट में था। वैज्ञानिकों ने इसे नार्दन फ्लैश फ्लड भी कहा था व जलवायु बदलाव की व्यापकता का प्रमाण माना था। भारी बरसात में करीब 7 किमी लम्बाई के चोराबाड़ी ग्लेशियर में 3865 मीटर ऊंचाई पर स्थित चोराबाड़ी झील, अपनी परिधि में टूट गई थी। इसके बहे भारी मलबे व अथाह जलराशि ने केदारनाथ धाम को चपेट में लिया था। चोराबाड़ी ग्लेशियर के स्रोतों से ही चोराबाड़ी झील के साथ मंदाकिनी नदी का स्रोत भी बनता है। बढ़े हिम पिघलाव व बहाव से मंदाकिनी विकराल होती गई। कहीं-कहीं इसका जल स्तर 15 मीटर तक भी चढ़ गया था। उस आपदा से उबरने के लिये बड़े पैमाने पर काम भी हुए हैं। अब सुविधाएं इतनी जुटा ली गई हैं कि प्रतिदिन बीस-पच्चीस हजार यात्री वहां पहुंच रहे हैं। लेकिन चिंताजनक यह कि सीमित क्षेत्र में हजारों मानव कृत्यों से हीट आइलैंड्स बनने की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। खुद यात्री कहते हैं कि तेज धूप होती है तो झेलनी मुश्किल होती है। पूरे हिंदुकुश हिमालय पर ही जलवायु बदलाव के खतरे बढ़े हैं। पश्चिमोत्तर हिमालय में 1991 के बाद औसत तापमान 0.66 सेंटीग्रेड बढ़ गया है। हिमालयी ग्लेशियरों की पिघलने की दर दुगुनी हो गई है व पहाड़ बर्फविहीन हो रहे हैं। अगर केदारनाथ के आसपास ऐसा होता है तो हम इसे वैश्विक कारणों से होना ही नहीं कह सकते बल्कि उनके साथ यहां स्थानीय आघात भी जुड़ रहे हैं। फरवरी, 2021 में नीति घाटी में ग्लेशियर टूटने से धौली गंगा में भारी बाढ़ आई थी। दरअसल, पर्यटन व्यवसाय केन्द्रित पुनर्स्थापना की दिशा इतनी आगे चली गई है कि बीती 3 जून, को हेलिकॉप्टर से एक जीप केदार पुरी में उतार दी गई। दलील है इससे अशक्तों को सुविधा मिलेगी। यदि ऐसा ही रहा तो वह दिन दूर नहीं, जब दसियों ऐसे वाहन होंगे। ऐसे ही अब हर घंटे करीब 25 हेलिकॉप्टर उड़ानें हो रही हैं जिनसे केदार नाथ सेंक्चुरी भी खतरे में है। वर्ष 2015 में ही एनजीटी ने उत्तराखंड सरकार से उड़ानों के वन्यजीवों पर असर का वैज्ञानिक अध्ययन करवाने को कहा था। खासकर उड़ाने बहुत नीचे होने पर आघात बढ़ जाते हैं। वहीं पंखों की हवा से धाम में कम्पन से आसपास ग्लेशियर्स की ताजी बर्फ अस्थिर नहीं हुई होगी, इस बात से इनकार नहीं कर सकते। आशंका व्यक्त की गई थी कि हेलिकॉप्टर उड़ानों से त्रस्त दुर्लभ वन्यजीव अपने अधिवास छोड़ रहे हैं। वर्ष 2013 की आपदा से इकोसिस्टम को भी बड़ा नुकसान पहुंचा। सरकारों ने न तो इस पारिस्थितिकीय नुकसान को जाना और न ही प्रकृति को बीते ग्यारह सालों में स्वतः ठीक होने का मौका दिया। इस दौरान अबाध निर्माण गतिविधियों व मानव उपस्थिति और तेज रोशनी में जब कपाट बंद रहते हैं तब भी निर्माण कार्य जारी रहे। इसके उलट भूस्खलन, जलस्रोत सूखने व केदारनाथ वन सेंक्चुरी जैसे जैव विविधता के क्षेत्रों में वनाग्नियों के जोखिम भी बढ़े। पर्यावरणीय, पारिस्थितिकीय पुनरुत्थान के बजाय इनमें गिरावट ही आई। हजारों की भीड़ से जलापूर्ति व कचरे की समस्याएं बढ़ी हैं। पारिस्थितिकीय हानि इतनी होने लगी कि पगडंडी मार्गों पर हिमस्खलन जोखिम हर साल बढ़ रहे हैं। ग्लेशियर टूटने की ही तरह ग्लेशियर फिसल कर बस्तियों, मार्गों या ट्रैकिंग राहों में आकर जान-माल का नुकसान बढ़ा है। केदार धाम जैसे हिमालयी क्षेत्रों में लगातार हेलिकॉप्टर उड़ानों व सूक्ष्म भूकम्पकीय झटकों से तेज बरसातों, ताजी बर्फ में फिसलाव व टूटन का खतरा तो रहेगा ही। जलवायु बदलाव के कारण ग्लेशियर्स की समस्याओं के साथ ही केदारनाथ जैसी जगहों में बादल विस्फोट बड़ी समस्या होने जा रही है। इन ग्यारह सालों में नये लैंडस्लाइड जोन बन गये हैं। फ्लैश फ्लडों से अब ज्यादा नुकसान होने की संभावनाएं हैं। उत्तराखंड सरकार को इस दिशा में नई क्षमता विकसित करनी होगी। किसी स्थल में आकस्मिक घटित आपदा की सूचना पाकर हम कितने जल्दी पीड़ितों के बचाव व खोज कार्यों के लिये वहां पहुंचते हैं। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार यदि बादल विस्फोटों की चेतावनियां दी भी जा सकें तो उन पर अमल के लिये दो-तीन घंटों का ही समय मिलता है। मंदाकिनी और सरस्वती नदियों पर रोक दीवारें भी बन गई हैं व बगल में रास्ते भी। नदियों के बाढ़ प्रबंधन और रिटेनिंग वॉल निर्माणों में बाढ़ जल के विगत में अधिकतम ऊंचाई के स्तर और अधिकतम फैलाव को संज्ञान में रखा जाता है।

कुछ अलग

मां-बाप की सुध

यह विडंबना है कि हमारे सामाजिक ताने-बाने में तेजी से आए बदलाव के बीच वृद्ध माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। अदालतों में गुजारा-भत्ते से जुड़े विवाद बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार वृद्ध माता-पिता की देखभाल के लिये बाध्य करने वाले 2007 के कानून में बदलाव लाकर, इसका दायरा बढ़ाने के मकसद से नये कानून लाने की तैयारी में है। माता-पिता और बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े वर्षों पुराने कानून को प्रभावी व व्यावहारिक बनाने की कोशिश है। पहले वृद्ध माता-पिता अपनी संतानों से दस हजार रुपये तक का गुजारा भत्ता पाने के हकदार थे। बताया जा रहा है कि नये विधेयक के अनुसार अब माता-पिता का गुजारा भत्ता बच्चों की आर्थिक हैसियत से तय होगा। वहीं बच्चों के साथ कटुता कम करने के प्रयासों में माता-पिता व बुजुर्गों को त्यागने अथवा दुर्व्यवहार पर बच्चों को दी जाने वाली सजा में कमी करने की तैयारी है। सामाजिक संगठनों से विमर्श में यह बात सामने आई थी कि लंबी सजा से माता-पिता और बच्चों के संबंधों में ज्यादा खटास बढ़ती है। कहा जा रहा है कि सरकार बजट सत्र में इस विधेयक को पेश कर सकती है। दरअसल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े 2007 के कानून में बदलाव की पहल तब की, जब समाज में बुजुर्गों की अनदेखी व दुर्व्यवहार के मामले तेजी से बढ़े हैं। दरअसल, नये विधेयक में इससे जुड़े कानून की व्यावहारिक दिक्कतों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, मंत्रालय ने कानून में बदलाव की पहल वर्ष 2019 में कर दी थी। इसी साल लोकसभा में एक विधेयक भी पेश किया गया था। इसके व्यापक पहलुओं की पड़ताल के लिये विधेयक को बाद में संसदीय समिति के पास भेज गया था। संसदीय समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने एक बार फिर एक विधेयक को संसद में पेश किया था। लेकिन वह पारित नहीं हो पाया था। कालांतर 17वीं लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने के कारण विधेयक निष्प्रभावी हो गया था। जिसके बाद अब सरकार नये सिरे से इस विधेयक को संसद में लाने की तैयारी में है। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में कई नये प्रावधानों को जोड़ा गया है। एक ओर जहां गुजारा भत्ते के सीमित दायरे को खत्म किए जाने का प्रावधान है, वहीं विगत में आए बच्चों की सजा बढ़ाने के प्रस्ताव को टाला गया है। अब इसे सिर्फ प्रतीकात्मक तौर पर ही रखा जाएगा। वहीं गुजारा भत्ता देने की जवाबदेही का विस्तार करते हुए अब पात्र बच्चों के दायरे में दामाद, पुत्रवधु, नाती-पोते, पोती-नातिन व अल्पवयस्क बच्चों के विधिक अभिभावकों को भी शामिल किया गया है। अब तक इस जवाबदेही के दायरे में बेटा-बेटी व दत्तक बेटा-बेटी ही शामिल थे। इसके अलावा विधेयक में प्रत्येक जिले में बुजुर्गों की गणना, मेडिकल सुविधाओं से लैस वृद्ध आश्रम व जिला स्तर पर एक सेल गठित करने जैसे प्रावधान हैं।

देश दुनिया से

एकीकृत कमान ही तोड़ेगी आतंकवाद की रीढ़

कठुआ जिले के बदनोता गांव के पास उनके वाहन को निशाना बनाया गया था। कभी अपेक्षाकृत शांत समझे जाने वाले जिले पुंछ और राजौरी में भी पिछले दो सालों से चिंतित करने वाली आतंकी घटनाओं में उछाल आया है। अब आतंकी गुट रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में हमले करने लगे हैं, जिन्हें पहले कमोबेश आतंक-मुक्त माना जाता था। ऐसा होने पर जम्मू संभाग के एक छोर से दूसरे तक टकराव के बिंदु उभर आए हैं, यह आतंकवादियों द्वारा सोच-समझकर इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली नीति का संकेत है। आधुनिक हथियारों से लैस और अच्छी तरह प्रशिक्षण प्राप्त आतंकवादी जम्मू की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से होकर घुसपैठ करने में सफल रहे हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि घुसपैठ पंजाब वाली सीमा से भी हुई होगी।

जम्मू संभाग से कैप्टन बृजेश थापा और तीन अन्य बहादुर सैनिकों के शहीद होने की दुखद खबर आई है। उन्होंने डोडा जिले के देसा वन में आतंक-रोधी अभियान में अपने फर्ज को अंजाम देते हुए जीवन की आहुति दी है। यह घटना पिछली वारदात के एक हफ्ते के अंदर घटी है, जिसमें सैनिकों पर घात लगाकर किए गए कातिलाना हमले में पांच सैनिक शहीद हुए थे। कठुआ जिले के बदनोता गांव के पास उनके वाहन को निशाना बनाया गया था। कभी अपेक्षाकृत शांत समझे जाने वाले जिले पुंछ और राजौरी में भी पिछले दो सालों से चिंतित करने वाली आतंकी घटनाओं में उछाल आया है। अब आतंकी गुट रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में हमले करने लगे हैं, जिन्हें पहले कमोबेश आतंक-मुक्त माना जाता था। ऐसा होने पर जम्मू संभाग के एक छोर से दूसरे तक टकराव के बिंदु उभर आए हैं, यह आतंकवादियों द्वारा सोच-समझकर इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली नीति का संकेत है। आधुनिक हथियारों से लैस और अच्छी तरह प्रशिक्षण प्राप्त आतंकवादी जम्मू की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से होकर घुसपैठ करने में सफल रहे हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि घुसपैठ पंजाब वाली सीमा से भी हुई होगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर सिवान ने भी इस कयास को कबूलते हुए कहा है 'कुछ घुसपैठ हो रही है, यह सबको मालूम है।' जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से निपटने में दो मुख्य पहलू हैं। प्रथम, पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध आतंकवाद को बतौर राजकीय नीति बरतने से रोकना। इस पर नियंत्रण प्राप्ति के लिए जरूरत है भारत की राष्ट्रीय शक्ति का निरंतर एवं भरोसेमंद प्रदर्शन किया जाना ताकि पाकिस्तान को अहसास हो कि ऐसी नीतियां अंततः उसका अपना नुकसान करेंगी। यह वह दीर्घ-कालीन प्रयास है, जिसमें राजनयिक, आर्थिक और संभावित सैन्य उपाय शामिल हैं। दूसरा पहलू है, भारतीय भूमि से आतंकवाद को सख्ती से उखाड़ फेंकना। हालांकि सामान्य आतंक-रोधी अभियानों में कुछ झटके लगना स्वाभाविक होता है परंतु उनके सतत हमले, जिसमें आतंकवादियों को नुकसान की बनिस्बत सैनिकों और सिविलियनों की जानें ज्यादा जाएं, यह सुरक्षा बलों द्वारा अपनाई रणनीति और उपायों पर गंभीर सवाल है। सैन्य नेतृत्व के लिए यह जरूरी है वे अपने तौर-तरीकों की समीक्षा करें, अपने निजी अनुभवों के आधार पर मेरे कुछ सुझाव हैं। अंतर्राष्ट्रीय सीमा और वास्तविक नियंत्रण सीमा रेखा पर लागू आतंकी घुसपैठ रोधी तंत्र को सुदृढ़ किया जाए। इसके लिए जहां जरूरी हो, वहां अतिरिक्त बल की तैनाती की जाए। तथापि, यहां पर इंसानी सहनशक्ति की सीमा की पहचान करना बहुत महत्वपूर्ण है। महीनों तक, लगातार काम में लगे रहने से थकान हावी होना स्वाभाविक है। जिससे ध्यान केंद्रित रखने में बाधा और गलतियां करने की संभावना बढ़ जाती है। इसका हल निकालने को तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कोई एक दशक से अधिक समय में सीमा पर 'स्मार्ट बाड़' लगाने की बातें चलती रही हैं लेकिन इस पर अमल लगातार नहीं हुआ है। अंतहीन पूर्व-परीक्षणों से सटीकतम हल पाने का इंतजार करने की बजाय हमें पहले वह बाड़ चुन लेनी चाहिए जो मौजूदा वाली से अधिक कारगर हो। साथ ही, हमें सुरंगों को पकड़ने वाली तकनीक को सुधारने की जरूरत है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार आतंकियों ने सीमा रेखा के आरपार ऐसी सुरंगें बना रखी हैं। विशेष सुरक्षा बलों को आतंक-रोधी अभियानों में अधिक जिम्मेवारी दी जाए। यह हमारे वह सबसे बढ़िया प्रशिक्षित सैनिक हैं, जो पहाड़ी और वनीय इलाके में अक्सर छिपने वाले आतंकियों को ढूंढ़कर मार गिराने के लिए छोटी टोली में बंटकर, अभियान चलाने के लिए आदर्श रूप में सटीक बैठते हैं। अतिरिक्त विशेष बलों को तैनात कर और चिह्नित इलाके में अपना काम करने का मुक्तहस्त देकर, हम अपने अभियानों की प्रभावशीलता बढ़ा सकते हैं। खुफिया सूचनाएं सफल अभियानों की रीढ़ की हड्डी होती हैं। अक्सर इंसान से मिली खुफिया जानकारी सबसे विश्वसनीय होती है। स्थानीय समुदायों को अपने साथ जोड़कर, हम अपने गुप्त सूचना तंत्र को विस्तार दे सकते हैं। बेशक कुछ ऐसे स्थानीय लोग भी होंगे, जो आतंकियों के पक्षधर हैं, लेकिन फिर भी जम्मू की कुल आबादी में अधिसंख्यक घोर राष्ट्रवादी हैं। इसलिए स्थानीय लोगों को शक की निगाह से देखने का परिणाम उलट हो सकता है। इसकी बजाय, हमें स्थानीय लोगों से अधिक संख्या में विशेष पुलिस अधिकारी और ग्राम सुरक्षा प्रहरी भर्ती करने चाहिए। ये लोग हमारे लिए आंख और कान का काम करेंगे, साथ ही आतंकियों के विरुद्ध सुरक्षा की प्रथम पंक्ति भी मुहैया करवाएंगे। अधिक खुफिया सूचना प्रवाह बनने पर, सुरक्षा बल अपना 'खोज एवं खात्मा' अभियान प्रभावी रूप से चला पाएंगे। फिलहाल उस इलाके में कई सुरक्षा संगठन काम में लगे हैं।

आप का नजरिया

जवानों की शहादत का माकूल जवाब दें

जम्मू में आतंकवाद के खिलाफ आपरेशन पर निकले जवानों को एक बार फिर आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाया जाना बताता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लंबी चलेगी। सोमवार को डोडा में हुए आतंकवादी हमले में एक कैप्टन समेत चार जवानों का बलिदान बताता है कि पाक समर्थित आतंकवादियों ने बदले हालात में हमले की रणनीति में बदलाव किया है। कश्मीर के बजाय जम्मू क्षेत्र में दहशत फैलाने की सोची-समझी साजिश रची है। यही वजह है पिछले करीब डेढ़ माह में देश ने जम्मू इलाके में ग्यारह जवानों को खोया है। वहीं दस नागरिक भी आतंकी हिंसा का शिकार बने हैं। बहरहाल, ये हालात उन दावों के विपरीत हैं जिसमें कहा जाता रहा है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद घाटी में आतंकवाद पर अंकुश लगा है। सुरक्षा विशेषज्ञ मान रहे हैं कि पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने सुनियोजित तरीके से घाटी के बजाय जम्मू को आतंकवादी घटनाओं के लिये चुना है। दरअसल, अब तक आतंक का केंद्र रही कश्मीर घाटी में सुरक्षा चक्र मजबूत है। वहीं दूसरी ओर एलओसी पर सख्त नियंत्रण के चलते जम्मू से लगते इंटरनेशनल बॉर्डर को घुसपैठ के लिये चुना गया है। आतंकवादियों द्वारा सैनिकों को निशाना बनाने से साफ है कि पाक सेना के लोग आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। वहीं कश्मीर में सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठन नये छद्म नामों से हमलों की जिम्मेदारी ले रहे हैं। रक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि जम्मू क्षेत्र में हालिया आतंकी गतिविधियों में वृद्धि की वजह यह भी है कि अपेक्षाकृत शांत माने जाने वाले जम्मू इलाके में पिछले कुछ वर्षों में सैन्य तैनाती को घटाया गया है। दरअसल, पूर्वी लद्दाख के गलवान में चीनी सैनिकों से संघर्ष के बाद बड़ी संख्या में सैनिकों को जम्मू से हटाकर लाइन ऑफ एक्चुएल कंट्रोल पर भेजा गया था। ऐसा चीन की भारी सैन्य तैनाती के बाद किया गया था। वैसे वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक स्थिति में बदलाव के बाद घाटी में कमोबेश आतंकी घटनाओं में कमी देखी गई। लेकिन आतंकवादियों ने जम्मू में सुरक्षाबलों की कमी का लाभ उठाकर हमले तेज कर दिये। हालिया घटनाएं केंद्र सरकार को मंथन का संदेश देती हैं कि जम्मू-कश्मीर में दशकों से स्थापित व्यवस्था में परिवर्तन के वक्त विपक्ष को साथ लेकर इस स्थिति को बदलने से उत्पन्न दूरगामी परिणामों पर विचार किया जाना चाहिए था, जिससे क्षेत्र के लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलती। वहीं दूसरी बात यह भी है कि ये हमले तब तेज हुए हैं जब केंद्र में मजबूत सरकार के बजाय एक गठबंधन सरकार आई है। पाक हुक्मरानों को ये मुगालता रहा है कि कमजोर केंद्र सरकार के दौर में वे अपने मंसूबों को अंजाम दे सकते हैं। वहीं हमले ऐसे वक्त में बढ़े हैं जब केंद्रशासित प्रदेश में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली की सरगर्मियां बढ़ी हैं। जम्मू-कश्मीर में हाल के लोकसभा चुनावों में बंपर मतदान हुआ था। जो पाक हुक्मरानों को रास नहीं आया। बहरहाल, अब केंद्र सरकार द्वारा सुरक्षा बलों को कार्रवाई की खुली छूट देने, जम्मू क्षेत्र में अधिक सुरक्षाबलों की तैनाती तथा विभिन्न सुरक्षा संगठनों में बेहतर तालमेल से देर-सवेर आतंकियों को कुचलने में मदद मिल सकेगी।

सरकार ने पीटीआई पर लगाया खैबर पख्तूनख्वा में हिंसा का आरोप, इमरान बोले- आतंकी की तरह कैद में रखा जा रहा

इस्लामाबाद , 22 जुलई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान सरकार ने पीटीआई पर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक प्रमुख शहर में सासाहांत में शांति रैली के दौरान हिंसा की साजिश रचने का आरोप लगाया। हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पीआईटी जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की पार्टी है। दरअसल, आतंकवादियों ने बन्नू शहर में एक सैन्य प्रतिष्ठान पर हमला किया। जिसमें आठ सैनिक और दस आतंकवादी मारे गए। इसके बाद स्थानीय व्यापारियों और वरिष्ठ नागरिकों ने रैली निकाली। लेकिन रैली के दौरान हिंसा भड़क गई। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मंत्री अत्ता तरार ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए हिंसा की आलोचना की। उन्होंने रैली में हिंसा के लिए इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को जिम्मेदार ठहराया।

तरार ने कहा, पीटीआई का हिंसक राजनीति का इतिहास रहा है। वे सुरक्षा बलों पर आरोप लगाने के लिए हताहतों की तलाश करते हैं। एक राजनीतिक दल की बजाय आतंकवादी संगठन की तरह काम करते हैं। सूचना मंत्री ने प्रतिबंधिति आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का जिक्र करते हुए कहा, मैं उसे टीटीपी-पीटीआई कहता हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि पीटीआई के अराजक तत्वों ने बन्नू में व्यापारियों के शांति मार्च में घुसपैठ की, जिससे अराजकता फैली और घटनास्थल पर गोलीबारी हुई। एक व्यक्ति की मौत हो गई और 22 घायल हो गए। गनीमत रही कि एक बड़ी आपदा टल गई। मंत्री ने दावा किया कि देश में अस्थिरता पैदा करना पीटीआई के घोषणापत्र का हिस्सा है। पार्टी ने लगातार हिंसा की राजनीति को बढ़ावा दिया है और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। मुझे आतंकवादी की तरह कैद में रखा जा रहा: इमरान खान इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया कि उन्हें एक आतंकवादी की तरह कैद किया जा रहा है और उन्हें एक उच्च सुरक्षा वाली जेल में काल-कोठरी में बंद किया गया है। पीटीआई संस्थापक ने ब्रिटेन के अखबार को दिए यह दावा किया। उन्होंने कहा, मुझे सात बाई आठ फीट लंबी मौत की कोठरी में रखा गया है, जो आमतौर पर आतंकवादियों के लिए होती है, ताकि उनका किसी से कोई संपर्क न हो।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप को लेकर मस्क से भिड़े भारतीय मूल के अरबपति, पूर्व राष्ट्रपति को बताया झूठा, धोखेबाज और दुष्कर्मी

वॉशिंगटन । खोसला ने लिखा कि अब समय आ गया है कि डेमोक्रेट पार्टी का खुला कन्वेंशन आयोजित किया जाए, जिसमें अधिक उदार उम्मीदवार को चुना जा सके, जो आसानी से डोनाल्ड ट्रंप को हरा सके।

डोनाल्ड ट्रंप को लेकर अमेरिका के दो दिग्गज कारोबारी आमने-सामने आ गए। दरअसल भारतीय मूल के अमेरिकी अरबपति विनोद खोसला ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप को झूठा, धोखेबाज और दुष्कर्मी बताया। इस पर टेस्ला, एक्स और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने एतराज जताया और ट्रंप को सही उम्मीदवार बताया। हालांकि खोसला एलन मस्क से सहमत नहीं हुए और उन्होंने कई सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप की तीखी आलोचना की। क्या है पूरा मामला विनोद खोसला ने जो बाइडन के राष्ट्रपति पद की रेस से हटने के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में खोसला ने लिखा कि अब समय आ गया है कि डेमोक्रेट पार्टी का खुला कन्वेंशन आयोजित किया जाए, जिसमें अधिक उदार उम्मीदवार को चुना जा सके, जो आसानी से डोनाल्ड ट्रंप को हरा सके। गवर्नर व्हिटमर और गवर्नर शैपिरो अच्छे उम्मीदवार हो सकते हैं, जो अमेरिका को मेक अमेरिका ग्रेट अगेन जैसे चरमपंथ के बीच फंसने से बचाया जा सके। एक बेहतर उदारवादी रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए यह अच्छा मौका है। सोशल मीडिया पर भिड़े विनोद खोसला और एलन मस्क विनोद खोसला के पोस्ट पर एलन मस्क ने जवाब दिया और खोसला से असहमति जताते हुए लिखा कि ऐसा भी नहीं है विनोद...ट्रंप और जेडी वेंस सही उम्मीदवार हैं। मामला यहीं खत्म नहीं हुआ और खोसला ने एक और पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि मेरे लिए एक ऐसे उम्मीदवार का समर्थन करना मुश्किल है, जो झूठ बोलता हो, धोखेबाज हो और महिलाओं को कमतर आंकता हो, साथ ही मेरे जैसे अप्रवासी से नफरत करता हो। वह मेरे टैक्स में कुछ कटौती कर सकते हैं, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि उनकी कमियों को भी स्वीकार किया जाए। क्या आप ऐसा राष्ट्रपति चाहते हैं जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई को एक दशक पीछे धकेल दे क्या आप अपने बच्चों के सामने ऐसा उदाहरण पेश करना चाहते हैं एलन मस्क ने भी खोसला के पोस्ट पर जवाब देते हुए लिखा कि ट्रंप आपसे नफरत नहीं करते, बल्कि वह तो आपको पसंद करते हैं।

भविष्य की राह अनजान है, लेकिन..., जो बाइडन के राष्ट्रपति पद की रेस से हटने पर ओबामा ने की तारीफ

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने राष्ट्रपति पद की रेस से हटने का एलान कर दिया है।

पहली डिबेट में ट्रंप के सामने कमजोर पड़ने के बाद से ही जो बाइडन पर राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने का भारी दबाव पड़ रहा था, लेकिन खुद बाइडन पीछे हटने को तैयार नहीं थे, लेकिन चौंकाते हुए बाइडन ने अचानक से पीछे हटने का एलान किया। जो बाइडन के इस फैसले की पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने जमकर तारीफ की है। बाइडन सच्चे देशभक्त बराक ओबामा ने कहा कि जो बाइडन अमेरिका के सबसे अहम राष्ट्रपति है, साथ ही मेरे अच्छे दोस्त हैं। आज एक बार फिर उन्होंने ये बात साबित कर दी कि वह सच्चे देशभक्त हैं। ओबामा को बतौर उपराष्ट्रपति चुनने के समय को याद करते हुए ओबामा ने कहा कि 16 साल पहले जब मैं उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की तलाश कर रहा था तो मुझे जो बाइडन के जनसेवा के क्षेत्र में शानदार करियर के बारे में पता था। लेकिन मैं उनकी तारीफ उनके जुझारूपन और सहानुभूति वाले चरित्र और उस विचार के लिए करता है, जिसमें वो हर नागरिक को अहम मानते हैं। ओबामा ने गिनाईं बाइडन की उपलब्धियां जो बाइडन की उपलब्धियां गिनाते हुए ओबामा ने कहा कि देश के कोरोना महामारी को खत्म करने, लाखों नौकरियां पैदा करने, दवाइयों की कीमत कम करने, हथियार सुरक्षा से संबंधी कानून बनाने, देश के इतिहास में जलवायु परिवर्तन पर सबसे बड़ा निवेश करने और हर नागरिक के अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में बाइडन ने शानदार काम किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की प्रतिष्ठा को फिर से स्थापित करने, नाटो को फिर से संगठित करने और यूक्रेन में रूस की आक्रामकता का जवाब देने में भी बाइडन की भूमिका काफी अहम रही। कमला हैरिस के नाम पर साधी चुप्पी ओबामा ने कहा कि हम अनजान राहों पर आगे बढ़ रहे हैं और भविष्य में क्या होगा कोई नहीं जानता, लेकिन मुझे उम्मीद है कि हमारी पार्टी के नेता कुछ ऐसा करेंगे, जिससे सर्वश्रेष्ठ नामांकन सामने आएगा। मुझे विश्वास है कि जो बाइडन का एक समृद्ध, उदार और एकजुट अमेरिका का विजन अगस्त में होने वाले डेमोक्रेटिक कन्वेंशन में दिखाई देगा। ओबामा बोले जो बाइडन संघर्ष से पीछे हटने वाले नेता नहीं हैं, लेकिन अब मशाल अगले दावेदार को थमाना उनके लिए बहुत मुश्किल है, लेकिन उन्हें लगा कि यह अमेरिका के लिए सबसे सही फैसला है। यह बाइडन का देश के प्रति प्यार का सबूत है।

क्या बाइडन से पहले किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने नाम वापस लिया था, डेमोक्रेट किसे और कैसे चुनेंगे अपना चेहरा

वॉशिंगटन, 22 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में आगामी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी हलचलें बढ़ गई हैं। यहां एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला जब जो बाइडन ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया। अभी तक मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुकाबला था। हालांकि, अपनी पार्टी डेमोक्रेट में घटते समर्थन के बीच बाइडन ने अपने कदम वापस ले लिए। कई दिनों से इस बात के कयास भी लगाए जा रहे थे। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और पूर्व स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने व्यक्तिगत तौर पर इस बात पर चिंता व्यक्त की थी कि बाइडन के लिए डोनाल्ड ट्रंप को हराना मुश्किल हो गया है। इस बीच राष्ट्रपति बाइडन ने कमला हैरिस को नए राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में समर्थन कर दिया है।

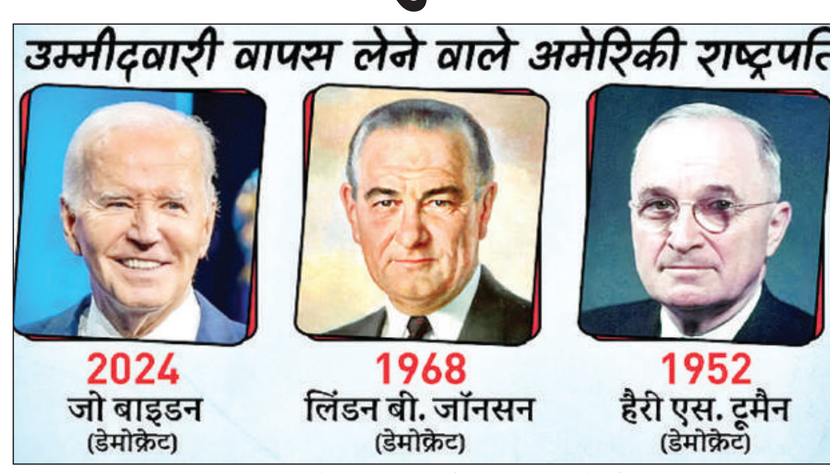

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में अभी क्या हुआ है

जो बाइडन ने राष्ट्रपति चुनाव में अपनी दोबारा दावेदारी वापस कर ली। यह फैसला उस समय आया है जब बाइडन के साथी डेमोक्रेट उनके स्वास्थ्य और डोनाल्ड ट्रम्प को हराने की क्षमता पर चिंता व्यक्त कर रहे थे। जो बाइडन ने पार्टी के उम्मीदवार के रूप में अपने स्थान पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन किया है। हालांकि, पार्टी के दूसरे दिग्गज नेता और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

क्या पहले भी किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने उम्मीदवारी वापस ली थी

अमेरिका में पिछले 75 वर्षों में केवल दो ही राष्ट्रपति हुए थे जिन्होंने चुनावी साल में दोबारा चुनाव न लड़ने का फैसला किया था। ये राष्ट्रपति थे हैरी एस. ट्रूमैन और लिंडन बी. जॉनसन और दिलचस्प है कि ये दोनों डेमोक्रेट थे। ट्रूमैन और जॉनसन ने यह एलान करके पूरे अमेरिका को हैरान कर दिया था कि वे अपनी पार्टी में नए उम्मीदवारों को मौका देंगे। दोनों ही मामलों में उम्मीदवारी संभालने वाले नए डेमोक्रेट नेताओं एडले स्टीवेंसन और ह्यूबर्ट हम्फ्री को रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों से चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। स्टीवेंसन उस समय इलिनोइस राज्य के गवर्नर थे जबकि हम्फ्री उपराष्ट्रपति की कुर्सी पर थे।

तो दोनों अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने उम्मीदवारी क्यों वापस ली थी

मार्च 1952 में ट्रूमैन और मार्च 1968 में जॉनसन ने खुद को लड़ाई से बाहर कर लिया था। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना हैं कि 1950 के दशक के शुरुआत और 1960 के दशक के अंत में राजनीतिक पृष्ठभूमि बहुत अलग थी। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स के प्रेसिडेंशियल हिस्टोरियन और फैकल्टी स्कॉलर टिम नैफ्टाली ने बताया, ट्रूमैन ने जब दूसरा कार्यकाल न लेने का फैसला किया था तब वह 67 साल के थे। वहीं दूसरी ओर जॉनसन 59 साल के थे। इन दोनों ने प्राइमरी के बीच में ही दौड़ से नाम वापस ले लिया, क्योंकि वे उस वक्त चल रहे घातक युद्धों को खत्म करने का कोई रास्ता खोजने के लिए संघर्ष कर रहे थे। ट्रूमैन के कार्यकाल में कोरिया युद्ध चल रहा था तो जॉनसन के लिए यह वियतनाम की लड़ाई थी। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया चार चरण में संपन्न होती है। इसमें पहला चरण प्राइमरी और कॉकस चुनाव का होता है। प्राइमरी (इसका संचालन नियमित पोलिंग स्टेशन पर होता है) और कॉकस (एक तरह की स्थानीय बैठक) दो तरीके हैं जिनसे लोग राज्यों और राजनीतिक दलों को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार चुनने में मदद करते हैं।

बाइडन के हटने के बाद डेमोक्रेट्स में आगे क्या होगा

जो बाइडन ने भले ही दोबारा राष्ट्रपति चुनाव न लड़ने का एलान कर दिया है लेकिन अभी भी वह डेमोक्रेट्स के आधिकारिक उम्मीदवार नहीं थे। डेमोक्रेट्स 19 से 22 अगस्त तक शिकागो में अपने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का औपचारिक रूप से चयन करने के लिए जुटेंगे। प्राइमरी चुनाव में जीत के बाद बाइडन का उम्मीदवार बनना लगभग तय था। डेमोक्रेटिक राष्ट्रीय समिति ने सम्मेलन से पहले इलेक्ट्रॉनिक रोल कॉल के जरिए बाइडन को वर्चुअल रूप से उम्मीदवार चुनने की योजना बनाई थी। हालांकि, नई योजनाएं अभी तक जारी नहीं की गई हैं।

बाइडन की जगह कौन ले सकता है

बाइडन की दावेदारी छोड़ने के बाद डेम्प्रोक्रेट्स में नए चेहरे को लेकर कश्मकश शुरू होना लाजमी है। कुछ संभावित चेहरों पर गौर करें तो उनमें उपराष्ट्रपति कमला हैरिस सबसे प्रमुख मानी जा रही हैं जिनका समर्थन खुद राष्ट्रपति बाइडन ने भी किया है। वह पहली महिला अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैं।

रूस के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को नहीं तोड़ेगा भारत, एस्पेन सिक्योरिटी फोरम में बोले अमेरिकी एनएसए

वॉशिंगटन डीसी, 22 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा कि इस बात का कोई ठोस सबूत नहीं है कि भारत रूस के साथ अपने सैन्य और प्रौद्योगिकी संबंधों को गहरा कर रहा है। उन्होंने कहा, यह जरूरी नहीं कि भविष्य में आने संकंटों में मॉस्को भारत का महान और विश्वसनीय दोस्त बना रहेगा। सुलिवन कोलाराडो में एस्पेन सिक्योरिटी फोरम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनसे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया मुलाकात के बारे में सवाल किया गया। भारत-रूस संबंध प्रगाढ़ होने का सबूत नहीं सुलिवन ने कहा, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारे पास इस बात का ठोस सबूत है कि भारत रूस के साथ अपने सैन्य और प्रौद्योगिकी संबंधों को गहरा कर रहा है मैंने उस उस यात्रा (पीएम मोदी का रूस दौरा) में ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं देखा कि उनके संबंध गहरे हो रहे हैं। मैंने वहां ऐसी कोई घोषणा होती हुई नहीं देखी। मोदी का अभिवादन करने का एक निश्चित तरीका अमेरिकी एनएसए से पूछा गया कि जब प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति पुतिन से मिले तो आप कितने चिंतित थे, जबकि उसी समय राष्ट्रपति जो बाइडन वॉशिंगटन में नाटो के नेताओं की मेजबानी कर रहे थे मोदी के पुतिन से गले मिलने को लेकर भी सवाल किया गया। इस पर सुलिवन ने कहा, मोदी का वैश्विक नेताओं का अभिवादन करने का एक निश्चित तरीका है। मैंने इसे बहुत करीब से और व्यक्तिगत रूप से देखा है। मित्र देशों को पुतिन को गले लगाते नहीं देखना चाहता अमेरिका उन्होंने आगे कहा, बाइडन प्रशासन कभी भी ऐसे देशों को मॉस्को में आकर पुतिन को गले लगाते नहीं देखना चाहता, जिनकी अमेरिका परवाह करता है, जो उसके साझेदार और मित्र हैं। मैं यहां बैठे लोगों को अन्य बातें नहीं बताना चाहता हूं। लेकिन भारत के साथ हमारे संबंधों के मामले में आप जानते हैं कि हम प्रौद्योगिकी, अर्थशास्त्र और व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र शासन कला और भू-राजनीति में अपार अवसर देखते हैं। हम इस संबंध को दो संप्रभु देशों के रूप में गहरा करना चाहते हैं। रूस के साथ ऐतिहासिक संबंध नहीं तोड़ेगा भारत सुलिवन ने कहा, भारत का रूस के साथ ऐतिहासिक संबंध हैं और वह इसे इतनी जल्दी तोड़ने वाले नहीं हैं। लेकिन मैं यह भी कह सकता हूं कि रूस चीन के करीब होता जा रहा है।

पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास की इमारत पर चढ़े अफगान प्रदर्शनकारी, राष्ट्रीय ध्वज गिराया, दो गिरफ्तार

बर्लिन, 22 जुलई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मानवाधिकारों के हनन और अत्याचारों के चलते अफगान नागिरकों का गुस्सा फूट गया। गुस्साए अफगान पश्तूनों ने जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने दूतावास की इमारत के अंदर से पाकिस्तानी राष्ट्रीय ध्वज को जबरदस्ती हटा दिया। हालांकि, घटना के बाद दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसके चलते पांच लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक नागरिक घायल हो गए। पाकिस्तान के वाणिज्य दूतावास की इमारत से राष्ट्रीय ध्वज हटाने की घटना का वीडियो कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया। वहीं, पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, अफगान नागरिकों ने फ्रैंकफर्ट में पाकिस्तान के वाणिज्य दूतावास पर धावा बोला और झंडा नीचे गिरा दिया। बाद में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के बाद, जर्मनी में पाकिस्तानी

दूतावास ने कड़ी निंदा की। कहा, हम 20 जुलाई 2024 को अफगान उपद्रवियों द्वारा फ्रैंकफर्ट में की गई बर्बरता की निंदा करते हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए जर्मन अधिकारियों के संपर्क में हैं कि ऐसी स्थिति फिर से न आए। वहीं, उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी एक्स पर पोस्ट कर कहा, पाकिस्तान ने जर्मन सरकार के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। हमने जर्मन सरकार से वियना सम्मेलनों के तहत अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने और जर्मनी में राजनयिक मिशनों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

क्या न्यूजीलैंड में चार की मौत के पीछे कनाडा का यह शख्स,पूर्व शेफ बेचता था ऑनलाइन मौत

वेलिंगटन, 22 जुलई (एजेंसियां) ।

पिछले साल एक हैरान करने वाला मामला सामने आया था। कनाडा के पूर्व शेफ केनेथ लॉ को गिरफ्तार किया गया था क्योंकि उसने लोगों को अपना जीवन समाप्त करने के लिए उपकरण और पदार्थ पेश करने वाली कई वेबसाइटें चलाई थीं। अब इस मामले एक और नई कार्रवाई हुई है। न्यूजीलैंड के एक कोरोनर (न्याय व्यवस्था से जुड़े अधिकारी) ने चार लोगों की मौत को इसी केस से जोड़ा है। उनका कहना है कि इन लोगों की मौत ऑनलाइन खरीदी गई आत्महत्या किट से जुड़ी है।

इन लोगों ने ली जान

कोरोनर एलेक्जेंड्रा कनिंघम ने पाया कि 18 से 21 साल के तीन छात्रों और एक 40 वर्षीय निजी ट्रेनर ने कनाडाई केनेथ लॉ से किट खरीदने के बाद खुद की जान ले ली।

40 देशों को बेची मौत

कनाडाई जासूसों का मानना है कि केनेथ लॉ ने लोगों को अपना जीवन समाप्त करने के लिए उपकरण और पदार्थ पेश करने वाली कई वेबसाइटें चलाई थी। उसने करीब 40 देशों में घातक पदार्थों वाले 1,200 से अधिक पार्सल भेजे हैं। आरोपी का कमजोर लोगों को ऑनलाइन निशाना बनाना मकसद था।

पिछले साल हुआ था गिरफ्तार

लॉ को पहली बार पिछले साल मई में गिरफ्तार किया गया था और उस पर आत्महत्या में सहायता करने का आरोप लगाया गया था। अगस्त में, पुलिस ने उसके खिलाफ अतिरिक्त मामले दर्ज किए, जो सभी

ओन्टारियो में हुई मौतों से जुड़े थे। कनाडाई अभियोजकों का आरोप है कि किट में एक खाद्य पदार्थ है, जिसका दुरुपयोग होने पर इंसान की जान ले सकता है। हत्या के आरोपों के साथ-साथ, लॉ पर ओन्टारियो में हुई मौतों के संबंध में आत्महत्या के लिए उकसाने के 14 मामले, कुल 28 आरोप हैं। यदि कनाडाई कानून के तहत उसे सेकेंड-डिग्री की हत्या का दोषी पाया जाता है तो उसे आजीवन कारावास का सामना करना पड़ सकता है। लॉ फिलहाल पुलिस हिरासत में है और कनाडा के अन्य हिस्सों और यूके सहित कई देशों की जांच का वह विषय बना हुआ है। हालांकि, पूर्व शेफ ने आरोपों से इनकार किया है।

इन देशों के लोगों की मौत के पीछे भी लॉ

इंटरपोल द्वारा सतर्क किए जाने पर कई अन्य देशों ने जांच शुरू की। ब्रिटेन में कथित तौर पर कम से कम 272 लोगों ने उससे ऑनलाइन घातक केमिकल खरीदा था। इससे 88 लोगों की मौत हो गई थी। ब्रिटिश जासूसों ने इन मौतों के लिए लॉ को आरोपी माना है। वहीं, इटली में नौ खरीदारों की पहचान की गई है ।

मलेशिया के 17वें किंग इस्कंदर की ताजपोशी

इनके पास 47 हजार करोड़ की संपत्ति, 300 लग्जरी कारें, बेटा भारतीय सेना में कैप्टन रह चुका

कुआला लुम्पर, 22 जुलई (एजेंसियां) ।

मलेशिया में इब्राहिम इस्कंदर की ताजपोशी हुई। इसी के साथ इब्राहिम देश के 17वें महाराज बन गए। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के नेशनल पैलेस में यह समारोह हुआ। इस्कंदर अगले 5 साल तक मलेशिया के राजा रहेंगे। 1957 में ब्रिटेन से आजादी के बाद से मलेशिया में मलय राज्य के शासक बारी-बारी से 5 साल के कार्यकाल के लिए राजगद्दी संभालते आए हैं। ताजपोशी समारोह में मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के अलावा पड़ोसी देश ब्रूनेई के सुल्तान हसनल बोलकियाह और बहरीन के राजा हमद-बिन-इसा-अल-खलीफा भी मौजूद थे। किंग इस्कंदर ने सुनहरे धागों से सजा कोट और साफा पहना हुआ था। समारोह की शुरुआत में सुल्तान इस्कंदर ने और क्वीन रजा जरिथ सोफिया का मिलिट्री सैल्यूट के सात स्वागत हुआ। इसके बाद सुल्तान को कुरान की एक कॉपी दी गई, जिसे उन्होंने चूमा। फिर इस्कंदर महाराज की ताकत का प्रतीक सोने का खंजर दिया गया। प्रधानमंत्री अनवर ने सुल्तान के प्रति वफादारी की कसम खाई। इसके बाद इस्कंदर को देश का नया महाराज घोषित किया गया। ताजपोशी के बाद उन्होंने संविधान का पालन करने, इस्लाम को आगे बढ़ाने और मलेशिया में शांति सुनिश्चित करने की शपत ली। समारोह के अंत में 3 बार लॉन्ग लिव द किंग के नारे लगाए गए। 31 जनवरी को सुल्तान इस्कंदर के अगला महाराज बनने की घोषणा हुई थी इससे पहले 31 जनवरी को इस्कंदर को मलेशिया का नया राजा घोषित किया गया था। सुल्तान इस्कंदर मोटरसाइकिल पर पूरे देश की यात्रा करने के लिए जाने जाते हैं। इसके जरिए वे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानते हैं। 65 साल के इस्कंदर जोहोर के शाही परिवार से आते हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक,

इनके पास 47.33 हजार करोड़ की संपत्ति है। सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर के सबसे बड़े बेटे और मलेशिया के क्राउन प्रिंस टुंकू इस्माइल भारतीय सेना में कैप्टन भी रह चुके हैं। सुल्तान के पास कई प्राइवेट जेट, प्राइवेट आर्मी इसके अलावा सुल्तान के पास 300 लग्जरी कारें हैं, जिनमें से एक उन्हें एडॉल्फ हिटलर ने तोहफे में दी थी। सुल्तान के पास गोल्ड-ब्लू रंग के बोइंग 737 समेत कई प्राइवेट जेट भी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुल्तान इस्कंदर के परिवार के पास एक प्राइवेट आर्मी भी है। मलेशिया के अलावा सिंगापुर में भी सुल्तान की 4 अरब डॉलर की एक जमीन, एक टायर्सॉल पार्क और बोटैनिकल गार्डन के पास भी जमीन है। सुल्तान इब्राहिम के पास रियल एस्टेट और खनन से लेकर टेलिकम्युनिकेशन और पाम तेल तक कई बिजनेस में हिस्सेदारी है। उनका आधिकारिक निवास इस्ताना बुकिट सिरीन है, जो उनकी बेशुमार दौलत का सबूत है। सुल्तान इस्कंदर के पास बाइक्स का भी एक बड़ा कलेक्शन है। 2007 में भारतीय सेना का नेतृत्व करने वाले पहले विदेशी बने क्राउन प्रिंस सुल्तान इब्राहिम की पत्नी का नाम जरीथ सोफिया है। वह शाही परिवार से आती हैं। ऑक्सफोर्ड से पढ़ीं सोफिया पेशे से लेखिका हैं और बच्चों के लिए कई किताबें भी लिख चुकी हैं। सुल्तान और सोफिया के पांच बेटे और एक बेटी हैं। सुल्तान के सबसे बड़े बेटे और मलेशिया के क्राउन प्रिंस टुंकू इस्माइल भारतीय सेना में कैप्टन रह चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2007 में टुंकू इस्माइल भारतीय सेना की एक यूनिट का नेतृत्व करने वाले पहले विदेशी बने थे। सुल्तान ने कहा- मैं सरकार की कठपुतली वाला राजा नहीं मैं सरकार की कठपुतली वाला राजा नहीं बनना चाहता। संसद में 222 सांसद हैं, लेकिन बाहर 3 करोड़ जनता है। मैं सांसदों के साथ नहीं बल्कि जनता के साथ हूं। मैं हमेशा सरकार का समर्थन करता रहूंगा, लेकिन अगर मुझे लगेगा कि कुछ गलत हो रहा है, तो उसका विरोध जरूर करूंगा। प्रमुख राजनीतिक नियुक्तियों के अलावा, मलेशिया के राजा मुस्लिम-बहुल देश में इस्लाम के आधिकारिक प्रमुख और इसके सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ भी होते हैं। मलेशिया में पिछले कुछ सालों से राजनीतिक अस्थिरता है।

पेरिस में दूसरे देशों के लिए चमक बिखेरेंगे भारतीय मूल के ये खिलाड़ी, इनमें से एक महज 19 साल की

पेरिस, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक को शुरू होने में अब बस कुछ ही दिनों का वक्त रह गया है। 26 जुलाई को शुरू हो रहे इस बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 206 राष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी के 10, 500 से भी ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। इसके लिए पेरिस में पूरी तैयारी हो चुकी है। भारतीय एथलीट्स समेत कई अन्य देशों के एथलीट भी पेरिस के खेल गांव पहुंचना शुरू कर चुके हैं। हालांकि, पेरिस ओलंपिक में भारत सिर्फ भारतीय दल तक सीमित नहीं होगा बल्कि भारतीय मूल के कई खिलाड़ी दूसरे देशों के लिए भी अपना जलवा बिखेरते नजर आएंगे। इनमें से एक एथलीट तो महज 19 साल की है।

राजीव राम (टेनिस, अमेरिका) – इस सूची में सबसे जाने माने खिलाड़ी। अमेरिका के डेनवर में जन्मे 40 वर्ष के राजीव के माता पिता बेंगलुरू के रहने वाले थे। राजीव के पिता बोटेनिस्ट थे जिनका 2019 में कैंसर से निधन हो गया। वहीं उनकी मां सुषमा वैज्ञानिक तकनीशियन हैं।

राम ने एक बार कहा था, मुझे अपनी भारतीय विरासत पर गर्व है। टेनिस में बहुत ज्यादा भारतीय नहीं हैं। हम एक समूह के रूप में जो भी कामयाबी अर्जित करेंगे, उससे आने वाली पीढी को प्रेरणा मिलेगी। अमेरिका के लिए खेलते हुए राजीव ने चार पुरुष युगल और एक मिश्रित युगल ग्रैंडस्लैम जीता है। उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में वीनस विलियम्स के साथ मिश्रित युगल खेला था। इस बार वह पुरुष युगल में भाग लेंगे।

प्रिथिका पावड़े (टेबल टेनिस, फ्रांस) – प्रिथिका के पिता का जन्म पुडुच्चेरी में हुआ था। वह 2003 में शादी के बाद पेरिस जा बसे और एक साल बाद यानी 2004 में प्रिथिका का जन्म हुआ। जब वह छह साल की थीं तो खुद टेबल टेनिस खिलाड़ी रहे उनके पिता ने उन्हें इस खेल से रूबरू कराया। प्रिथिका ने 16 वर्ष की उम्र में तोक्यो में पहला ओलंपिक खेला था। रसायन और पर्यावरण विज्ञान की छात्रा 19 वर्ष की प्रिथिका महिला एकल, महिला युगल और मिश्रित युगल में खेलती दिखेंगी।

कनक झा (टेबल टेनिस , अमेरिका) – भारतीय मूल के एक और खिलाड़ी कनक झा अमेरिका के लिए खेलेंगे। झा की मां करूणा मुंबई से और पिता अरूण कोलकाता और प्रयागराज से हैं। दोनों आईटी प्रोफेशनल हैं। झा ने कैलिफोर्निया में भारतीय समुदाय केंद्र से टेबल टेनिस खेलना शुरू किया। झा की मां ने उन्हें हिन्दी और जैन धर्म सीखने के लिये जैनशाला और हिंदशाला में डाला।

न्यूज ब्रीफ

टोक्यो जैसी गलती नहीं करूंगी, टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने बताई रणनीति

नई दिल्ली । टेबल टेनिस उन खेलों में शामिल है जिसमे भारत को पहले ओलंपिक पदक की आशा है। महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा के पास ओलंपिक खेलों में शामिल होने का अनुभव है, लेकिन उन्होंने टोक्यो में प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं किया था। मनिका का कहना है कि वह पेरिस खेलों में टोक्यो वाली गलती नहीं करेंगी और एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगी। भारत पेरिस में टेबल टेनिस की व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेगा। भारतीय महिला टीम को पेरिस ओलंपिक में जगह दिलाने में मनिका ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह पहला अवसर है जब भारतीय टेबल टेनिस टीम ने ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। टोक्यो ओलंपिक से काफी सीखा है मनिका ने साथ ही कहा कि शुरुआती दौर में पदक जीतना उनके दिमाग में नहीं होगा। अपने साथियों के साथ पेरिस ओलंपिक की तैयारी में लगीं बत्रा ने टोक्यो ओलंपिक के अनुभव से काफी कुछ सीखा है। मनिका ने कहा, पिछले ओलंपिक खेलों से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला और मैंने जो गलतियां वहां की थी उनको इस बार नहीं दोहराऊंगी। उसके बाद मेरी मानसिकता बदली है। मैं अधिक शांत हो गई हूं और मेरा खुद पर भरोसा बढ़ गया है। मैं अपने दमखम और फुर्ती पर ध्यान दे रही हूं और मेरा वास्तविक लक्ष्य पदक के लिए चुनौती पेश करना है। लेकिन मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ूंगी। मैं उस मुकाम पर पहुंचने की कोशिश कर रही हूं जहां मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकूं। बत्रा ने कहा, मैं मैच दर मैच आगे बढ़ूंगी और शुरू में ही पदक के बारे में नहीं सोचूंगी। मैं अपने देश के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहूंगी। भारत ने पहली बार ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया, यह बड़ी उपलब्धि है। मैं इस बात से बहुत खुश हूं कि हम शिविर में एक साथ अभ्यास कर रहे हैं। मुझे लगता है कि हमारे पास पदक जीतने का मौका है और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए।

दूसरा टेस्ट- इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 241 रनों से हराया: 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त ली, रूट और ब्रूक के शतक, शोएब बशीर को 5 विकेट

नॉटिंघम। इंग्लैंड ने 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 241 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ इंग्लिश टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त भी हासिल कर ली है। तीसरा और आखिरी मुकाबला बर्मिंघम में 26 जुलाई से खेला जाएगा। इंग्लैंड पहला टेस्ट मैच पारी और 114 रन से जीता था। 5 दिनी मुकाबले के चौथे दिन 385 रन का टारगेट चेज कर रही वेस्टइंडीज की टीम 143 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए, जबकि जेसन होल्डर ने 37 रनों की पारी खेली। शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सके। इंग्लैंड के शोएब बशीर ने 5 विकेट लिए। क्रिस वोक्स और गॉस एटकिंसन को 2-2 विकेट मिले। रूट-ब्रूक के शतक से इंग्लैंड का स्कोर 400 पार इंग्लैंड ने दूसरी पारी में जो रूट (122 रन) और हैरी ब्रूक (109 रन) के सहारे 425 रन बनाए और वेस्टइंडीज को जीत के लिए 385 रन टारगेट दिया।

रुतुराज की उपेक्षा पर भड़के पूर्व क्रिकेटर बद्रीनाथ

नई दिल्ली । रुतुराज गायकवाड़ को श्रीलंका दौरे से बाहर करने का मामला बढ़ता जा रहा हे अब पूर्व

क्रिकेटर एस बद्रीनाथ ने चयनकर्ताओं के इस फैसले पर सवाल उठाये हैं। बद्रीनाथ ने कहा है कि जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन के बाद भी इस बल्लेबाज को टीम में जगह नहीं मिलना हैरानी की बात है। इसके अलावा रिंकू सिंह को भी एकदिवसीय टीम में जगह नहीं दिया जाना गलत है। चयनकर्ताओं ने श्रीलंका दौरे के लिए रुतुराज टी20 और एकदिवसीय किसी भी प्रारुप में जगह नहीं दी है जबकि रिंकू को केवल टी20 में ही रखा है। बद्रीनाथ ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी साझा कर कहा कि क्रिकेटरों को भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए असाधारण प्रदर्शन से ज्यादा की जरूरत हो सकती है।

ओलंपिक इतिहास के वो 10 वर्ल्ड रिकॉर्ड, जिनका टूटना मुश्किल

मुंबई , 22 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक के साथ खेलों का महाकुंभ 26 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। भारत के 117 खिलाड़ी भी ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत के साथ, उन ओलंपिक रिकॉर्ड पर भी नजर रहेगी, जिनका टूटना बहुत मुश्किल है। ओलंपिक के ऐसे ही 10 रिकॉर्ड पर नजर डालते हैं। वेनेजुएला की युलिमार रोजास ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में महिला ट्रिपल जंप प्रतियोगिता में 15.67 मीटर की जंप लगाकर ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने रियो में सिल्वर मेडल जीता था।

टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने तीन दशकों से कायम वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। नॉर्वे के तेज दौड़ धावक कार्स्टन वारहोम ने भी टोक्यो ओलंपिक में पुरुष 400 मीटर बाधा दौड़ प्रतियोगिता में 45.64 सेकंड का समय निकालकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। खास बात यह रही कि इस प्रतियोगिता में वारहोम का समय बाकी 18 प्रतिभागियों से काफी बेहतर था। टोक्यो ओलंपिक 2020 में अमेरिका की सिडनी मैकलॉघलिन-लेव्रोन ने भी 400 मीटर बाधा दौड़ प्रतियोगिता में 51.46 सेकंड समय निकालकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। खास बात यह है कि सिडनी, ओलंपिक के बाद भी दो बार अपना रिकॉर्ड तोड़ चुकी हैं। लंदन ओलंपिक 2012 में केन्या के मध्यम दूरी के धावक डेविड रुडिशा ने पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में 1:40.91 (1 मिनट 41 सेकंड) समय निकाल वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। यह प्रदर्शन आज तक बेजोड़ है। लंदन ओलंपिक 2012 में जमैका की टीम ने 4म100 मीटर रिले दौड़ में 36.84 सेकंड का समय निकालकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उसैन बोल्ट इस चैंपियन टीम का हिस्सा थे। अमेरिका की फ्लोरेंस ग्रिफ़िथ जॉयनर उर्फ फ्लो-जो ने 1988 में सियोल में हुए ओलंपिक गेम्स में 200 मीटर रेस में जो वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, वह आज तक टूट नहीं सका है। फ्लो-जो ने 200 मीटर रेस में 21.34 सेकंड का समय निकाल इतिहास रच दिया था। अमेरिकी तैराक माइकल फेल्प्स ओलंपिक के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में एक हैं। उनको सबसे महान ओलंपियन भी माना जाता है। उन्होंने बीजिंग ओलंपिक (2008) में इतिहास रच दिया, जब एक ही एथलीट के तौर पर सबसे ज्यादा पदक जीते।

माइकल फेल्प्स का रिकॉर्ड आज भी कायम

माइकल फेल्प्स ने इस खेलकुंभ में भाग ली गई सभी आठ स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने इनमें से सात स्पर्धाओं में विश्व रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर दिए। जमैका के उसैन बोल्ट भी सर्वकालिक महान ओलंपिक खिलाड़ियों में एक हैं, जिन्होंने बीजिंग ओलंपिक में पुरुष 100 मीटर दौड़ में 9.69 सेकंड का समय निकालकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। बोल्ट इस रेस में इतना आगे निकल गए थे, कि लाइन पार करने से पहले से जश्न मनाने लगे थे। बोल्ट ने बाद में 2009 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।

अमेरिका के लंबी कूद खिलाड़ी बॉब बीमॉन ने 1968 में मैक्सिको सिटी में हुए ओलंपिक गेम्स में 8.90 मीटर (29.2 फीट) की छलांग लगाते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया था। इस जंप ने उनको न केवल गोल्ड मेडल दिलाया, बल्कि वह तत्कालीन रिकॉर्ड से भी दो फीट आगे निकल गए थे। बीमॉन के इस रिकॉर्ड के नजदीक अब तक कोई नहीं पहुंच सका है। अमेरिका के तैराक कैलेब ड्रेसेल ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में पुरुषों की 100 मीटर बटरफ्लाई प्रतियोगिता में 49.45 सेकंड का समय निकाल वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया था। उन्होंने पिछला वर्ल्ड रिकॉर्ड 0.05 सेकंड के समय से तोड़ दिया।

विराट और रोहित खेल सकते हैं वनडे विश्व कप 2027 : गंभीर

मुंबई , 22 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर ने श्रीलंका दौरे पर रवाना होने से पहले अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई बयान दिए हैं। उन्होंने वनडे विश्व कप 2027 के लिए कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली का समर्थन किया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

गंभीर ने कहा कि उन दोनों में अभी बहुत क्रिकेट बाकी है और अगर वे अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं तो वे अगले वनडे विश्व कप में खेल सकते हैं।

रोहित और कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में जीत के बाद टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। हालांकि, दोनों खिलाड़ी खेल के अन्य प्रारूपों में खेलना जारी रखेंगे।

गंभीर को लगता है कि बड़े टूर्नामेंटों में प्रदर्शन करने की रोहित और विराट की क्षमता आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे और अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में देश के लिए महत्वपूर्ण होगी। गंभीर ने पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने दिखा दिया है कि वे बड़े मंच पर क्या कर सकते हैं। चाहे वह टी20 विश्व कप हो या 50 ओवर का विश्व कप, एक बात जो मैं बहुत स्पष्ट रूप से कह सकता हूं वह यह है कि उन दोनों खिलाड़ियों में बहुत क्रिकेट बाकी है। अगर वे अपनी फिटनेस बनाए रख सकते हैं, तो 2027 वनडे विश्व कप भी खेल सकते हैं। लेकिन यह एक बहुत ही व्यक्तिगत निर्णय है। 2027 का वनडे विश्व कप दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। रोहित ने पिछले साल बहुत करीब पहुंचने के बावजूद वनडे विश्व कप गंवाया। वह 2011 के वनडे विश्व कप विजेता टीम में शामिल नहीं थे। जबकि कोहली टीम का हिस्सा थे और उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में महत्वपूर्ण पारी भी खेली थी।

लखनऊ सुपर जायंट्स छोड़कर आरसीबी में जा सकते हैं राहुल

मुंबई , 22 जुलाई (एजेंसियां)।

आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल अगले सत्र में किसी और टीम से खेलते हुए दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि राहुल और लखनऊ सुपर जायंट्स प्रबंधन में मतभेद गहरा गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सत्र में जिस प्रकार से फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका भड़के थे उससे राहुल नाराज हैं हालांकि इस बहस के बाद गोयनका ने राहुल को खाने पर बुलाया था और उनके बीच अच्छी बातचीत हुई थी। तब लगा था कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक है पर ये बात गलत निकली।

राहुल 2022 में टीम से जुड़े थे और तब से उन्होंने टीम को हर बार प्लेऑफ में पहुंचाया पर टीम । टूर्नामेंट के नॉकआउट स्तर तक नहीं पहुंच पायी। पिछले सत्र में टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। वहीं अब एक रिपोर्ट के मुताबिक राहुल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से फिर जुड़ सकते हैं। फ्रेंचाइजी को भी एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी की तलाश है, जो कप्तानी कर सके। आरसीबी आज तक आईपीएल नहीं जीत है। उसने विराट कोहली के बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसी को भी कप्तान बनाया पर उसकी एक न चली। ऐसे में अब वह राहुल को कप्तान बनाना चाहती है। 2022 में विराट ने लंबे समय के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ी थी और उसके बाद डुप्लेसी टीम के नए कप्तान बने थे पर उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए प्रबंधन अब किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी देना चाहता है। 40 वर्षीय फाफ ज्यादा समय तक फ्रेंचाइजी का साथ नहीं सकते हैं। राहुल पहले भी टीम में रहे है जिससे प्रबंधन उनके बारे में अच्छी प्रकार से जानता है।

गंभीर , अगरकर ने मीडिया से बात कर दिए सवालों के जवाब

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के श्रीलंका रवाना होने से पहले टीम के नये मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयनसमिति के प्रमख अजीत अगरकर ने मीडिया से बात की। गंभीर कोच बनने के बाद पहली बार मीडिया के सामने आये। इस दौरान उनसे कई कठिन सवालों का जवाब मांगा गया जैसे हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को क्यों टी20 कप्तानी दी गयी, रुतुराज गायकवाड़ संजू सैमसन व अभिषेक शर्मा को जिम्बाब्वे में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह क्यों नहीं मिली। इसके अलावा भी कई अन्य सवाल दागे गये जिनका गंभीर ओर अगरकर ने जवाब दिया।

इस दौरान कोच गंभीर ने खिलाड़ियों से संबंध को लेकर कहा कि हमारा सभी से एक बराबर रिश्ता है। साथ ही कहा कि ये प्रदर्शन के आधार पर तय होता है न कि निजी संबंधों के आधार पर। साथ ही कहा कि हमारा लक्ष्य टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। गंभीर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिये जाने को लेकर कहा कि उनपर काफी बोझ है जिसको कम करना जरुरी है क्योंकि वह तेज गेंदबाज हैं। इसलिए उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए आराम दिय गया है।

चयनसमिति के प्रमुख अगरकर ने हार्दिक को लेकर पूछे गये सवाल को लेकर कहा कि उन्हें कप्तान की जिम्मेदारी इसलिए नहीं दी गयी क्योंकि वह बार बार चोटिल होते रहते हैं। वहीं हम चाहते थे कि कप्तान फिट रहे जिससे वह हर मैच खेल सके। यही कारण है कि सूर्यकुमार को कप्तानी दी गयी। इसके अलावा वह टी20 का नंबर एक बल्लेबाज भी है। सभी चाहते हैं कि कप्तान हर मैच में उपलब्ध रहे।

वहीं रुतुराज सहित कुछ खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह नहीं मिलने को लेकर

अगरकर ने कहा कि हर किसी को टीम में नहीं ले सकते हैं। 15 खिलाड़ियों की टीम को हम संतुलित करना चाहते थे। ऐसा नहीं है कि जो बाहर है उन्हें फिर अवसर नहीं मिलेगा। साथ ही कहा कि कोई जिम्बाब्वे गया और अच्छे फॉर्म में है तो ये अच्छे संकेत हैं पर अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी पर किसी को तो बाहर रहना ही पड़ता है। रविंद्र जडेजा को एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिलने को कहा कि उन्हें आराम दिया गया है और आने वाले समय में वह टीम में रहेंगे।

अगरकर ने शुभमन गिल को श्रीलंका दौरे के लिए टी20 टीम के उपकप्तान बनाए जाने पर कहा कि वह तीनों प्रारुपों का खिलाड़ी है। जिम्बाब्वे दौरे में उसकी नेतृत्व क्षमता भी देखने में आई है।

भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज गोलकीपर श्रीजेश ने किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

श्रीजेश भारत के लिए अब तक 328 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। इसके अलावा वह कई राष्ट्रमंडल खेल और विश्व कप में भी हिस्सा ले चुके हैं। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर और कप्तान पीआर श्रीजेश ने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पेरिस ओलंपिक उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय दौरा होगा। 36 साल के श्रीजेश का यह चौथा ओलंपिक है। उनकी कप्तानी में भारत ने 2016 रियो ओलंपिक में हिस्सा लिया था और टीम आठवें स्थान पर रही थी। हालांकि, उन्होंने 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारतीय टीम के साथ ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था।

श्रीजेश भारत के लिए 328 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। इसके अलावा वह कई राष्ट्रमंडल खेल और विश्व कप में भी हिस्सा ले चुके हैं।

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होगी। हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में श्रीजेश ने कहा, जैसा कि मैं पेरिस में अपने आखिरी टूर्नामेंट की तैयारी कर रहा हूं, मैं बहुत गर्व के साथ पीछे मुड़कर अपने करियर को देखता हूं और आशा की किरणों के साथ आगे बढ़ता हूं।

उन्होंने कहा, यह यात्रा असाधारण से कम नहीं है और मैं अपने परिवार, टीम के साथियों, कोच, फैंस और हॉकी इंडिया के प्यार और समर्थन के लिए हमेशा आभारी रहूंगा। मुझ पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। मेरे टीम के साथी कठिन समय में मेरे साथ खड़े रहे हैं। हम सभी यहां पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और निश्चित रूप से इच्छा हमारे पदक का रंग बदलने की है।

2010 विश्व कप में डेब्यू करने के बाद श्रीजेश भारत के लिए कई यादगार जीत का हिस्सा रहे हैं, जिसमें 2014 एशियाई खेलों में स्वर्ण और जकार्ता-पालेमबांग में 2018 एशियाड में कांस्य पदक शामिल है। वह 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की संयुक्त विजेता टीम के अलावा, भुवनेश्वर में 2019 एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल चैंपियन टीम में भी थे। इसके अलावा वह 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक और 2023 एशियाई चैंपियन ट्रॉफी जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। 2022 एशियाई खेलों में उन्होंने भारत को स्वर्ण जीतने में मदद की थी।

श्रीजेश को 2021 में खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। वहीं, 2022 में वह साल 2021 के लिए सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुने गए थे। श्रीजेश ने अपनी गर्लफ्रेंड अनीषया से शादी की थी, जो कि एक लॉन्ग जंपर और आयुर्वेद डॉक्टर भी हैं। इस कपल की एक बेटी (अनुश्री) और एक बेटा भी है। श्रीजेश 2016 में सरदार सिंह को रिप्लेस कर भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान बने थे। टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने अपनी गोलकीपिंग से भारत को 41 साल बाद पुरुष हॉकी में ओलंपिक पदक जिताने में मदद की थी।

फोनपे के संस्थापक व सीईओ ने कर्नाटक जॉब कोटा बिल पर अपना रुख किया स्पष्ट

बेंगलुरू,22 जुलाई (एजेंसियां) । फोनपे के संस्थापक और सीईओ समीर निगम ने कर्नाटक के ड्राफ्ट जॉब रिजर्वेशन बिल के बारे में अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका इरादा कभी भी राज्य या यहां के लोगों का अपमान करने का नहीं था।

एक बयान में, निगम ने कहा कि अगर उनकी टिप्पणियों से किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचा है, तो मुझे खेद है और मैं बिना शर्त माफी मांगता हूं।

उन्होंने कहा कि कन्नड़ और अन्य सभी भारतीय भाषाओं के प्रति उनके मन में सम्मान है। निगम ने कहा, मेरा मानना है कि भाषाई विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एक राष्ट्रीय संपत्ति है, इस पर सभी भारतीयों को गर्व होना चाहिए और सभी भारतीयों को स्थानीय और सांस्कृतिक मानदंडों का सम्मान करना और जश्न मनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि फोनपे का जन्म बेंगलुरु में हुआ था। सीईओ ने जोर देकर कहा, बेंगलुरु से, पिछले एक दशक में, हमने पूरे भारत में विस्तार किया है और 55 करोड़ से अधिक भारतीयों को सुरक्षित और कुशल डिजिटल भुगतान सेवा देने में सक्षम हुए हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी कर्नाटक की सरकार और स्थानीय कन्नड़ लोगों द्वारा दिए गए सहायक कारोबारी माहौल के लिए आभारी है।

उन्होंने कहा, बेंगलुरु के भारतीय स्टार्टअप गूगल, एप्पल, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी ट्रिलियन डॉलर की कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ऐसा करने के लिए, इन कंपनियों को भारत में उपलब्ध सबसे बेहतरीन प्रतिभाओं को उनके प्रौद्योगिकी कौशल और कोडिंग, डिजाइन, उत्पाद प्रबंधन, डेटा विज्ञान, मशीन लर्निंग, एआई और उससे आगे जैसे क्षेत्रों में दक्षता के आधार पर रोजगार देने में सक्षम होना चाहिए। निगम ने कहा कि वह बेंगलुरु और कर्नाटक के लिए लाखों नौकरियों के सृजन में मदद करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, और, मेरा मानना है कि अधिक संवाद और चर्चा के साथ, हम अधिक स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने के तरीके खोज सकते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

आम यात्रियों को बजट में मिल सकती हैं इन खास ट्रेनों की सौगात, इन राज्यों के 75 शहरों से होगी शुरू

नई दिल्ली । मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट 23 जुलाई को पेश होने जा रहा है। इस बजट में ट्रेन में सफर करने वाले आम यात्रियों को भी कई बड़ी सौगात मिल सकती है। सूत्रों के मुताबिक, वित्तमंत्री इस बजट में आधुनिक और तेज गति वाली 200 से अधिक नई नॉन एसी ट्रेनें चलाने की घोषणा कर सकती है। इन ट्रेनों के जरिए पहली बार देश के 75 छोटे शहरों (तीन लाख आबादी वाले) को रेल कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा। पुल-पुश तकनीय से युक्त इन अमृत भारत ट्रेनों में स्लीपर-जनरल कोच होंगे। कुछ रेलमार्गों पर डिमांड के अनुसार इन ट्रेनों में एसी कोच लगाए जा सकते हैं। ये अमृत भारत ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड, मध्यप्रदेश आदि राज्यों के छोटे शहरों से रोजगार की तलाश में देश के महानगरों में जाने वाले लोगों को ध्यान में रखकर चलाई जाएंगी। इनका किराया सामान्य मेल-एक्सप्रेस की तरह ही होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट 2024 में हाई स्पीड और सेमी हाईस्पीड ट्रेनों को भी प्राथमिकता मिलेगी। वित्त मंत्री देश के उत्तर, पूर्व व दक्षिण भारत के हिस्से में तीन नए हाई स्पीड कॉरिडोर (बुलेट ट्रेन) बनाने की घोषणा कर सकती हैं। इसमें दिल्ली-अमृतसर सहित कोलकाता और चेन्नई को शामिल किया जा सकता है। कॉरिडोर के फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने के लिए बजट का प्रावधान किया जाएगा। इसके अलावा बजट में वंदे भारत व वंदे मेट्रो को संख्या बढ़ाने का एलान भी हो सकता है। जानकारी के अनुसार, बजट में बढ़ते रेल हादसों पर अंकुश लगाने के लिए नए रेलमार्गों पर टक्कर रोधी तकनीक वर्जन कवच-4.0 की घोषणा की जा सकती है। इसके तहत 35,736 किलोमीटर रेलमार्गों पर कवच लगाया जाएगा। कचव तकनीक ट्रेनों की आमने-सामने व पीछे से टक्कर रोकने में सक्षम है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में जीडीपी 6.5-7 प्रतिशत रहेगी, आर्थिक सर्वे में सरकार ने जताया अनुमान

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय वर्ष 2023-24 का आर्थिक सर्वे सदन में पेश किया। इस आर्थिक सर्वे में सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान देश की वास्तविक जीडीपी या वृद्धि दर 6.5-7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर और निजी निवेश में निरंतर गति से पूंजी निर्माण वृद्धि को बढ़ावा मिला है। सकल स्थायी पूंजी निर्माण में 2023-24 में वास्तविक रूप से 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार देश का राजकोषीय घाटा (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में) पिछले वर्ष की तुलना में 2023 में 1.6 प्रतिशत अंक बढ़ा। आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने कहा है कि सेवा क्षेत्र एक प्रमुख रोजगार प्रदाता बना हुआ है वहीं निर्माण क्षेत्र भी हाल ही में प्रमुखता से बढ़ रहा है, जो बुनियादी ढांचे के लिए सरकार की ओर की गई पहल नतीजा है।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर घटाई

बैंकॉक । चीन के केंद्रीय बैंक ने अपनी पांच वर्षीय प्रमुख ऋण दर और एक वर्षीय दर दोनों में कटौती कर दी है। यह फैसला उसके संपत्ति क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए किया गया है। पांच साल की दर में 10 आधार अंकों की कटौती की गई जिससे यह 3.95 प्रतिशत से 3.85 प्रतिशत हो गई है। एक साल की दर को 3.45 प्रतिशत से घटाकर 3.35 प्रतिशत कर दिया गया। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने बैंकों के लिए अपनी मध्यम अवधि की ऋण सुविधा के लिए संपार्श्विक आवश्यकताओं को भी कम कर दिया है। बैंक ने कहा कि इसका मकसद बॉन्ड बाजार पर दबाव कम करना है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद से गति हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है। इसमें संपत्ति बाजार में मंदी एक बड़ी बाधा रही है। आर्थिक वृद्धि दर पिछली तिमाही में गिरकर 4.7 प्रतिशत हो गई, लेकिन वर्ष की पहली छमाही के लिए यह सरकार के लक्ष्य (पांच प्रतिशत) के आसपास बनी रही।

अब एयरबस भारत में तैयार करेगा एच125 हेलीकॉप्टर आठ एफएएल साइट का इस साल होगा भूमिपूजन

नई दिल्ली,22 जुलाई (एजेंसियां) ।

दुनिया भर में एयरलाइन निर्माता कंपनी एयरबस की मात्र ऐसी तीन जगहें हैं जहां कंपनी ने अपने अंतिम असेंबली लाइन स्थापित किए गए हैं। अंतिम असेंबली लाइन का मतलब जहां कंपनी अपने एच125 हेलीकॉप्टर्स का निर्माण करती है। वहीं एयरबस के अधिकारियों ने कहा कि यह सुविधा, जो एकल इंजन एच125 के लिए चौथी अंतिम असेंबली लाइन (एफएएल) होगी, शुरू में सालाना 10 हेलीकॉप्टरों का उत्पादन करेगी और बाजार की मांग के आधार पर क्षमता बढ़ाई जाएगी।

भारत हेलीकॉप्टरों के लिए भविष्य का बाजार

एयरबस हेलीकॉप्टर के वैश्विक व्यापार के कार्यकारी उपाध्यक्ष ओलिवियर माइकलॉन ने कहा, भारत हेलीकॉप्टरों के लिए भविष्य का बाजार है। वर्तमान में, बाजार बेहद प्रारंभिक अवस्था में है, जो कि संभावित संभावनाओं की तुलना में बहुत छोटा है। एफएएल के लिए भूमिपूजन समारोह इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है और यह सुविधा 2026 में चालू हो जाएगी जबकि डिलीवरी 2026 के अंत में शुरू होने की उम्मीद है। बाजार की मांग के आधार पर बढ़ेगा निर्माण

ओलिवियर माइकलॉन ने बताया कि हमने आठ जगहों की पहचान की है जिनका हम वर्तमान में मूल्यांकन कर रहे हैं। हम अभी भी मूल्यांकन के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में मैरिग्नेन में एक ब्रीफिंग में माइकलॉन ने कहा, हम आकर्षक और ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र में रहना चाहते हैं जो औद्योगिक गतिविधियों, रसद, कर्मचारियों और निश्चित रूप से, विनियमों के लिए सबसे उपयुक्त हो। वहीं ओलिवियर माइकलॉन ने जोर देकर कहा कि 10 हेलीकॉप्टरों का निर्माण बहुत ज्यादा नहीं है और बाजार की मांग के आधार पर कुछ सालों में यह 20, 30 या 50 हो सकता है।

अगले 20 सालों में एच125 की मांग 500 होने का अनुमान

ओलिवियर माइकलॉन ने कहा कि हम हेलीकॉप्टर बनाते हैं, बेचते हैं और उनका समर्थन करते हैं। साथ ही, हम सॉल्यूशन बनाते हैं, बेचते हैं और उनका समर्थन करते हैं। यही हम प्रदान कर सकते हैं। मेक इन इंडिया सॉल्यूशन भी। वहीं भारत और दक्षिण एशिया में एयरबस हेलीकॉप्टर के प्रमुख सनी गुगलानी ने ब्रीफिंग में कहा कि एयरबस ने अगले 20 सालों में भारत और पड़ोसी देशों में एच125 हेलीकॉप्टरों की मांग 500 होने का अनुमान लगाया है। जानकारी के मुताबिक एयरबस गुजरात के वडोदरा में सी295 विमान के लिए एफएएल भी स्थापित कर रहा है।

दुनिया में 7,200 से ज्यादा एच125 हेलीकॉप्टर भर रहे उड़ान

बता दें कि मैरिग्नेन एयरबस हेलीकॉप्टर का मुख्यालय है। जबकि एयरबस के लिए, एच125 भारत के साथ-साथ दक्षिण एशिया क्षेत्र में सबसे अधिक बिकने वाला हेलीकॉप्टर है। जो छह लोगों को ले जा सकता है। भारत और दक्षिण एशिया (भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका और मालदीव) में लगभग 350 नागरिक और आधे-सार्वजनिक हेलीकॉप्टर हैं। एयरबस के अनुसार, उनमें से 250 से भी कम हेलीकॉप्टर भारत में सेवा में हैं। भारत में करीब 100 एयरबस हेलीकॉप्टर हैं, जिनमें से ज्यादातर एच125 और 130 हैं। दुनिया भर में 4300 से ज्यादा एच125 हेलीकॉप्टर उड़ान भर रहे हैं।

सोना 73 हजार के पार, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली । सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 171 रुपये की तेजी के साथ 73,161 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 179 रुपये की तेजी के साथ 73,169 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 5 रुपये की गिरावट के साथ 89,641 रुपये पर खुला। इस समय यह 66 रुपये की गिरावट के साथ 89,580 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2403.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,399.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 10.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,409.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

जल्द ही नथिंग फोन 2ए प्लस को भी लाने की तैयारी

नई दिल्ली,22 जुलाई (एजेंसियां) ।

स्मार्टफोन बनाने वाली नथिंग कंपनी जल्द नथिंग फोन 2ए प्लस को भी लाने की तैयारी में है। कंपनी अपने इस फोन को इसी महीने 31 जुलाई को पेश करेगी। ये इस सीरीज़ का दूसका फोन है क्योंकि इससे पहले इस साल नथिंग फोन 2ए लॉन्च किया जा चुका है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले प्लस वेरिएंट में मौजूदा मॉडल के मुकाबले बेहतर फीचर्स दिए जाएंगे। नथिंग के को फाउंडर अकीस इवेंजेलिडिस ने हाल ही फोन के कुछ फीचर्स को टीज किया है, जिससे पता चला है कि ये दमदार प्रोसेसर के साथ आता है और इसमें पहले से अलग डिज़ाइन और रूप देखने को मिल सकता है। इसका मतलब साफ है कि नथिंग फोन 2ए प्लस मौजूदा फोन 2ए मॉडल में मौजूद मीडियाटेक डाइमेंशन 7200 प्रो के मुकाबले ज्यादा पावरफुल चिपसेट दिया जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि इसका डिज़ाइन मौजूदा फोन जैसा ही होगा। फिलहाल फोन की कीमत और बाकी फीचर्स को लेकर खुलासा नहीं हुआ है लेकिन पिछले मॉडल को देखते हुए आने वाले मोबाइल की कई खासियत का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। इस साल लॉन्च हुए नथिंग फोन 2ए के फीचर पर नज़र डालें तो इसमें 6.7-इंच का 120एचझेड फुल एचडी+ (1,080म2,412 पिक्सल) अमोलेड स्क्रीन के साथ कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 5 की प्रोटेक्शन दी जाती है। ये ऑक्टा-कोर 4 एनएम मीडियाटेक डाइमेंशन 7200 प्रो एसओसी से लैस है और एंड्रॉयड 14-पर बेस्ड नथिंग ओएस 2.5 के साथ काम करता है। कैमरे के तौर पर इस फोन के रियर पर दो 50-मेगापिक्सल सेंसर और फ्रंट में 32-मेगापिक्सल सेंसर है। पावर के लिए फोन में 45वॉट वायर्ड फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी दी जाती है। कीमत की बात करें तो नथिंग फोन 2ए को भारत में मार्च में लॉन्च किया गया था और बाद में मई में स्पेशल एडिशन भी पेश किया गया था। इसके बेस 8 जीबी + 128 जीबी वेरिएंट की कीमत 23,999 रुपये है, जबकि 8 जीबी + 256 जीबी और 12 जीबी + 256 जीबी वेरिएंट की कीमत 25,999 रुपये और 27,999 रुपये है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हम विकसित ...

यह आगे के विकास और प्रगति के क्षेत्रों की भी पहचान करता है क्योंकि हम विकसित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।आर्थिक सर्वे रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रास्ते पर और स्थिर स्थिति में है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने भी यह दावा सरकार की ओर से आर्थिक सर्वे जारी करने के बाद किया है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के अनुसार, ठहराव के बावजूद निजी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में तेजी आई है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में कृषि क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन करेगा। इसके अतिरिक्त, औद्योगिक विकास में भी व्यापक आधार पर तेजी की उम्मीद है। उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं ने मई 2024 तक महत्वपूर्ण परिणाम दिया है। ये योजनाएं गति प्राप्त कर रही हैं और इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त प्रगति दिखा रही हैं। इसके तहत 1.28 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश दर्ज किया गया है। नागेश्वरन ने कहा कि इस आर्थिक सर्वे की थीम ऑल हैन्ड्स ऑन टेबल है।रुपए के कमजोर होने पर मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) ने कहा कि देश के बहुत कम बाहरी ऋण अनुपात के कारण कमजोर मुद्रा भारत को ज्यादा प्रभावित नहीं करती है। सीईए ने कहा कि विकसित भारत की चुनौतियों से निपटने के लिए घरेलू विकास बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) यह भी कहा कि राजकोषीय घाटे के कम होने से निवेश-उन्मुख दृष्टिकोण का पता चलता है। भारत सरकार ने अपनी आर्थिक सर्वे रिपोर्ट में यह माना है कि सब्सिडी के बावजूद कृषि नीतियों में बदलाव की जरूरत है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि किसानों को आयकर में छूट के साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य भी दिया जाता है, लेकिन इन सब के बावजूद कृषि नीतियों में बदलाव करने की जरूरत है ताकि किसानों को फायदा पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि देश के कृषि क्षेत्र के मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा करने की जरूरत है। कृषि में सब्सिडी के बावजूद कृषि नीतियों में बदलाव की जरूरत है। उन्होंने आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 की प्रस्तावना में कहा कि सरकार पर्याप्त मात्रा में किसानों को सहायता देती है और ये सहायता पानी पर सब्सिडी, बिजली और फर्टिलाइजर पर सब्सिडी के रूप में किसानों को मिलती है। किसानों को आयकर में छूट के साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य भी दिया जाता है, लेकिन इन सब के बावजूद कृषि नीतियों में बदलाव करने की जरूरत है, ताकि किसानों को फायदा पहुंचाया जा सके। आर्थिक सर्वेक्षण में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर लागू मौजूदा नीतियां अक्सर विपरीत उद्देश्यों पर काम करती हैं और इनसे अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि मौजूदा नीतियों की वजह से उर्वरता में गिरावट, भूजल में कमी, पर्यावरण प्रदूषण और फसल उत्पादन और आहार में पोषण संबंधी असंतुलन जैसी समस्या बढ़ रही हैं।अगर कृषि क्षेत्र की नीतियों में जटिलताओं पर ध्यान दिया जाए तो इससे फायदा हो सकता है। देश के आर्थिक विकास में कृषि की भूमिका को अहम बनाने के लिए कुछ आदर्श बदलाव करने की जरूरत है। कृषि क्षेत्र भारत की आर्थिक तरक्की का वाहक बन सकता है। टिकाऊ खेती के तरीकों और कृषि नीतियों में बदलाव करके, खाद्य प्रसंस्करण और निर्यात में अवसर पैदा करके किसानों की आय में वृद्धि हो सकती है। केंद्र सरकार मंगलवार को बजट पेश करेगी और माना जा रहा है कि इस बजट में देश के किसानों के लिए कई बड़े ऐलान हो सकते हैं। साथ ही पीएम आवास योजना की राशि में भी बढ़ोतरी होने की उम्मीद जताई जा रही है।आर्थिक सर्वे के अनुसार देश में बढ़ते मानव संसाधन को काम मुहैया कराने के लिए गैर कृषि क्षेत्र में 2030 तक सालाना 78.5 लाख रोजगार सृजन करने की जरूरत है। सर्वे में कहा गया है कि कामकाज की उम्र का हर व्यक्ति नौकरी ही नहीं करेगा। उनमें से कुछ स्वरोजगार भी करेंगे और कुछ लोग नियोक्ता भी बनेंगे। सर्वे में कहा गया है कि देश का आर्थिक विकास नौकरियों से ज्यादा लोगों को आजीविका मुहैया कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सभी स्तर के सरकारों और निजी क्षेत्र को भी इस में योगदान देना होगा। आर्थिक सर्वे के अनुसार कृषि क्षेत्र का श्रम बल जो 2023 में 45.8 प्रतिशत है वह 2047 तक धीरे-धीरे घटकर 25 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। इसलिए 2030 तक हमें गैर कृषि क्षेत्र में सालाना करीब 78.5 लाख रोजगार मुहैया कराने होंगे। सर्वे के अनुसार 78.5 रोजगार सृजन का लक्ष्य पीएलआई (5 साल में 60 लाख रोजगार), मित्र टेक्सटाइल स्कीम (20 लाख रोजगार) और मुद्रा योजनाओं के क्रियान्वयन से हासिल किए जा सकते हैं।देश की आर्थिक स्थिति का लेखाजोखा बताने वाला आर्थिक सर्वे में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 में देश की अर्थव्यवस्था ने 8.2 प्रतिशत की रफ़्तार पकड़ी है और अब 2024-25 में 6.5 से 7 प्रतिशत की रफ्तार बनाए रखेगा। आर्थिक सर्वे में देश में पिछले वर्ष के मुकाबले महंगाई भी कम हुई है। सरकार द्वार दी गई जानकारी के अनुसार, देश में 2022-23 के दौरान महंगाई का स्तर 6.7 प्रतिशत रहा था, यह 2023-24 में 5.4 प्रतिशत रहा। हालांकि, कुछ खाने पीने की चीजों के दाम ऊपर रहे हैं लेकिन उनको भी नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार का अनुमान है कि 2024-25 में महंगाई का स्तर 4.5 प्रतिशत रहेगा। आर्थिक सर्वे में बताया गया है कि बीते वर्ष के दौरान देश के व्यापार घाटे में भी भारी कमी आई है। वित्त वर्ष 2022-23 में यह 121 बिलियन डॉलर (लगभग 10 लाख करोड़) था जो कि 2023-24 में आकर मात्र 78 बिलियन डॉलर (लगभग 6 लाख करोड़) रह गया।इसके अलावा भारत का चालू खाता घाटा भी कम हो गया है। यानी देश से अब बाहर को कम पैसा जा रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में देश का चालू खाता घाटा जीडीपी के 2 प्रतिशत से घट कर 0.7 प्रतिशत पर आ गया। इसमें विदेशों में रहने वाले भारतीयों का बड़ा योगदान है। आर्थिक सर्वे के अनुसार, विदेशों में रहने वाले भारतीयों ने 2023-24 के दौरान 120 बिलियन डॉलर से अधिक की रकम अपने देश भेजी। इस दौरान भारत विश्व का सबसे अधिक रेमिटेंस (प्रवासियों द्वारा भेजे जाना वाला धन) पाने वाला देश बन गया।आर्थिक सर्वे में आयात निर्यात और और आर्थिक तरक्की के साथ ही रोजगार के मुद्दे पर भी कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है। आर्थिक सर्वे में बताया गया है कि वर्तमान में स्नातक करने वाले 49 प्रतिशत युवा काम करने के लिए फिट नहीं हैं क्योंकि उनमें कौशल की कमी है। हालांकि, यह स्थिति लगातार सुधर रही है। आर्थिक सर्वे में बताया गया है कि देश में बीते कुछ वर्षों में बेरोजगारी में कमी आई है लेकिन आगामी समय में रोजगार पैदा करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आर्थिक सर्वे में देश की माली हालत के बारे में भी बात की गई है। इसमें बताया गया है कि 2023-24 में देश का बाहरी कर्जा उसकी जीडीपी के 18.7 प्रतिशत पर आ गया है जो कि पहले 19 प्रतिशत था। इसके अलावा अब सरकार का राजकोषीय घाटा 4.5 प्रतिशत के नीचे आने की उम्मीद है। यह 2022-23 में 6 प्रतिशत के ऊपर था लेकिन बेहतर प्रबंधन के कारण 2023-24 में 5.6 प्रतिशत पर आ गया।

भारत में अनुसंधान...

संसद में सोमवार को पेश किए गए दस्तावेज के मुताबिक, उच्च शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान के बीच संबंध को मजबूत किया जाना चाहिए। ताकि जीईआरडी (आर एंड डी पर सकल व्यय) को बेहतर ढंग से परिवर्तित किया जा सके। इसने यह भी बताया कि भारत में संस्थान प्रौद्योगिकियां विकसित करते हैं। लेकिन लोगों के लाभ के लिए प्रयोगशाला से समाज में उनके परिवर्तन की दर कम है।इसमें कहा गया है कि भारत वित्त और विकास में तेजी से प्रगति कर रहा है। वित्त वर्ष 2024 में करीब एक लाख पेटेंट दिए गए हैं। जबकि वित्त वर्ष 2020 में 24 हजार से कम पेटेंट दिए गए थे। सर्वेक्षण में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया कि भारत ने 2022 में पेटेंट फाइलिंग में उच्चतम वृद्धि (31.6 फीसदी) देखी।सर्वेक्षण में कहा गया है कि जीआईआई (2023) के मुताबिक, भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) में अपनी रैंक में लगातार सुधार किया है। जो 2015 में 81वें स्थान से 2023 में 40वें स्थान पर आ गया है। इसके अलावा, इसने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान में प्रगति करते हुए देश ऑस्ट्रेलिया और स्विट्जरलैंड को पीछे छोड़ते हुए प्राकृतिक सूचकांक में 9वें स्थान पर पहुंच गया। सर्वेक्षण में कहा गया है कि जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भारत का आर एंड डी निवेश 0.64 फीसदी है। जबकि चीन का 2.41 फीसदी, अमेरिका का 3.47 फीसदी और इस्राइल का 5.71 फीसदी है।

बिहार और आंध्र...

देश के किसी क्षेत्र को विशेष श्रेणी का दर्जा देने की बात पहली बार 1969 में राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) की बैठक में आई थी। इस बैठक में डीआर गाडगिल समिति ने भारत में राज्य योजनाओं के लिए केंद्रीय सहायता आवंटित करने का एक फार्मूला पेश किया। इससे पहले राज्यों को इस तरह से आगे बढ़ाने के लिए धन वितरण का कोई विशेष फॉर्मूला नहीं था। एनडीसी से अनुमोदित गाडगिल फार्मूला ने असम, जम्मू-कश्मीर और नगालैंड जैसे विशेष श्रेणी के राज्यों को प्राथमिकता दी थी। 5वें वित्त आयोग ने 1969 में स्पष्ट किया कि विशेष श्रेणी की अवधारणा क्या रहेगी? एनडीसी ने इस स्थिति के आधार पर इन राज्यों को केंद्रीय योजना से सहायता आवंटित की थी। वित्तीय वर्ष 2014-2015 तक विशेष श्रेणी स्थिति वाले 11 राज्यों को इसका लाभ मिला।वर्ष 2014 में जब केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सरकार बनी तो योजना आयोग का विघटन कर नीति आयोग का गठन किया गया। इसके प्रभाव से गाडगिल फार्मूला-आधारित अनुदान बंद हो गया और राज्यों को अलग-अलग श्रेणी में बांटने का प्रावधान भी खत्म हो गया। अब किसी भी नए राज्य को विशेष श्रेणी का दर्जा नहीं दिया जा रहा है, क्योंकि भारत का संविधान इस तरह के वर्गीकरण का प्रावधान नहीं करता है।

सांसदों को दिए गए ...

लंबित आश्वासनों को जल्द से जल्द पूरा करने के मामले में मंत्री और उच्च अधिकारियों के स्तर से याद दिलाता रहता है। इसके अलावा, इस प्रणाली के माध्यम से संबंधित मंत्रालयों/विभागों को हर महीने ऑटो जनरेटेड रिमाइंडर भी भेजे जा रहे हैं।

हिंसा की वजह से...

इसके तहत स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को 30 प्रतिशत, देश के पिछड़े जिलों के युवाओं को 10 प्रतिशत, महिलाओं को 10 प्रतिशत, अल्पसंख्यकों के लिए 5 प्रतिशत और दिव्यांगों के लिए एक प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था। इस तरह बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में 56 प्रतिशत आरक्षण था। साल 2018 में बांग्लादेश के युवाओं ने इस आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन किया। कई महीने तक चले प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश सरकार ने आरक्षण खत्म करने का ऐलान किया।

बीते महीने 5 जून को बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने देश में फिर से आरक्षण की पुरानी व्यवस्था लागू करने का आदेश दिया। शेख हसीना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील भी की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को बरकरार रखा। इससे छात्र नाराज हो गए और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बांग्लादेश के विश्वविद्यालयों से शुरू हुआ ये विरोध प्रदर्शन अब बढ़ते-बढ़ते हिंसा में तब्दील हो गया है।

सेना के नए...

इस बीच, जम्मू में सेना के प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया है, क्योंकि सेना ने बड़े आतंकवादी हमले को सफलतापूर्वक विफल कर दिया है। उन्होंने आगे बताया कि घटना के तुरंत बाद और अधिक सुरक्षा बल मौके पर भेजे गए तथा छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। आतंकी सैनिकों पर हमलों के लिए नई रणनीति अपना रहे हैं। इसमें आतंकी हर जिले में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाने के साथ-साथ सेना की तैनात हुई नई यूनिटों को निशाना बना रहे हैं। जम्मू संभाग में पिछले तीन सालों हो रहे आतंकी हमलों में आतंकियों ने इस तरह रणनीति अपनाई है। वह हर जिले में सेना की नई यूनिट पर हमला करते हैं, जवानों को क्षति पहुंचा कर घटना स्थल से बड़ी आसानी से फरार हो जाते हैं।लंबे समय से शांत रहे जम्मू संभाग में 2021 से आतंकवादियों ने अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। 2021 से 2023 तक पुंछ-राजौरी तक सीमित आतंकियों ने देखते-देखते जम्मू संभाग के अधिकांश जिलों में न सिर्फ अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई, बल्कि हमलों को भी अंजाम देने में कामयाब रहे। जानकारी के लिए अक्टूबर-नवंबर 2021 में आतंकियों ने पुंछ-राजौरी में 16वीं राष्ट्रीय राइफल की टुकड़ी पर दो हमले किए। इसके बाद 2022 में राजौरी में आतंकियों ने 11वीं राजपूत राइफल की टुकड़ी पर फिदायीन हमला किया।अप्रैल 2023 में सेना की 49वीं राष्ट्रीय राइफल, मई में नौ पैरा, अगस्त में 34वीं राष्ट्रीय राइफल, 19वीं राष्ट्रीय राइफल, नवंबर में 63वीं राष्ट्रीय राइफल, दिसंबर में 48वीं राष्ट्रीय राइफल की टुकड़ी पर हमला किया। मई 2024 को राजोरी में एयरफोर्स के काफिले पर घात लगाकर हमला किया। जुलाई में 22 गढ़वाल राइफल, डोडा में 4 राष्ट्रीय राइफल और डोडा के देसा में 10वीं राष्ट्रीय राइफल के जवानों पर हमला किया। ये हमले पुंछ-राजौरी, उधमपुर, कठुआ और डोडा जिले में हुए। आतंकी एक जिले में एक से दो हमले ही कर रहे हैं। जिन यूनिट पर आतंकी हमले हुए वे सभी इलाके में नइ नई तैनाती पर थीं।

आईएनएस ब्रह्मपुत्र में ...

जिस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना प्रमुख को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है और लापता नाविक की सुरक्षा के लिए रक्षा मंत्री ने प्रार्थना भी की है।बता दें कि आईएनएस ब्रह्मपुत्र स्वदेशी रूप से निर्मित ब्रह्मपुत्र श्रेणी का पहला निर्देशित मिसाइल युद्धपोत है। इसे अप्रैल 2000 में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। इस जहाज में 40 अधिकारियों और 330 नाविकों का दल है। आईएनएस ब्रह्मपुत्र का वजन तकरीबन 5,300 टन है, इसकी लंबाई 125 मीटर है, चौड़ाई 14.4 मीटर है और यह 27 नॉट से अधिक की गति से चलने में सक्षम है।आईएनएस ब्रह्मपुत्र मध्यम दूरी, नजदीकी दूरी और विमान भेदी तोपों, सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और टारपीडो लांचर से सुसज्जित है। जहाज में समुद्री युद्ध के सभी पहलुओं को कवर करने वाले सेंसर की एक विस्तृत श्रृंखला है और यह सीकिंग और चेतक हेलीकॉप्टरों को संचालित करने में सक्षम है। इससे पहले 19 जुलाई को गोवा के तट के पास एक कार्गो शिप में आग लगी थी, जिस पर 21 जुलाई को काबू पाया गया। एमवी मेर्स्क फ्रैंकफर्ट नाम का यह शिप 1,154 कंटेनर्स लेकर गुजरात के मुंद्रा से श्रीलंका के कोलंबो जा रहा था। इसमें बेंजीन और सोडियम सायनेट जैसे कैमिकल थे। इंडियन कोस्ट गार्ड अधिकारी ने बताया कि जहाज पर 22 क्रू मेंबर्स थे, जिनमें से एक की मौत हो गई है। इनमें फिलीपींस के 17, यूक्रेन के 2, रूस और मोटेन्ग्रो के एक-एक लोग शामिल थे। मरने वाले क्रू मेंबर के बारे में सटीक जानकारी नहीं मिली है।

सावन में करें भगवान शिव का रुद्राभिषेक और पाएं ग्रह बाधाओं से मुक्ति

- सावन में भगवान शिव के रुद्राभिषेक का विशेष महत्व
- जन्म राशि के अनुसार रुद्राभिषेक से सुख समृद्धि एवं ग्रह बाधाओं से मुक्ति

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

देवों के देव महादेव को प्रसन्न करने का एकमात्र उपाय है महारुद्राभिषेक। सावन के पवित्र माह में एक बार महारुद्राभिषेक जरूर कराना चाहिए। सावन का महीना सभी के लिए किसी वरदान से कम नहीं होता है और सावन में भगवान शिव से मांगी गई समस्त मनोकामनाएं शीघ्रता से पूर्ण होती है। इस महीने में भगवान शिव के रुद्राभिषेक का विशेष फल मिलता है। सावन के महीने में भगवान शिव के रुद्राभिषेक का विशेष महत्व होता है।

सावन के महीने में भक्त सोमवार के दिन शिवालयों में रुद्राभिषेक करते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि राशि के अनुसार अलग-अलग औषधि से रुद्राभिषेक कराने का विशेष महात्म होता है। साधक में शिवत्व रूप सत्यं शिवम सुन्दरम् का उदय हो जाता है उसके बाद शिव के शुभाशीर्वाद से समृद्धि, धन-धान्य, विद्या और संतान की प्राप्ति के साथ-साथ सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है।

रुद्राभिषेक

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि रुद्राभिषेक करने से सभी देवों के अभिषेक करने का फल मिलता है। रुद्राभिषेक में सृष्टि की समस्त मनोकामनायें पूर्ण करने की शक्ति है अतः अपनी आवश्यकता अनुसार अलग-अलग पदार्थों से अभिषेक करके प्राणी इच्छित फल प्राप्त कर सकता है।

निम्न वस्तुओं से करें शिव का महारुद्राभिषेक :-

दूध : घर का वातावरण सुखद और पवित्र रहने के लिए

दही : पारिवारिक कलह और अचानक नुकसान से बचने के लिए

शहद : विद्या प्राप्ति के लिए

शक्कर : खुशहाली के संचार के लिए

नारियल पानी : शत्रु प्रभाव व प्रेत बाधा दूर करने के लिए

भस्म : शत्रुओं के विनाश लिए

वर्षा जल : नकारात्मक शक्तियों के नाश के लिए

गन्ने का रस : लक्ष्मी प्राप्ति के लिए

गंगा जल : ग्रहों द्वारा उत्पन्न दोष दूर करने के लिए

भांग :सुखद स्वास्थ की प्राप्ति के लिए

घी :कारोबार में अड़चनें दूर करने के लिए

महारुद्राभिषेक के शुभ फल :-

घर - संपत्ति की प्राप्ति होती है।

शत्रुओं का साया समाप्त होता है।

समाज में मान - सम्मान की प्राप्ति होती है।

दुखों का अंत होता है।

लक्ष्मी का वास घर में सदैव बना रहता है।

जन्म राशि के अनुसार रुद्राभिषेक

जन्म राशि के अनुसार रुद्राभिषेक से सुख समृद्धि एवं ग्रह बाधाओं की मुक्ति पा सकते हैं। शिव के रूद्र रूप के पूजन और अभिषेक करने से जाने-अनजाने होने वाले पापाचरण एवं जीवन में कष्ट, अभाव, व्यवधान, स्वास्थ्य, कॅरियर, धन आदि की बाधाओं से मुक्ति पाना चाहते हैं तो राशी के अनुसार रुद्राभिषेक करके जीवन में सभी समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

ज्योतिषाचार्य बता रहे हैं किस राशि के अनुसार रुद्राभिषेक कैसे करना चाहिए।

मेष राशि- मेष राशि वाले जातकों के लिए गाय के कच्चा दूध में से शहद मिलाकर रुद्राभिषेक करने से समस्त बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है साथ में लाल चंदन एवं लाल पुष्प चढ़ाने से सौभाग्य में एवं धन.धान्य में वृद्धि होगी।

वृषभ राशि- वृषभ राशि वाले जातकों के लिए दही से अथवा मधु से रुद्राभिषेक कराने से राशि के स्वामी शुक्र की कृपा साथ साथ में सुख संपत्ति की प्राप्ति होगी। आपकी राशि के अनुसार सफेद पुष्प एवं बेलपत्र चढ़ाना शिव सहस्त्रनाम का पाठ करना लाभप्रद होगा।

मिथुन राशि-मिथुन राशि का स्वामी बुध है और मिथुन राशि वाले जातकों के लिए गन्ने के रस से रुद्राभिषेक कराना साथ में धतूरा भाग बेलपत्र चढ़ाना मिथुन राशि वाले जातकों के लिए लाभप्रद होगा।

कर्क राशि- कर्क राशि वाले जातकों के लिए दूध में शक्कर मिलाकर भगवान शिव का रुद्राभिषेक करना चाहिए साथ में श्वेत अर्क, मदार, सफेद पुष्प सफेद वस्त्र एवं रुद्राष्टक का पाठ करना आपके लिए लाभदायक होगा।

सिहं राशि- सिंह राशि वाले जातकों के लिए मधु अथवा गुड़ युक्त तीर्थ जल से रुद्राभिषेक कराना लाभदायक होगा। साथ में लाल पुष्प लाल चंदन भगवान को अर्पित कर सकते हैं।

कन्या राशि - कन्या राशि वाले जातकों के लिए गन्ने का रस से रुद्राभिषेक कराना लाभदायक होगा एवं साथ में दूर्वा भाग धतूरा बेलपत्र जीवन में धनदायक सिद्ध हो सकता है।

तुला राशि-तुला राशि वाले जातकों को लिए मधु से रुद्राभिषेक कराना साथ में श्वेत पुष्प मदार का पुष्प श्वेत वस्त्र से पूजन करने से जीवन में सुख समृद्धि एवं ग्रहों की कृपा प्राप्त हो सकती है।

वृश्चिक राशि-वृश्चिक राशि वाले जातकों को शहद युक्त तीर्थ जल से रुद्राभिषेक करना एवं लाल पुष्प चढ़ाना आपके लिए लाभदायक होगा।

धनु राशि- धनु राशि वाले जातकों के लिए गाय के दूध में केसर मिलाकर के एवं पीले पुष्प से पीले वस्त्र से पूजन करने पर भगवान शिव जी की कृपा के साथ साथ में ग्रहों की कृपा प्राप्त होगी।

मकर राशि- मकर राशि वाले जातकों के लिए गंगाजल से रुद्राभिषेक कराना साथ साथ में शमी पत्र बिल्वपत्र भाग धतूरा चढ़ाना आपके लिए लाभदायक होगा।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वाले जातकों के लिए दुर्वा अथवा शमी के रस से रुद्राभिषेक कराने से राशि के स्वामी भगवान शनि की कृपा एवं ग्रह बाधाओ से मुक्ति प्राप्त हो सकती है।

मीन राशि - मीन राशि वाले जातकों के लिए केसर मिश्रित तीर्थ जल से रुद्राभिषेक एवं पीले चंदन , हल्दी, पीले वस्त्र से भगवान शिव का पूजन करने से कुंडली संबंध संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

क्या है शिव त्रिपुंड कैसे धारण करना चाहिए

सावन का महीना बड़ा ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। साथ ही इस महीने में भोले बाबा के भक्तों में उमंग और उत्साह देखा जाता है। सभी देवता गण ब्रह्मा, विष्णु के अलावा भगवान शिव को अपना आराध्य मानते है। सावन में भगवान शिव की पूरी श्रद्धा से पूजा पाठ करनी चाहिए। सावन में भोले बाबा को सुख- शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। भस्म दो प्रकार की होती है।

त्रिपुंड तिलक क्या है?

त्रिपुंड में ललाट आदि सभी स्थानों में जो भस्म की तीन तिरछी रेखाएं बनाई जाती है। ऐसी मान्यता है कि त्रिपुंड को भौहों के मध्य भाग से लेकर जहां तक भौहों का अंत होता है, वहां तक त्रिपुंड ललाट पर धारण करना चाहिए।

कहां धारण करना चाहिए त्रिपुंड

त्रिपुंड मस्तक, ललाट, दोनों कान, दोनों आंखें,दोनों नासिका, मुख, कंठ, दोनों हाथ, दोनों कोहनी, दोनों कलाई, हृदय, दोनों पाश्र्वभाग, नाभि, दोनों अंडकोष, दोनों उरु, दोनों गुल्फ, दोनों घुटने, दोनों पिंडली और दोनों पैर ये 32 उत्तम स्थान हैं। जहां पर त्रिपुंड लगाना चाहिए। अगर आप इन जगहों पर तिलक नहीं लगा सकते हैं। तो आप मस्तक, दोनों भुजाओं, हृदय और नाभि इन सब जगहों पर तिलक लगा सकते हैं। वहीं त्रिपुंड शरीर के 32,16,8 या 5 स्थानों पर त्रिपुंड लगाना चाहिए।

त्रिपुंड की हर रेखा में 9 देवता वास करते हैं

त्रिपुंड की पहली रेखा में अक्षर अकार, गार्हपत्य अग्नि, पृथ्वी, धर्म, रजोगुण, ऋग्वेद, क्रियाशक्ति, प्रात:सवन और महादेव ये 9 देवता होते हैं।

वहीं दूसरी रेखा में उकार, दक्षिणाग्नि, आकाश, सत्वगुण, यजुर्वेद, मध्यंदिनसवन, इच्छाशक्ति, अंतरात्मा और महेश्वर ये 9 देवता होते हैं। तीसरी रेखा में मकार, आहवनीय अग्नि, परमात्मा, तमोगुण, द्युलोक, ज्ञानशक्ति, सामवेद, तृतीय सवन और शिव होते हैं।

कैसे लगता है त्रिपुंड

आप बीच की तीन अंगुलियों में भस्म लेकर पूरी भक्ति से भोले बाबा की भसम अपने ललाट पर त्रिपुंड धारण करें।

आज है पहला मंगला गौरी व्रत

जानें पूजा का शुभ मुहूर्त और सही विधि

इस साल सावन का पहला मंगला गौरी व्रत 23 जुलाई 2024, मंगलवार को शुभ योग में मनाया जाएगा। सावन के महीने के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि को सौभाग्य योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत योग के साथ मिलकर आ रहा है। इन योगों का संयोग अत्यंत शुभ माना जाता है और इस दिन किए गए व्रत और पूजा का फल और भी अधिक प्राप्त होता है। सावन मंगला गौरी व्रत एक महत्वपूर्ण धार्मिक व्रत है, जो परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना के लिए किया जाता है। यह व्रत श्रद्धा और भक्ति से किया जाना चाहिए, और इससे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं।

व्रत का शुभ मुहूर्त 23 जुलाई 2024, मंगलवार को सुबह 3:13 बजे से 5:46 बजे तक

मंगला गौरी व्रत की पूजा विधि

प्रातः स्नान करने के बाद मां पार्वती और भगवान शिव की मूर्ति या चित्र स्थापित करें। माँ पार्वती को लाल चुनरी, मेहंदी, फूल, फल, मिठाई आदि अर्पित करें। 16 श्रृंगार अर्पित करें और मंगला गौरी व्रत कथा पढ़ें। इसके बाद आप मां पार्वती और भगवान शिव की आरती करने के बाद निर्जला व्रत का संकल्प भी ले सकते हैं या सात्विक भोजन के साथ ये व्रत रख सकते हैं। शाम को चंद्रमा को अर्घ्य दें और फिर अगले दिन सूर्योदय के बाद व्रत का पारण करें।

सुहागिन महिलाएं यह व्रत अपने पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए रखती हैं। अविवाहित महिलाएं इस व्रत को मनोवांछित वर प्राप्ति के लिए रखती हैं। मान्यता है कि पारिवारिक सुख-शांति और समृद्धि के लिए भी मंगला गौरी का व्रत रखा जाता है। ये भी माना जाता है कि मंगला गौरी व्रत रखने से मां पार्वती की कृपा प्राप्त होती है और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। अगर आप भी सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन में खुशियां चाहते हैं, तो इस साल मंगला गौरी का व्रत रख सकते हैं।

17 बार हुआ आक्रमण, हर बार भव्यता के साथ फिर खड़ा हुआ सोमनाथ मंदिर, चंद्र ने किया था प्रथम पूजन, ऋग्वेद में मिलता है उल्लेख

सावन का महीना शुरु हो गया है। शिवालयों पर भक्तों का तांता लगेगा और विशेष अनुष्ठान होंगे। वैसे तो भारत में कई शिव मंदिर हैं, लेकिन ज्योतिर्लिंग का विशेष महत्व है। भारत में कुल 12 ज्योतिर्लिंग है। प्रत्येक ज्योतिर्लिंग से पौराणिक कथा जुड़ी है और इसका ऐतिहासिक महत्व है। यहां आपको प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ के धार्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

कहां स्थित है सोमनाथ मंदिर

सोमनाथ मंदिर गुजरात काठियावाड़ क्षेत्र में स्थित है। यह अपने सौंदर्य और आस्था के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। इस मंदिर पर कई बार विदेशी आक्रांताओं ने आक्रमण भी किए। लेकिन अधर्म के सामने धर्म हर बार अडिग रहा और दोबारा पुराने वैभव में लौट आया और आज भी यह मंदिर भक्तों की आस्था केंद्र है।

कहां मिलता है उल्लेख

सोमनार को प्रथम ज्योतिर्लिंग माना गया है। इसका उल्लेख श्रीमद्भगवद्गीता, स्कंद पुराण और महाभारत में मिलता है। ऋग्वेद में भी सोमेश्वर महादेव की महिमा बताई गई है। मान्यता है कि चंद्रदेव ने यहां भोलेनाथ का पूजन किया था और उन्हें अपना स्वामी माना था। इसके बाद से ही यह मंदिर सोमनाथ के नाम से जाना जाता है। सोमनाथ यानी 'चंद्र के स्वामी'।

कई बार हुआ मंदिर पर आक्रमण

इतिहासकारों के अनुसार मंदिर की संपन्नता और भव्यता को देखकर कई बार विदेशी आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया।

मोहम्मद गजनी ने सन् 1025 में आक्रमण किया था और बहूमूल्य संपत्तियां लूटकर ले गया था। उसने मंदिर को लगभग नष्ट कर दिया।

इसके बाद गुजरात के राजा भीम और मालवा के राजा भोज ने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था। लेकिन इसके बाद भी आक्रमण जारी रहे।

सन् 1297 में मंदिर पर अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति नुसरत खां ने आक्रमण किया। उसने जमकर लूट मचाई और संपत्ति साथ ले गया।

इसके बाद सोमनाथ मंदिर पर सन् 1395 और 1412 में भी आक्रमण हुआ। औरंगजेब के शासन में 1706 में मंदिर पर हमला हुआ था।

स्वतंत्रता के बाद हुआ जीर्णोद्धार

सोमनाथ के वर्तमान मंदिर का भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और पूर्व गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 1950 में निर्माण करवाया था। 1955 में तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने इसे भक्तों को समर्पित किया था।

कितना भव्य है मंदिर

सोमनाथ मंदिर 150 फीट ऊंचा है। इसमें गर्भगृह, सभामंडप और नृत्यमंडप बनाए गए हैं। इस मंदिर के शिखर पर कलश स्थापित किया गया है, जिसका वजन 10 टन है।

सावन में विशेष तरीके से करें लड्डू गोपाल का श्रृंगार

सावन का महीना शुरु हो गया है। ऐसे में हर कोई भोले बाबा की भक्ति में मग्न हो रहा है। सावन में महिलाएं 16 श्रृंगार करती है। इसके साथ ही घर का साफ- सफाई करती है। सावन में महिलाएं मंदिर को सजाती है। साथ ही पूरी श्रद्धा से भोले बाबा की पूजा अर्चना करती है। वहीं भोले बाबा को भोलेनाथ, अर्धनारीश्वर, नीलकंठ जैसे कई नामों से जाना जाता है।

हिंदू धर्म में ऐसी मान्यता है कि जो भोलेनाथ की सच्चे मन से अराधना करता है। उसकी सारी दिक्कतें दूर हो जाती है। वहीं ऐसी मान्यता है कि भगवान शिव और कृष्ण एक दूसरे के आराध्य हैं। इसके साथ ही दोनों एक दूसरे का दिल में वास करते हैं। महादेव हमेशा श्री कृष्ण के ध्यान में मग्न रहते है। इसलिए आप सावन में भोलेनाथ के साथ श्री कृष्ण की भी पूजा पाठ करें। साथ ही काफी खास तरीके से श्री कृष्ण का श्रृंगार करिए और कृष्ण जी को प्रसन्न करें।

खास तरीके से कराएं स्नान

सावन के महीने में जिस तरह भोले बाबा का श्रृंगार खास होता है। उसी तरह ठाकुर जी का भी श्रृंगार काफी खास होता है। आप सबसे पहले ठाकुर जी को पंचामृत से स्नान करवाएं। फिर ठाकुर जी के शरीर पर चंदन का लेप लगाएं। जब चंदन सूख जाए तब आप साफ पानी और गंगाजल से ठाकुर जी का अभिषेक करवाएं। अब आप ठाकुर जी को खास पोशाक पहनाएं।

खास पोशाक का चयन करें

इन दिनों ठाकुर जी के लिए नई नई सुंदर सुंदर पोशाक आ रही है। लेकिन सावन में आप ठाकुर जी के लिए हरे ये पीले रंग की पोशाक ही लें। आप चाहे तो फूलों और मोरपंख की पोशाक भी ले सकती हैं। आप ठाकुर जी के लिए खुद से भी पोशाक बना सकती हैं।

विशेष गहनें धारण करवाएं

आप ठाकुर जी के लिए फूलों की ज्वैलरी भी ले सकती हैं। सावन में बाजार में काफी फूलों से बनी ज्वैलरी चल रही है। आप फूलों की माला भी लड्डू गोपाल के लिए तैयार कर सकती हैं। गहनों में आप गले का हार, कंगन और कुंडल शामिल कर सकती हैं। ठाकुर जी के लिए आप मोरपंख वाला मुकुट जरुर धारण करवाएं।

श्रृगांर को रखें खास

आप ठाकुर जी के श्रृंगार के लिए उनकी आंखो में पतली सी काजल लगाएं। फिर माथे पर वैष्णव तिलक लगाएं। अब ठाकुर जी को चंदन लगाएं। ठाकुर जी के पास मोरपंख और बासुरी रखें। साथ ही ठाकुर जी को इत्र लगाना ना भूलें।

विक्रम भट्ट और महेश भट्ट की हॉन्टेड फिल्म ब्लडी इश्क की रिलीज डेट आई सामने

हॉरर जॉनर के बादशाह कहे जाने वाले विक्रम भट्ट एक बार फिर से नई फिल्म के साथ वापसी के लिए तैयार हैं।बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और महेश भट्ट एक बार फिर से दर्शकों को डराने के लिए तैयार हैं. उनकी नई हॉरर फिल्म ब्लडी इश्क की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है. यह फिल्म 26 जुलाई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रीमियर होगी. फिल्म ब्लडी इश्क महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत और विक्रम भट्ट द्वारा निर्देशित है. इस फिल्म में अविका गौर और वर्धान पुरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे. हाल ही में इस फिल्म का पोस्टर और रिलीज डेट साझा किया गया, जिसने फैंस के बीच काफी उत्सुकता पैदा कर दी है.अपनी फिल्म के बारे

26 जुलाई को होगा प्रीमियर

में बात करते हुए विक्रम भट्ट ने कहा, आप लोगों के लिए ये विश्वास करना मुश्किल होगा लेकिन मुझे हॉरर फिल्में देखने से डर लगता है। हालांकि मैं अपने व्यूअर्स के लिए ऐसी फिल्में बनाना बहुत पसंद करता हूं। मैं काफी समय से हॉरर लव स्टोरी बनाने की कोशिश कर रहा था फिर मैंने भट्ट साहब से इस बारे में बात की। उन्होंने बिना कुछ सोचे समझे इसके लिए हामी भर दी और अब हम ब्लडी इश्क लेकर आ रहे हैं।वहीं अविका गौर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, अविका इंडस्ट्री की सबसे टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं। 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट के बाद मुझे पता था कि मैं उन्हें ब्लडी इश्क में कास्ट करने वाला हूं। उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस को वाकई निखारा है। मुझे विश्वास है कि इस फिल्म को लोगों के लिए भुला पाना मुश्किल होगा।

जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ स्टारर वेदा का नया पोस्टर आया सामने

15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

मुंज्या और महाराज में नजर आने के बाद अब एक्ट्रेस शरवरी वाघ जल्द जॉन अब्राहम के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म वेदा में दिखाई देने वाली है। ये मूवी अगले महीने अगस्त में रिलीज होने के लिए तैयार है। फैंस भी पठान के बाद एक बार फिर अभिनेता को एक्शन अवतार में देखने के लिए उत्साहित हैं।ऐसे में अब एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है और साथ ही जॉन के किरदार के लिए एक खास नोट भी लिखा है।

निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी फिल्म वेदा का नया पोस्टर शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें जॉन-शरवरी एक साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा है कि अभिमन्यु सर, म्हारी दुनिया में आप एक अकेले ऐसे इंसान हो, जिसने कभी-कोई फर्क नहीं किया। गुरु हो आप मेरे, जिसने म्हारा साथ दिया, लडऩा सिखाया, दुनिया की रीति-नीति, सही-गलत सिखा के एक फाइटर बनाया।अन्याय सहना नहीं, बाल्की अन्याय के खिलाफ जंग करने का रास्ता आपने दिखाया। आप प्रेरणा हो म्हारी और मेरे जैसी कई वेदा की। आज गुरु पूर्णिमा के दिन, वादा है ये फाइटर वेदा का आपसे कि ये जंग जो अन्याय के खिलाफ छेड़ी है मैंने आखिर तक लड़ूंगी भी और जीतूंगी भी। आपकी शिष्य, वेदा।जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ के अलावा इस मूवी में तमन्ना भाटिया और अभिषेक बनर्जी भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देने वाले हैं।

ये फिल्म जी स्टूडियोज, एम्मे एंटरटेनमेंट और जेए एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। वेदा एक एक्शन ड्रामा मूवी है, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। पहले यह मूवी जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट बदल दी।अब यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 स्वतंत्रता दिवस वाले दिन सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस फिल्म के साथ अक्षय कुमार की खेल खेल में और श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 भी टक्कर लेने वाली है।

शर्लिन चोपड़ा का बोल्ड अवतार हुआ वायरल

बॉलीवुड की बोल्ड और बेबाक अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा हमेशा ही अपने बोल्ड लुक्स के लिए चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह बेहद हॉट लग रही हैं। इस तस्वीर में शर्लिन ने ग्रे रंग का रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है और ऑफ व्हाइट स्नीकर्स कैरी किए हुए हैं। उन्होंने अपने बालों को एक खास अंदाज में बांधा हुआ है और लाइट मेकअप के साथ मिरर के सामने पोज दे रही हैं।

शर्लिन का यह बोल्ड अवतार उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। फैंस उनके इस लुक पर खूब प्यार बरसा रहे हैं और उन्हें लगातार कमेंट्स और लाइक्स कर रहे हैं। शर्लिन की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।शर्लिन चोपड़ा का जन्म 11 फरवरी 1984 को हुआ था। शर्लिन चोपड़ा का असली नाम मोना चोपड़ा है। शर्लिन ने अपने करियर की शुरुआत साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म टाइमपास से की थी। शर्लिन भारत की पहली ऐसी महिला हैं, जिन्होंने प्लेबॉय मैग्जीन के लिए न्यूड फोटोशूट कराया था। इस फोटोशूट के बाद शर्लिन काफी सुर्खियों में रही थीं। शर्लिन हिंदी फिल्मों के अलावा कई तेलुगु फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। शर्लिन टीवी जगत में भी अपना जलवा दिखा चुकी हैं। शर्लिन चोपड़ा ने एम टीवी के शो स्पिल्ट्सविला को होस्ट किया था। इसके अलावा शर्लिन रियलिटी शो बिग बॉस के सीजन 3 में दिखाई दी थीं।

महारागनी-क्वीन ऑफ क्वींस के सेट पर काजोल ने की मेरी मदद : संयुक्ता मेनन

एक्ट्रेस संयुक्ता फिल्म महारागनी-क्वीन ऑफ क्वींस से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में काजोल दुर्गा अवतार में दुश्मनों से लड़ती नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि काजोल ने सेट पर उनके लिए चीजें थोड़ी आसान बनाने में उनकी मदद की।काजोल के साथ काम करने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में संयुक्ता ने कहा, काजोल मैम के साथ काम करने का मौका मिलना सम्मान की बात है। उनके साथ काम करना बेहद मजेदार रहा। वह वाकई बहुत प्यारी हैं। मैं उनकी फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं।यह बहुत अद्भुत है कि मुझे उनके साथ काम करने और उन्हें देखने का अवसर मिला। जब हम साथ में सीन करते थे, तो काजोल मैम मेरी मदद करती थीं, ताकि चीजें मेरे लिए आसान हो जाएं।एक्ट्रेस ने कहा, जब आप काजोल मैम से व्यक्तिगत रूप से मिलते हैं, तो आपको पता चलता है कि वे और भी अच्छी हैं।संयुक्ता ने 2016 में मलयालम फिल्म पॉपकॉर्न से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद से वह कल्कि, एडक्कड़ बटालियन 06, भीमला नायक, बिम्बिसार, गालीपाटा 2 और वाथी सहित कई फिल्मों में दिखाई दीं। उन्हें पिछली बार तेलुगू फिल्म विरुपाक्ष में देखा गया था।बता दें कि महारागनी-क्वीन ऑफ क्वींस एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें काजोल और प्रभुदेवा 27 साल बाद एक साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले इस जोड़ी को मिनसारा कनवु (1997) में देखा गया था।फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जिशु सेनगुप्ता, छाया कदम और प्रमोद पाठक भी नजर आएंगे।हाल ही में, फिल्म का टीजर लॉन्च किया गया, इसमें काजोल का दमदार रूप देखने को मिला। इस टीजर की शुरुआत प्रभु देवा से होती है, जो रनवे पर दौड़ रहे एक शख्स का पीछा करते हैं। वहीं संयुक्ता मेनन को कार स्टंट करते हुए दिखाया जाता है।

इस बीच नसीरुद्दीन शाह की झलक भी मिलती है, जो अस्पताल के बेड पर लेटे हुए हैं और फिर होती है काजोल की धांसू एंट्री, जो मां दुर्गा पूजा के जश्न के बीच सामने आती हैं।दुर्गा पूजा में काजोल गुंडों की पिटाई करती हुई दिखाई देती हैं। इस दौरान काजोल डायलॉग बोलती हैं, पावर मांग के नहीं, छीनने से मिलती है। इसके बाद वह कहती हैं, मां सरस्वती का ज्ञान, मां लक्ष्मी की समृद्धि, मां दुर्गा का दम, इतना सब कुछ होने के बाद भी डरना पड़े, फुल टू देसी।इस टीजर को शेयर करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा, आप लोगों के साथ इसे शेयर करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

महारागनी यानी रानियों की रानी, थोड़े पल के लिए रुकें और आनंद लें! उम्मीद है कि आप लोगों को यह पसंद आएगी। फिल्म चरणतेज उप्पलपति द्वारा निर्देशित है।पत्नी काजोल के अपकमिंग फिल्म के टीजर पर अजय देवगन ने कमेंट किया था और लिखा था, आली रे आली, महारागनी आली।फिल्म का निर्माण बावेजा स्टूडियोज और ई7 एंटरटेनमेंट्स लेबल के तहत किया गया है। वेंकट अनीश डोरिगिल्लू और हरमन बावेजा द्वारा निर्मित, एक्शन फिल्म में फोटोग्राफी डायरेक्टर जीके विष्णु हैं।स्क्रीनप्ले निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना का है। प्रोडक्शन डिजाइनर साही सुरेश, एडिटर नवीन नूली और म्यूजिक डायरेक्टर हर्षवर्धन रामेश्वर हैं। फिल्म की कहानी निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना ने मिलकर लिखी है।महारागनी पूरे भारत में हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

मालवी मल्होत्रा का स्पेशल सॉन्ग शाहबानो रिलीज

आडू एंटरटेनमेंट के बैनर तले अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा का स्पेशल गाना शाहबानो डिवो म्यूजिक के जरिए रिलीज किया गया है। गौतम चव्हाण द्वारा निर्मित और भास्कर बंटुपल्ली द्वारा निर्देशित इस गाने की कोरियोग्राफी यश मास्टर ने की है।

रिलीज के बाद इस गाने को युवाओं से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें युवा सितारे गाने की रील बना रहे हैं। शानदार लोकेशन पर फिल्माया गया यह गाना अपने मधुर और आकर्षक बोलों से लोगों का मन मोह लेता है।प्रतिभाशाली गायक साकेत कोमांडुरी ने अपने अनोखे अंदाज में इस गाने को संगीत दिया है।

गाने की सिनेमैटोग्राफी ए.डी. मार्गल ने की है, जबकि श्रीकांत पटनायक ने संपादन किया है। आर. आर. मुरलीमोहन कार्यकारी निर्माता हैं और आर. चंद्रमोहन लाइन प्रोड्यूसर हैं। शाहबानो गाने को तेलुगु, हिंदी, तमिल और कन्नड़ में एक साथ रिलीज़ किया गया था, जिसमें सोनी कोमांडुरी ने सभी संस्करणों के लिए स्वर प्रदान किए थे। उल्लेखनीय है कि सोनी कोमांडुरी ने बाहुबली फिल्म में प्रसिद्ध हंसा नावा गाना भी गाया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका कोई पड़ोसी आज आपसे धन उधार मांगने आ सकता है, आपको सलाह दी जाती है कि उधार देने से पहले उनकी विश्वसनीयता अवश्य जांच लें नहीं तो धन हानि हो सकती है। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जीवन-साथी का सहयोग मिलेगा। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे- और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। दोपहर के बाद किसी पुराने दोस्त से मुलाक़ात दिन को ख़ूबसूरत बना देगी। आप अपने सुनहरे दिनों को याद करके पुरानी यादों में डूब जाएंगे। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। आपके कठिन परिश्रम को पुरस्कार मिलेगा, क्योंकि आपकी पदोन्नति हो सकती है। आर्थिक लाभ के बारे में न सोचें, क्योंकि आगे चलकर आपको इससे बहुत फ़ायदा होगा। पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज आप काफ़ी पैसे बना सकते हैं- लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। प्यार एक ऐसा जज़्बा है जिसे न सिर्फ़ महसूस किया जाना चाहिए, बल्कि अपने प्रिय के साथ बांटना भी चाहिए। काम पर लोगों के साथ मेलजोल में समझ और धैर्य से सावधानी बरतें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। संबंधी आपके उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा उठाने की कोशिश करेंगे। चौकन्ने रहें, नहीं तो बाद में आप ठगा हुआ महसूस करेंगे। उदारता एक हद तक ही ठीक है, लेकिन अगर यह अपना दायरा पार कर ले तो परेशानी बन जाती है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। रुमानी यादें आज आपके ऊपर छायी रहेंगी। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। कारोबारी आज करोबार से ज्यादा अपने परिवार के लोगों के बीच समय बिताना पसंद करेंगे। इससे आपके परिवार में सामंजस्य बनेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच-समझकर चलने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जल्दबाज़ी में फ़ैसले न लें- ख़ासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक़्त। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आपके प्रिय/जीवनसाथी का फ़ोन आपका दिन बना देगा। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी और रात उसके सपनों में ढलेगी। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर-लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। आपको अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा मौक़ा मिलेगा। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घूमने का प्लान कर सकते हैं।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 23 जुलाई 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 10:25 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 08:19 तक
योग : आयुष्मान दोपहर 02:35 तक
करण : गर प्रातः 10:25 तक
चन्द्रराशि : मकर प्रातः 09:21 तक
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक प्रातः 09:22 से , भद्रा रात्रि 08:57 से,
तिलक-आजाद जयंती , श्रावणे मंगलागौरी पूजन

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ईआरसीपी का शिलान्यास पीएम मोदी करेंगे : शर्मा

अजमेर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

श्री शर्मा सोमवार को केकड़ी के कृषि मंडी प्रांगड़ में वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में केकड़ी जिले के लिए हुई घोषणाओं को लेकर धन्यवाद सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह परियोजना समय पर पूरी होगी और इसका उद्घाटन भी श्री मोदी ही करेंगे। इसका लाभ केकड़ी जिले को भी मिलने वाला है। साथ ही राज्य की दो लाख 80 हजार हैक्टेयर भूमि भी लाभान्वित होगी।

श्री शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संगठन जनता के लिये समर्पित संगठन है और सरकार बनने से पूर्व जो वादे किये उन्हें हम जनता के बीच जाकर ही पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा आपने भाजपा की सरकार बनवाई है, हमारा दायित्व है कि अब हम उन वादों को पूरा करें । हमारी सरकार को छह महीने हुए हैं, इस अवधि में जनहित के कई काम धरातल पर कर लिए गये हैं।

उन्होंने केकड़ी के लिए की गई घोषणा को सिलसिलेवार दोहराया और कहा कि नसीराबाद- सरवाड़ - केकड़ी - देवली फोरलेन का 650 करोड़ से निर्माण होना केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम के नंगे पैर रहकर संकल्प को पूरा करने वाला है । उन्होंने कहा कि केकड़ी के लिए बजट केकड़ी और राजस्थान के विकास की रूपरेखा है। अभी और भी काम हैं, जिन्हें हम पूरा करेंगे। उन्होंने पेपरलीक मामलें में कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि हमारी सरकार बनते ही एसआईटी का गठन हुआ और 110 से ज्यादा गिरफ्तारी हुई जो भाजपा सरकार में ही सम्भव है। 63 लाख किसानों को टोंक की धरती से सम्मान निधि, 1150 बुजुर्ग सम्मान निधि जैसे काम किये गये हैं।

उन्होंने कहा कि हम सबके प्रयास से हमारा राजस्थान मजबूत और विकसित बनेगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क की गुणवत्तापूर्ण सुविधा जनता को मिले, यह हमारी सरकार का प्रयास रहेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा, वह करके दिखाया। राजस्थान में भी ऐसा ही होगा, हमारी सरकार जनता के बीच जाकर वायदे पूरे करेगी । उन्होंने कांग्रेस को भ्रष्टाचार की जननी करार दिया। श्री शर्मा ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि इससे पर्यावरण अच्छा रहेगा । हरियाली और खुशहाली दोनों मिलेगी। इससे पहले केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम के जन्मदिन मौके पर आयोजित रक्तदान शिविर का भी मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। आज यहां 3000 यूनिट रक्तदान किया गया। धन्यवाद सम्मेलन को पीएचडी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने भी सम्बोधित किया।

बड़ौली ने दिल्ली में मोदी से की मुलाकात

चंडीगढ़/ नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात कर उन्हें यह जिम्मेदारी देने के लिये उनका आभार जताया।

श्री बड़ौली ने प्रधानमंत्री के साथ प्रदेश के राजनीतिक हालात और संगठनात्मक विषयों पर भी चर्चा की। अध्यक्ष बनने के बाद श्री बड़ौली की श्री मोदी से यह पहली औपचारिक मुलाकात थी। श्री मोदी के साथ मुलाकात के बाद श्री बड़ौली काफी उत्साह और उर्जा से भरे दिखाई दिये। श्री बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान आगामी विधानसभा चुनाव एवं विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है।

श्री बड़ौली ने कहा कि विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता से मिलना सदैव ही प्रेरणादायक होता है। उन्होंने दावा करते हुये कहा कि श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में देश तेजी से तरक्की कर रहा है। हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा सरकार बनने जा रही है।

डबवाली में चिकित्सक के घर से बदमाशों ने 15 लाख नकद व 12 तोले सोना लूटा

सिरसा, 22 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा के डबवाली स्थित जिंदल अस्पताल के ऊपर बने आवास से सोमवार को बदमाशों ने डकैती की। बदमाशों ने डॉक्टर की पत्नी और एक कंपाउंडर को पिस्टल दिखाकर घर से 15 लाख रुपए नगद और लगभग 12 तोले सोने के जेवरात लेकर फरार हो गए। बदमाशों के चेहरे सीसीटीवी फुटैज में नजर आ रहे हैं। डबवाली से सटी पंजाब व राजस्थान की सीमाओं को सील कर बदमाशो की टोह में पुलिस लगी हुई है। डबवाली की पुलिस अधीक्षक दीप्ती गर्ग स्वयं इलाके में निकली हुई हैं। इसके अलावा कई टीम बनाकर भेजी गई हैं।

पुलिस उपाधीक्षक किशोरी लाल ने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची इस दौरान वह खुद भी मौके पर पाहुँच गए। बदमाशों की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। जिसमें वारदात से पहले बदमाश अस्पताल के बाहर मोटरसाइकिल से उतरते चार लोग नजर आ रहे हैं। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर साक्ष्य एकत्रित किये हैं।

पुलिस के अनुसार डबवाली स्थित जिंदल अस्पताल में सोमवार सुबह करीब नौ बजे बाइक सवार चार युवक दवाई लेने के बहाने आए। उन्होंने रिसे-प्शन पर बैठे स्टाफ कर्मी अजय से दवाई देने की बात कही। स्टाफ ने कहा कि अभी डॉक्टर नहीं आए हैं, इसलिए इंतजार करना होगा। इसके बाद युवकों ने कहा कि गर्मी ज्यादा है, उन्हें ठंडा पानी चाहिए। अजय ने कहा कि ठंडा पानी नहीं है। इस पर युवकों ने कहा कि आप सिर्फ हमें बर्फ लाकर दे दो। इसके बाद अजय अस्पताल के ऊपर बने डॉ. विक्की जिंदल के घर पर बर्फ लेने के लिए चला गया। अजय ने यहां डॉक्टर की पत्नी रेणु जिंदल से बर्फ मांगी इतने में ही चारो युवक कम्पाउंडर अजय के पीछे पीछे ऊपर मकान में आ गए। इनमें से एक बदमाश ने पिस्टल निकाल लिया और रेणु व अजय को धमकाया तथा शोर नही मचाने का कहा। रेणु से घर में रखे पैसे व जेवरात मांगे। रेणु ने जब आनाकानी की तो पिस्तौल दिखाते हुए जान से मारने की धमकी दी। रेणु ने मारे डर के घर में रखी 15 लाख की नकदी व लगभग 12 तोले सोना उन्हें सौंप दिया। बदमाश इसके बाद दो मोटरसाइकिल पर सवार होकर पंजाब की और भाग गए।

बदमाशों के जाने के बाद अजय और रेणू ने डॉ. विक्की जिंदल को घटना की जानकारी दी। इसके बाद तुरंत घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। रेणु जिंदल ने बताया कि जब उन्होंने घर की तलाशी ली तो वहां से 15 लाख कैश और करीब 12 तोले के सोने के जेवरात ले गए। घटना को अंजाम देते वक्त बदमाश एक बॉक्स खोल रहे थे। उसने बदमाशों को कहा कि यह माता के लिए दान राशि इकट्ठी की गई है। इस पर बदमाशों ने कहा कि हम ही इसे खर्च कर देंगे।

किशोरी लाल ने बताया कि घटना की अभी हर एंगल से गहनता से जांच की जा रही है। पीड़िता रेणु जिंदल के बयानों के आधार पर शहर थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। अलग-अलग टीमें गठित कर आरोपियों की धरपकड़ तेज कर दी गई है। उम्मीद है पुलिस इस घटना को जल्द ही ट्रेस कर पाएगी। कुछ इनपुट मिले हैं, उन पर जांच चल रही है।

सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए करे नियमों का पालन : देवनानी

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को विधानसभा में विधायकों से कहा कि सदन की गरिमा बनाये रखने के लिए सदस्यों को नियमों की पालना एवं सहयोग करने की जरुरत हैं।

श्री देवनानी ने कहा कि यह सदन है। इसे सदन के रूप में ही लीजिए और सदन की गरिमा को बनाये रखने में सभी सहयोग करें। उन्होंने कहा कि बहस के मध्य सीट पर बैठकर तेज आवाज में बात ना करें।

उन्होंने कहा कि सभा में व्यवधान ना करें। सदन में बैठकर तेज आवाज में बात करने वाला व्यवहार ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सदन पवित्र स्थल है। यहां पर आप लोग बहस कीजिए और अपनी बात सदन में रखिए, उत्तर मांगिए। उन्होंने कहा कि

हर मुद्दे पर खड़ा होना ठीक नहीं है। सभी विधायकों को इस पर सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा में कुछ सदस्य युवा हैं। वे छात्रसंघ से सीधे विधान सभा चुनाव में निर्वाचन होकर आए है। इन युवा विधायकों को भी आप लोगों को सदन में मर्यादित व्यवहार के लिए समझाना होगा।

उन्होंने कहा कि सदन नियमों और परम्पराओं से चलता है। श्री देवनानी ने कहा कि इस पवित्र सदन में जनता ने विधायक को चुनकर भेजा है। यहाँ की कुछ मर्यादाएँ है, यहाँ के कुछ नियम है। जनता की हमसे बहुत कुछ अपेक्षाएँ है। श्री देवनानी ने कहा कि सभी विधायक को सदन में नियमों का पालन करना होगा।

श्री देवनानी ने कहा कि सदस्य जो एक-दूसरे की सीट पर जाकर बातचीत करते है, उस पर भी स्वयं अपने आप पर रोक लगायें। किसी सदस्य को किसी मंत्री से मिलना है, तो उनके कमरों में जाकर मिले। सदन की व्यवस्था को बनाये रखने में सभी सहयोग करें। उन्होंने सदस्यों से अनुरोध किया कि सदन के नियमों का पालन करें।

दो दिन से लापता ट्रैक्टर चालक का शव पेड़ से लटका मिला

भीलवाड़ा, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के पुर थाना क्षेत्र के गुवारड़ी गांव में अपने घर दो दिन पहले निकले ट्रैक्टर चालक का शव सोमवार को पांसल की एक पहाड़ी पर पेड़ से लटका हुआ मिला।

पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह सूचना मिली कि पांसल में टाटा मोटर्स के सामने पहाड़ी पर एक युवक की लाश पेड़ से लटकी है। सूचना पर थाना प्रभारी जय सूल्तान सिंह मय जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। जहां एक युवक का शव रस्सी के सहारे पेड़ से लटका हुआ था। मृतक की पहचान गुवारड़ी निवासी राधाकिशन भील (27) के रूप में की गयी है। राधाकिशन ट्रैक्टर चालक था, जो दो दिन पहले गुवारड़ी स्थित घर से बाइक लेकर निकला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। शव भी दो दिन पुराना है। इस बीच, पुलिस को मृतक की मोटरसाइकिल भी इसी क्षेत्र में एक ढाबे पर खड़ी मिली। उधर शव मिलने की सूचना पाकर बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गये। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस प्रथमदृष्टया इसे खुदकुशी का मामला मान रही है। वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही सामने आ पायेंगे।

एचकेयू ने बीपीएल छात्रों को छात्रावास शुल्क में दी 50 प्रतिशत की छूट

चंडीगढ़, 22 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (एचकेयू) प्रशासन ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट देने की निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया बीपीएल श्रेणी के विद्यार्थियों को छात्रावास फॉर्म भरने के साथ ही बीपीएल श्रेणी, नवीनतम आय प्रमाण पत्र, बीपीएल राशन कार्ड, जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र तथा परिवार पहचान संबंधित दस्तावेजों जमा करवाने होंगे। उन्होंने बताया कि संबंधित छात्रावास के वॉर्डन द्वारा बीपीएल श्रेणी से संबंधित सभी दस्तावेजों की सत्यता जांचने के बाद ही छात्रावास शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

मंदिरों में श्रावण मास के पहले सोमवार को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अजमेर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर जिले में धार्मिक नगरी तीर्थराज पुष्कर में श्रावण मास के पहले सोमवार को 'बम..बम..भोले' की चहुंओर गूंज सुनाई दी। पुष्कर शहर के सभी शिवालयों में सोमवार को तड़के से ही महिलाओं-पुरुषों और युवाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जगह-जगह ऊं नमः शिवाय तथा हर-हर महादेव के जयकारे ने वातावरण को और ज्यादा धार्मिक बना दिया। सावन के पहले सोमवार को पवित्र पुष्कर सरोवर में भी श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगायी तथा परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सर्वाधिक भीड़ 108 शिवालय वाले मंदिर में देखी गयी, जहां भक्तों का तांता उमड़ पड़ा। लोगों भोलेनाथ को दुग्धाभिषेक एवं जलाभिषेक कर अपना समर्पण भाव प्रकट किया। कुछ कांवडियों ने पुष्कर सरोवर का जल ले जाना भी शुरू कर दिया, जो अपने क्षेत्र में ले जाकर पुष्कर सरोवर का जल भोलेनाथ पर अर्पित करेंगे।अजमेर में भी दरगाह के पीछे पहाड़ पर झरनेश्वर महादेव, आगरागेट पर प्राचीन शिवसागर मंदिर, नगीना बाग में जतोई दरबार मंदिर सहित सैंकडों शिवालयों में शिवभक्त उमड़ पड़े। यहां चांदबावड़ी क्षेत्र में आयोजित शिवमहापुराण कथा पर भव्य क्लश यात्रा भी निकाली गयी। सावन में पांच सोमवार पड़ेंगे।

राजस्थान सरकार रीको के लिए लाएगी नई नीति : राठौड़

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के उद्योग मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि नियमों में सुधार करते हुए राज्य सरकार द्वारा रीको के लिए नई नीति लाई जायेगी। श्री राठौड़ प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्रों में बंद पड़ी इकाइयों के संबंध में निर्णय लेने का अधिकार रीको को नहीं है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र कठूमर के ग्राम सौंखरी में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया जारी है।

उन्होंने आश्वस्त किया कि भूमि आवंटन के पश्चात् यहां मांग के आधार पर औद्योगिक क्षेत्र का विकास किया जाएगा। श्री राठौड़ ने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा वर्ष 2020-21 में विधानसभा क्षेत्र कठूमर के खेड़ली में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की घोषणा की गई थी। इसके लिए खेड़ली के ग्राम सौंखरी में भूमि चिह्नित की गई, जिसमें कुछ आपत्ति सामने आई। वर्तमान सरकार द्वारा इस चिह्नित भूमि के संबंध में विस्तृत सर्वे के लिए एनसीआर को लिखा गया। उनके द्वारा जानकारी दी गई कि यह भूमि रीजनल प्लान 2021 के अन्तर्गत एग्रीकल्चर रूरल जोन आउटसाइड कन्ट्रोल डवलपमेंट एरिया में आती है।

उन्होंने बताया कि खेडली में हिण्डौन रोड पर एक और औद्यौगिक क्षेत्र वर्ष 1979 में बना था। वर्ष 1985 में इसे औद्योगिक क्षेत्र घोषित किया गया था। उन्होंने जानकारी दी कि यहां 27 औद्योगिक भूखण्डों में से 17 इकाइयों को भूखण्ड आवंटित किये गए तथा 2 भूखण्ड बीएसएऩएल को आवंटित किये गये। यहां अधिकरतर ऑइल प्रोसेसिंग तथा पत्थर से संबंधित इकाइयां संचालित थी, लेकिन वर्तमान में इनमें से कई इकाइयां यहां बंद हो चुकी हैं। उन्होंने जानकारी दी कि किसी भी इकाई द्वारा उत्पादन बंद कर देने की स्थिति में उस इकाई पर रीको द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस संबंध में नियमों में बदलाव किये जाएंगे। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा रीको के लिए नई पॉलिसी लाई जा रही है।

इससे पहले विधायक रमेश खींची के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा वर्ष 2021-22 (सामान्य वाद विवाद) के बिन्दु संख्या 30 में अलवर जिले के खेडली (कठूमर) में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की घोषणा की गई थी। इसके लिए ग्राम रूंध सौंखरी में 25.30 हैक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है।

मोदी और नीतीश ने विशेष राज्य पर झुनझुना पकड़ा दिया, तुरंत इस्तीफ दें सीएम : लालू

पटना (एजेंसियां)।
बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा। लोकसभा में जनता दल यूनाईटेड के सांसद रामप्रीत मंडल के सवाल पर केंद्र सरकार ने दो टूक कह दिया कि बिहार को नेशनल डेवलेपमेंट काउंसिल के क्राइटेरिया के तहत बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दे पाना संभव नहीं है। अब इस मामले को लेकर बिहार में सियासत गरमा गई है। महागठबंधन ने नीतीश सरकार से इस्तीफा तक की मांग कर दी। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि एनडीए गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार ने बड़ी निर्लज्जता से बिहार को विशेष राज्य पर झुनझुना पकड़ा दिया है। ''विशेष राज्य का दर्जा नहीं तो विशेष पैकेज के नाम पर ही बिहार को कुछ भी दे दें'', यह कहकर जदयू भाजपा के सामने नतमस्तक है। इसलिए नीतीश कुमार को तुरंत इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। उन्होंने तो कहा था कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिला देंगे पर केंद्र ने मना कर दिया।

नीतीश कुमार ने कहा था कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाएंगे। लेकिन, वह नहीं दिला पाएं। इसलिए वह अपना इस्तीफ तुरंत दें। लालू ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का देना ही पड़ेगा। हमलोग इसे लेकर रहेंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार केंद्र और राज्य की सत्ता के लिए अपना ज़मीर, अपनी अंतरात्मा, बिहार की अस्मिता, बिहारवासियों की आकांक्षाओं और बिहार के वोटों की महत्ता को बेच चुके हैं।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि देश का प्रगति का ब्लूप्रिंट बिहार जैसे राज्यों की प्रगति के बगैर संभव नहीं है। बिहार श्रम आपूर्ति के राज्य के दाग के निकलना चाहता है। यह दाग औपनिवेशिक काल से लगा हुआ है। मेरी मांग है कि बिहार को वोटिंग स्टेट सिर्फ मत मानिए। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दीजिए। बिहार को संवेदना से देखने की जरूरत है। विशेष राज्य का दर्जा भी चाहिए और विशेष पैकेज भी चाहिए! दोनों के बीच में या नहीं है।

कांवड़ियों ने दुकानों पर दुकानदारों का नाम लिखना बताया जरूरी

गया (एजेंसियां)।
गया रेलवे जंक्शन से कांवड़ियों का जत्था देवघर रवाना होने लगा है। सोमवार को गया जंक्शन भगवा रंग से पट गया है। कांवड़ियों ने यूपी सरकार की नेमप्लेट लगाने के फैसले की खूब सराहना की। इस दौरान कांवड़ियां विष्णु प्रसाद ने कहा कि जनहित के लिए पूरे देश में जारी होना चाहिए। हर स्थानों पर ऐसी व्यवस्था होना चाहिए।

वैसे धार्मिक स्थल जहां श्रद्धालुओं का आना-जाना होता है, वहां यह नियम लागू होना चाहिए। दुकानों की पहचान कांवड़ियों को दिखना चाहिए कि आखिर हम सामान किस दुकान से ले रहे हैं। यूपी सरकार के उक्त

आदेश को धर्म से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। सभी धर्मों के लोग हर जगह रहते हैं। वहीं कांवड़ियां सुरेश साव ने कहा वह झारखंड के चतरा से गया रेलवे जंक्शन से देवघर जा रहे हैं। सुल्तानगंज से जल उठकर बाबा की नगरी देवघर पहुंचकर जलाअभिषेक करेंगे। दुकानों में नेमप्लेट रहने से उस दुकानदार के धर्म की जानकारी सभी श्रद्धालुओं को होगी। नियमानुसार कांवड़ियां पैदल मार्ग पर गंगा जल लेकर चलते है। अनजान में जो गलतियां होती होगी, इस पहल से वह गलतियां नहीं होगी।

बेखौफ अपराधियों ने दवा कारोबारी को मारी गोली

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
मुज़फ्फरपुर में बाईक सवार दो बेखौफ अपराधियों ने दवा कारोबारी को गोली मारकर घायल कर दिया। घटना मीनापुर थाना क्षेत्र के धरमपुर मलंग चौक के पास की है। घायल युवक की पहचान नंदू प्रसाद (25) के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में घायल के भाई ने बताया कि नंदू प्रसाद अपने खेत मे पटवन करवा रहे थे। तभी वहां अचानक अपाची बाईक पर सवार दो बेखौफ अपराधियों ने नंदू प्रसाद पर गोलियां बरसाने लगे। अचानक हुए इस गोली-बारी में दवा कारोबारी घायल हो गये। उन्हें दो गोली लगी है, पहली गोली उनके सीने में लगी है, जबकि दूसरी गोली उनके बांह में लगी है। परिजनों ने बताया कि उन्होंने कमीज के उपरी पॉकेट में मोबाइल रखा था, जिसे गोली छेद करते हुए सीने में जा घुसी।

गोली लगते ही नंदू जमीन पर गिर पड़े। गोली चलते ही वहां आसपास के लोग दौड़ पड़े, तबतक अपराधी वहां से फरार हो गये। अपराधियों के वहां से भागते ही आसपास के लोग वहां जुट गये और आननफानन में उन्हें अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। घटना के क्या कारण हैं, फिलहाल स्पष्ट नहीं हुआ है। परिवार के लोग भी कुछ नहीं बता रहे हैं।

घटना के संबंध में मीनापुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार रजक ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। घायल नंदू प्रसाद को दो गोली लगी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि एक गोली नंदू प्रसाद के सीने में लगी है जो उनके जेब मे रखे मोबाइल को छेदकर अंदर गई है, जबकि दूसरी गोली बांह में लगी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी तक के जांच में यह आपसी लेनदेन का मामला लगता है। बाइक सवार होकर पहुंचे दो अपराधियों के द्वारा घटना को अंजाम दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले में सभी बिंदु पर जांच कर रही है।

बिहार में बड़ा हादसा : गंगा में चार लड़के डूबे, सात को बचाया गया

पटना (एजेंसियां)।
भागलपुर जिला के नारायणपुर प्रखंड अंतर्गत भवानीपुर थाना क्षेत्र के मधुरापुर गंगा जहाज घाट पर नहाने के क्रम में सोमवार को डूबने से चार लड़कों की मौत हो गई। गोताखोरों की मदद से तीन लड़कों के शव नदी से निकाल कर परिजनों को सौंप दिया गया है। एक की खोजबीन जारी है। मरने वाले सभी नवगछिया थाना क्षेत्र के नया टोला के रहने वाले है।

परिजनों ने बताया कि पहली सोमवारी को लेकर नवगछिया

नया टोला गांव से 11 लड़के गंगा स्नान के लिए मधुरापुर गंगा जहाज घाट आये थे। गहरे पानी में जाने की वजह से पहले एक लड़का डूबने लगा। उसको बचाने दूसरा लड़का पहुंचा। इसी तरह एक-दूसरे को बचाने के चक्कर में एक एक कर 11 लड़के डूबने लगे।

स्थानीय लोगों की मदद से सात लड़कों को बचा लिया गया। वहीं चार लड़के डूब गए।

इस हादसे में चार शिवम कुमार (18वर्ष) पिता दिगंबर शर्मा, सोनू कुमार उम्र (16 वर्ष) पिता दिलीप गुप्ता, आलोक कुमार उम्र (18 वर्ष) पिता संतोष भगत, संजीव कुमार (17वर्ष) पिता अरुण कुमार शाह की मौत हो गई। घटना स्थल पर भवानीपुर थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर महेश कुमार, अंचलाधिकारी विशाल अग्रवाल, आरओ भरत कुमार झा, सहित कई पदाधिकारी पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गई है।

युवती की हत्या, अपराधियों ने ईंट पत्थर से कूचकर मारा

पटना (एजेंसियां)।
नवादा जिले के वारिसलीगंज थाना क्षेत्र में एक युवती की ईंट पत्थर से कूच कर हत्या कर दी गई। घटना किउल-गया रेलखंड पर स्थित बाघी बरडीहा रेलवे स्टेशन परिसर की बताई गई है। सोमवार की सुबह युवती का शव स्टेशन परिसर स्थित एक खंडहरनुमा कमरे से पुलिस ने बरामद किया। घटनास्थल को देखने के बाद प्रथमदृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि लड़की के साथ गलत काम कर उसकी हत्या कर दी गई और शव को खंडरनुमा कमरा में फेंक दिया गया है। जहां से शव बरामद हुआ उसके पास एक कमरे में खून के धब्बे मिले थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि स्टेशन के पुराने मशीन वाले कमरे में ही ईंट से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। शव के पास रहे खंडरनुमा कमरे में फेंककर हत्यारा फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही वारिसलीगंज थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रूपेश कुमार सिन्हा दलबल के

साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। एसडीपीओ पकरीबरावां महेश चौधरी भी घटनास्थल पर पहुंच मामले की तहकीकात की। पुलिस शव का शिनाख्त कराने का प्रयास करने में जुटी है। शव की पहचान होने के बाद स्थिति साफ हो सकेगी। इस स्थान पर उसकी हत्या की गई है। उस स्थान पर नीर जल का एक खाली बोतल और एक जोड़ा हवाई चप्पल पड़ा मिला।

एसडीपीओ महेश चौधरी ने बताया कि सोमवार सुबह नौ बजे घटना की सूचना मिली कि एक युवती की लाश बाघी बरडीहा रेलवे स्टेशन के समीप फेंकी हुई मिली। घटना की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। जांच ओर अनुसंधान किया जा रहा हैं। जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला साफ हो पाएगा।

पहली सोमवारी पर बिहार के शिव मंदिरों में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

चारों तरफ हर-हर महादेव की गूंज

पटना (एजेंसियां)।
देवों के देव महादेव के प्रिय माह सावन की आज पहली सोमवारी है। बिहार समेत पूरे देश के सभी शिव मंदिरों में अहले सुबह से ही भीड़ उमड़ चुकी है। पटना के खाजपुरा शिव मंदिर, बैकुंठनाथ मंदिर, लखीसराय के अशोकधाम मंदिर, मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ मंदिर, मधेपुरा के सिहेंश्वर, गया के कोटेश्वर नाथ धाम, सुल्तानगंज के अजगैबीनाथ मंदिर, वैशाली के हरिहरनाथ मंदिर, दरभंगा के कुशेश्वरस्थान, बक्सर के ब्रह्मेश्वर नाथ समेत लगभग सभी शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा है। विभिन्न घाटों से जल लेकर आये श्रद्धालुओं की लंबी कतार सुबह से ही दिखने लगी। पंक्तिबद्ध होकर भक्त हर-हर महादेव का जयकारा लगाते नाचते-गाते हुए मंदिर पहुंच रहे और भोलेनाथ का दर्शन कर रहे हैं। चारों तरफ हर-हर महादेव की गूंज है।

मुजफ्फरपुर के सुप्रसिद्ध बाबा गरीब नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा है। हजारों श्रद्धालु पंक्तिबद्ध होकर कर बाबा गरीब नाथ पर जलाभिषेक कर रहे हैं। सावन की पहली सोमवारी पर रात्रि 12:00 बजे के बाद

से जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के सुविधा को लेकर एलईडी स्क्रीन लगाई गई है। ताकि भक्त अपने आस्था के चल को बाबा पर अर्पित होते हुए लाइव दर्शन कर सके। श्रद्धालुओं ने कहा बाबा पर जलाभिषेक करके आज बेहद उत्साहित हूं। बाबा को जल अर्पित कर दिया हूं अब सारी मनोकामना पूरी हो जायेगी। यहां पहलेजा घाट से जल भरकर शिवभक्त जलाभिषेक को पहुंच रहे हैं।

पूर्वी चंपारण के अरेराज स्थित सोमेश्वर नाथ मंदिर बिहार के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। पहली सोमवार पर भक्तों का जनसैलाब उमड़ चुका है। मध्य रात्रि से श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए मंदिर प्रबंधन द्वारा भी लगातार तैयारी की जा रही है। श्रद्धालुओं को कतारबद्ध दर्शन कराने के लिए लगभग दो किलोमीटर की बैरिकेडिंग की गई है। धूप एवं बारिश से बचाने के लिए शेड भी बनाया गया हैं। मंदिर परिसर में सुरक्षा के लिए 35 सीसीटीवी लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं की सेवा के लिए दर्जनों स्वयंसेवी मौजदू हैं।

प्रसिद्ध शिव मंदिरों में कांवरियों की सुविधा के लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। इलाके में जाम न लगे इसके लिए पहले ही ट्रैफिक प्लान बना लिए गए थे। महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों में भी शिव की भक्ति देखने को बन रही है। सुबह से ही मंदिर में युवा शिवलिंग पर दूध और जल से अभिषेक करने पहुंच रहे हैं।

सहरसा के सिमरी बख्तियारपुर प्रखंड के कांठो पंचायत स्थित बाबा मटेश्वर धाम में रात 12 बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लगभग दो किलोमीटर तक श्रद्धालु पंक्तिबद्ध होकर पूजा अर्चना के लिए अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। श्रद्धालु मुंगेर के छारापट्टी से गंगाजल लेकर आए हैं।

सुल्तानगंज उत्तर वाहिनी गंगा घाट पर कांवरियाओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुल्तानगंज से रविवार को करीब 70 हजार से अधिक कांवरियों ने जल भर कर देवघर के लिए प्रस्थान किया। सावन माह में कांवड़ यात्रा के दौरान सुलतान से जल भरकर बाबा बैद्यनाथ धाम जाते हैं। पैदल यात्रा करते हुए श्रद्धालु देवघर पहुंचते हैं। उस जल से शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं।

रामलखन सिंह कॉलेज में जन्मतिथि में फर्जीवाड़ा कर नौकरी करने का मामला आया सामने, जांच शुरू

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
बेतिया के रामलखन सिंह यादव महाविद्यालय में एक बहुत बड़ा गड़बड़ झाला सामने आया है। जहां जन्मतिथि में फेरबदल कर दो कर्मी नौकरी करते आ रहे हैं। मामले का खुलासा होते ही महाविद्यालय में हड़कंप मच गया है। विश्वविद्यालय द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, जन्मतिथि में फर्जीवाड़ा कर 15 साल की उम्र से कर्मचारी नौकरी कर रहे हैं। ऐसे मामले में दो लोगों का भंडाफोड़ हो गया। मामले को लेकर विश्वविद्यालय द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। कॉलेज के एक नहीं कई कर्मियों की जन्मतिथि में हेरा फेरी की लंबी सूची है। यह सूचना भी सामने आ रही है कि सिर्फ कर्मियों में ही नहीं, बल्कि कई प्राध्यापकों के भी सर्टिफिकेट में गड़बड़ झाला है। हालांकि अब यह मामला विश्वविद्यालय में पहुंच गया है।

कॉलेज के एक चतुर्थ वर्गीय कर्मी के अलग-अलग जन्मतिथि के दो सर्टिफिकेट जांच के घेरे में हैं। विश्वविद्यालय की ओर से जिसकी जांच हो रही है। उसमें 18 साल से कम उम्र में हुई नौकरी, एक दर्जन जन्मतिथि और फर्जी मार्कशीट पर नौकरी का खुलासा, ऐसे कर्मी जिनके दो-दो जन्मतिथि के अलग-अलग सर्टिफिकेट आदि मौजूद हैं।

गौरतलब है कि यहां नौकरी करने के लिए न उम्र की सीमा मायने रखती है और न ही जन्मतिथि। सरकार ने भले ही नौकरी के लिए उम्र की न्यूनतम सीमा 18 वर्ष निर्धारित की है, लेकिन कॉलेज के कई कर्मी खेलने-खाने और स्कूल में पढ़ने की उम्र से नौकरी कर रहे हैं। कई तो नौकरी पूरी कर सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं और सरकार से पेंशन ले रहे हैं। फर्जीवाड़े के बल पर कॉलेज के प्रधान सहायक विजय प्रसाद यादव के बिहार बोर्ड से जारी सर्टिफिकेट में 12 नवंबर 1969 जन्म तिथि अंकित है। जबकि 22 अक्टूबर 1985 को इनका योगदान पत्र जारी हुआ है। यानी 16 साल तीन महीने और 10 दिन में ये नौकरी करने के योग्य हो गए हैं और नौकरी भी कर रहे हैं। कॉलेज में ऐसे एक नहीं कई उदाहरण हैं।

यहां तक कि पूर्व प्रधान सहायक रंजीत सिंह यादव अब कॉलेज से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इन्हें हर माह पेंशन भी मिलती है। बिहार बोर्ड से जारी सर्टिफिकेट में उनकी जन्मतिथि 24 नवंबर 1962 अंकित है। इनका योगदान पत्र 14 दिसंबर 1977 को जारी हुआ है। यानी इन्होंने 15 साल 20 दिन की उम्र से कॉलेज में नौकरी करनी शुरू कर दी थी।

करंट की चपेट में आने से वार्ड पार्षद की मौत

भैंस को चारा डालने के दौरान हुआ हादसा

पटना (एजेंसियां)।
कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र के मामादेव गांव में करंट की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची मोहनिया पुलिस जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि आज सोमवार की सुबह वार्ड पार्षद अपनी भैंस को चारा दे रहे थे कि विद्युत के करंट की चपेट में आ गए, जिससे उनकी हो गई। इस घटना से परिजनों में हाहाकार मच गया। वहीं, मोहनिया पुलिस

ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान मोहनिया थाना क्षेत्र के मामादेव गांव निवासी अजय कुशवाहा के भतीजे वार्ड पार्षद योगेंद्र कुशवाहा के तौर पर हुई है। मोहनिया थाना अध्यक्ष ने बताया कि मोहनिया थानाक्षेत्र के मामादेव गांव में एक व्यक्ति की बिजली चपेट में आने से मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

इधर, सूचना पाकर मौके पर पहुंचीं जिला पार्षद गीता पासी ने बताया कि आज की घटना दुखद है। वार्ड पार्षद योगेंद्र अपनी गाय और भैंस को चारा दे रहे थे, इसी दौरान विद्युत करंट की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। मैं सरकार से मांग करती हूं कि उनके परिजन को सरकार की तरफ से मुआवजे की राशि मिलनी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com